जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 273 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 3 मई, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

*बांग्लादेश में गत कुछ समय से टाइगर के अंगों से बनी वस्तुओं व दवाओं का उपभोग बढ़ गया है। इससे यहाँ के संकटग्रस्त बंगाल टाइगर के लिए खतरा और बढ़ गया है। आमतौर पर तो विदेशी मांग पूरी करने के लिए इनका शिकार किया जाता था पर अब स्थानीय स्तर पर भी बंगाल टाइगर के अंगों से बने उत्पादों की मांग बढ़ रही है। अध्ययन के प्रमुख लेखक, चीन में यूनान के शीशाँगबाना ट्रॉपिकल बॉटैनिकल गार्डन के नासिर उद्दीन ने कहा कि, एतिहासिक रुप से बांग्लादेश जीवित टाइगर और टाइगर के अंगों का प्रमुख सप्लायर रहा है, पर हाल ही में हमने देखा कि घरेलू स्तर पर इन उत्पादों की खपत बढ़ी है, खासकर सम्पन्न वर्ग में। इस मांग की पूर्ति के लिए भारत और म्यानमार में टाइगर के अवैध शिकार में तेजी आई है। शोध में पता चला है कि, बांग्लादेश 15 देशों तथा उन स्थानों पर, जहाँ बड़ी संख्या में बंगलादेशी रहते हैं, टाइगर के अंगों की आपूर्ति करता है। इनमें भारत, चीन, मलेशिया टॉप पर हैं तथा यू.के., जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया एवं जापान जैसे देश भी इसमें शामिल हैं। शोध के अनुसार, टाइगर की खाल, हड्डियां, दांत और सुखाए हुए मांस की मांग बहुत ज्यादा है। टाइगर के शावकों की तस्करी के प्रमाण भी मिले हैं। मोहम्मद सनाउल्लाह पटवारी, जो कि बांग्लादेश वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल यूनियन के प्रमुख हैं, ने कहा कि, वन्यजीवों की तस्करी भारी चुनौती है। बांग्लादेश के विभिन्न समुदायों में टाइगर के अंगों को लेकर जो सांस्कृतिक मान्यताएं हैं, उनकी वजह से यह अवैध व्यापार ज्यादा बढ़ा है और अब यह देश टाइगर और उसके अंगों की तस्करी का केन्द्र बन गया है। वर्ष 2022 में आई रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2000 से जून 2022 के बीच टाइगर व उसके अंगों की बरामदगी के 36 मामले सामने आए, जिसमें 50 टाइगर बरामद किए गए। लेकिन, इस अवधि में मात्र 6 लोगों को ही जेल हुई और चार पर जुर्माना हुआ।*

# "दरबार पॉलिटिक्स" के कारण अभी तक अटका हुआ है कांग्रेस का अमेठी व रायबरेली का निर्णय

## प्रियंका गाँधी, रायबरेली से चुनाव लड़ने के लिये काफी आतुर दिखती हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पर, राहुल उनको यह चुनाव नहीं लड़ाना चाहते।
- राहुल के सलाहकारों ने राहुल को पूरी तरह समझा रखा है कि, अगर प्रियंका रायबरेली से चुनाव जीत कर संसद में पहुंच जाती हैं तो वे एक बड़े "पावर सेन्टर" के रूप में उभरकर, राहुल के लिये, उनके नेतृत्व के लिए भारी चुनौती बन सकती हैं।
- अतः राहुल गाँधी, प्रियंका को रायबरेली से चुनाव लड़ाने के काफी खिलाफ हैं।
- हाल ही में कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे राहुल गाँधी से शिमोगा एयरपोर्ट पर मिले तथा पूरा प्रयास किया, राहुल को अमेठी से चुनाव लड़ने के लिए मनाने का। इसके बाद के.सी. वेणुगोपाल ने भी राहुल को अमेठी से चुनाव लड़ने के लिये मनाने की कोशिश की, सोनिया गाँधी भी यह तर्क सही मानती हैं कि, राहुल अगर अमेठी से चुनाव नहीं लड़ेंगे तो इण्डिया गठबंधन को नुकसान होगा।
- पर, राहुल गाँधी इन सभी तर्कों से सहमत नहीं है, अतः अमेठी का टिकट कांग्रेस के गले की घंटी हो गया है तथा इस मुद्दे का कोई समाधान किसी की भी समझ में नहीं आ रहा है।

नई दिल्ली, 2 मई। अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीटों पर कांग्रेस से कौन चुनाव लड़ेगा, इसे लेकर बहुत ज्यादा भ्रामक स्थिति बनी हुई है।

कल नामांकन पत्र दाखिल करने का अंतिम दिन है और गाँधी परिवार के अलावा इस विषय में किसी के पास कोई जानकारी नहीं है और यह परिवार इस बात को लेकर बिल्कुल चुप्पी साधे हुए है कि, क्या राहुल और प्रियंका क्रमशः अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ेंगे।

जयराम रमेश जब यह कहते हैं कि, प्रत्याशियों की लिस्ट आ रही है, तब उनके चेहरे पर बेचैनी स्पष्ट नज़र आती है क्योंकि पिछले कुछ दिनों से यही कुछ चलता रहा है।

उधर, भाजपा ने उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री दिनेश को रायबरेली से अपना उम्मीदवार बनाने की घोषणा की है। दिनेश पिछली बार रायबरेली में सोनिया गाँधी से चुनाव हार गए थे और अमेठी में स्मृति ईरानी, राहुल गांधी के चुनाव मैदान में उतरने की प्रतीक्षा कर रही है।

राहुल गांधी पिछली बार अमेठी में स्मृति ईरानी से सामने चुनाव हार गए थे। स्मृति ने उसके बाद अमेठी में एक घर खरीदा और वहीं बस गईं।

अमेठी और रायबरेली के कांग्रेसी राहुल और प्रियंका, दोनों से यह पुरजोर अनुरोध कर रहे हैं कि वे अपने परिवार की सीटें बचाएं।

सोनिया गाँधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और इण्डिया गठबंधन की सहयोगी पार्टियों द्वारा भी यही तर्क दिया जा रहा है कि, चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय उत्तर भारत में कांग्रेस और विपक्ष के इंडिया गठबंधन को क्षति पहुंचाएगा क्योंकि कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ जो गति पकड़ी है वह इससे समाप्त हो जाएगी।

ज्ञात हुआ है कि अमेठी और रायबरेली की सीटों को लेकर राहुल और मल्लिकार्जुन खड़गे ने शिमोगा एयरपोर्ट पर चर्चा हुई थी, लेकिन सूत्र बताते हैं कि राहुल असहमत से नज़र

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# चूरू में भाजपा प्रत्याशी कांग्रेस के राहुल कस्वां से नहीं बल्कि अपनी पार्टी के वसुंधरा गुट से हारेगा?

## राहुल कस्वां को हमेशा से वसुंधरा गुट का माना जाता है, पर इस बार राहुल कस्वां का टिकट काट दिया गया

- टिकट कटने के बाद राहुल कस्वां रातोंरात कांग्रेस के प्रत्याशी बन गए, इससे कांग्रेस में भारी असंतोष फैला और टिकट के दावेदार माने जाने वाले सभी नेता घर बैठ गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उदासीनता को आमजन ने भी समझ लिया था, कस्वां पिछड़ से रहे थे।
- राहुल कस्वां को हो रहे इस नुकसान की भरपाई वसुंधरा गुट ने कर दी। इस गुट ने भाजपा में रह कर ही भाजपा के देवेन्द्र झांझड़ियां की भारी खिलाफत की। समझा जाता है कि, इन्हीं लोगों ने राजेन्द्र राठौड़ को तारानगर चुनाव हरवाया था।
- पूरे चुनाव में जाट राहुल कस्वां के पक्ष में तो राजपूत झांझड़िया के पक्ष में लामबंद नज़र आए और अन्य जातियों, जैसे ब्राह्मण, वैश्य, सैनी, प्रजापत, आदि की बात करे तो इनके वोट बंट गए, लेकिन एस.सी., एस.टी. के वोट भारी तादाद में कांग्रेस को मिले।

चूरू, 2 मई (कासं.)। चूरू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के पक्ष में चली हवा मतदान से पहले ही बदल गई। ये बदली हुई हवा भाजपा उम्मीदवार देवेन्द्र झांझड़िया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के साथ-साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए भी हानिकारक साबित होगी। क्योंकि भजनलाल शर्मा अपनी चुनावी सभाओं में बार-बार यह दावा कर चुके हैं कि राजस्थान में भाजपा सभी 25 सीटों पर जीत हासिल करेगी, वो भी 5 लाख मतों से पर चूरु इसमें अड़चन बनता लग रहा है। सूत्रों का कहना है कि सभी 25 सीटें जीतने का दावा वसुंधरा गुट की वजह से नामुमकिन प्रतीत हो रहा है।

चूरु में भाजपा ने दो बार सांसद रहे राहुल कस्वां का टिकट काटकर पैरालम्पिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झांझड़िया को मैदान में उतारा। समझा जाता है कि यह कदम क्षेत्र के दिग्गज नेता राजेन्द्र राठौड़ के इशारे पर उठाया गया था। हालांकि कांग्रेस आलाकमान ने भाजपा के बागी सांसद राहुल कस्वां को रातों-रात मैदान में उतार दिया पर कहीं ना कहीं अपनी पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं का विश्वास खो दिया था। उन कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी उम्मीदवार कस्वां से दूरी बना ली थी। कांग्रेस कार्यकर्ता या तो कस्वां की किसी सभा में गए ही नहीं और गए तो बेमन से गए। जनता ने उनके भावों को समझ लिया। एक बार तो लगा कि ये कांग्रेसी नेता राहुल कस्वां की जमानत ही जब्त करवा देंगे।

इन नेताओं में सरदारशहर विधायक अनिल शर्मा, राजगढ़ की पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया और चूरू लोकसभा सीट व विधानसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार रहे रफीक मंडेलिया का नाम खुलेआम लिया जा रहा है। इतना ही नहीं तारानगर विधायक नरेंद्र बुढ़ानिया ने भी अपनी पार्टी के उम्मीदवार राहुल कस्वां के पक्ष में मन से प्रचार नहीं किया। कांग्रेस की टिकट के अन्य दावेदार तनवीर खान, रेहाना रियाज आदि एवं कई अन्य नेता तो अंडरग्राउंड ही हो गए। इसलिए कांग्रेस का वोट बैंक माने जाने वाले मुस्लिम वर्ग के 50 प्रतिशत मतदाताओं ने तो मतदान ही नहीं किया। इसका एक कारण यह भी रहा कि राहुल कस्वां ने भाजपा या नरेन्द्र मोदी के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला सिर्फ राजेन्द्र राठौड़ पर ही निशाना साधा। मुस्लिम वर्ग के मतदाताओं को राहुल कस्वां थोपे हुए उम्मीदवार लगे और उन्होंने वोट नहीं करने का निर्णय ले लिया। इस कारण भी कांग्रेस को काफी नुकसान उठाना पड़ा।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# कॉमेडियन श्याम रंगीला मोदी के खिलाफ चुनाव मैदान में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मई। वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस ने जहाँ उत्तर प्रदेश के पार्टी अध्यक्ष अजय राय को चुनाव मैदान में उतारा है, वहीं कॉमेडियन श्याम रंगीला भी राजस्थान स्थित अपने गृह नगर श्रीगंगानगर से

- गंगानगर के श्याम रंगीला ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। ज्ञातव्य है कि, मोदी की मिमिक्री करके ही श्याम रंगीला फेमस हुए थे।

रवाना हो गए हैं। वह भी लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में वाराणसी से चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

रंगीला ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि, वे वाराणसी के वोटर्स को एक विकल्प उपलब्ध करवा रहे हैं।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'दबदबा था: दबदबा रहेगा'

## जन भावना के दबाव में भाजपा ने कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह का टिकट काटा केसरगंज से

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पर साथ ही बृज भूषण सिंह के पुत्र करण भूषण सिंह को केसरगंज से टिकट दिया।
- गौंडा, बहराइच, बलरामपुर, सरस्वती जिलों के अलावा अयोध्या व बारांबकी में बृजभूषण सिंह का भारी प्रभाव है। जिसका पूरा प्रमाण बृज भूषण सिंह ने उस वक्त उस वक्त दिया था जब अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मैडल जीतने वाली महिला रैसलर्स ने यौन शोषण का आरोप लगाया तथा बृज भूषण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की थी।
- बृज भूषण सिंह ने यौन शोषण के आरोपों के खिलाफ विशाल रैली आयोजित की अयोध्या के राम कथा पार्क में।
- बृज भूषण ने तीस आम सभाओं को संबोधित किया तथा कभी हैलीकॉप्टर से तो भी कार से अपने प्रभाव वाले क्षेत्र का सघन दौरा किया था। उस समय पूरा इलाका बृज भूषण सिंह के पोस्टरों से आच्छादित कर दिया गया था।

नई दिल्ली, 2 मई। सार्वजनिक दबाव के चलते एक असाधारण घटनाक्रम में भाजपा नेतृत्व ने केसरगंज से वर्तमान सांसद बृजभूषण शरण सिंह को तो पार्टी का टिकट नहीं दिया है लेकिन, उनके बेटे करण भूषण सिंह को इस सीट से नामांकित किया है।

सांसद प्रज्वल रेवन्ना से संबंधित प्रचण्ड विवाद के बीच, स्वाभाविक ही है कि भाजपा बृजभूषण के मामले में कोई खतरा नहीं मोल लेना चाहती लेकिन, इसके साथ ही वह केसरगंज सीट पर बृजभूषण के परिवार के ही सदस्य को टिकट देने के लिए विवश है।

बृजभूषण का केसरगंज और आसपास के इलाकों में काफी दबदबा है, और उन्होंने समय-समय अपना दबदबा दिखाया भी है।

शीर्ष मैडल जीतने वाली, देश की महिला पहलवानों के बृजभूषण पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के कारण उपजे आक्रोश और विरोध के बीच, बृजभूषण शरण सिंह ने पिछले वर्ष जून महीने में अयोध्या के रामकथा पार्क में एक "जन चेतना महारैली" का आयोजन किया था। घोषणा के कुछ घंटों के अंदर ही गौंडा, बहराइच, बलरामपुर और श्रावस्ती जिलों के मुख्य मार्ग और अयोध्या एवं बाराबंकी के समीपवर्ती जिले, बृज भूषण के पोस्टर्स से भर गये थे। अगले दस दिनों तक, सिंह ने इन जिलों के चप्पे-चप्पे का दौरा किया। इन दौरों में कई बार हैलीकॉप्टर का इस्तेमाल

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'गैर जमानती वॉरंट साधारण बात नहीं है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मई। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक नवीनतम निर्णय में कहा है कि, गैर जमानती वारंट रुटीन तरीके से जारी नहीं किया जा सकता। यह तभी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, गैर जमानती वॉरंट जारी करना कोई नियमित प्रक्रिया नहीं है, यह तभी जारी किया जा सकता है, जब अपराध जघन्य हो और आरोपी द्वारा सबूतों से छेड़छाड़ करने की संभावना हो।

जारी किया जा सकता है, जब आरोपी पर किसी जघन्य अपराध का केस दर्ज हो तथा यह आशंका हो कि, वह कानून

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# क्या इस बार फिर हरीश मीणा मुकद्दर का सिकंदर होंगे?

## क्या टोंक-सवाई माधोपुर में हरीश मीणा का मुकद्दर कांग्रेस का मुकद्दर भी बना देगा

-टोंक संवाददाता द्वारा-

- 2014 में दौसा से भाजपा सांसद के रूप में चुनाव जीते हरीश मीणा ने 2018 में भाजपा छोड़कर कांग्रेस का दामन थामा था और 2018 व 2023 में देवली-उनियारा से विधानसभा चुनाव लड़ा और जीता भी। अब वे टोंक से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं।
- टोंक-सवाई माधोपुर गुर्जर और मीणा बहुल सीट है। मीणा मतदाता हरीश मीणा के पक्ष में पूरी तरह लामबंद दिखे, वहीं गुर्जर मतदाता दुविधा ग्रस्त और बंटा हुआ नज़र आया।
- गुर्जर मतदाताओं की दुविधा का कारण सचिन पायलट को बताया जा रहा है। आमतौर पर पायलट उन क्षेत्रों में प्रचार के लिए नहीं जाते जहां, भाजपा का गुर्जर प्रत्याशी मैदान में होता है। पर टोंक-सवाई माधोपुर सीट पर पायलट ने अपने करीबी हरीश मीणा के लिए जम कर प्रचार किया व सभाएं कीं।
- यही नहीं, भाजपा के गुर्जर नेता भी भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनपुरिया के साथ पूरे मन से खड़े नज़र नहीं आए। संभावना है कि, 2014 और 2019 में टोंक-सवाई माधोपुर से चुनाव जीत चुके जौनपुरिया, जिनके खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी भी है, को इस बार कांटे की टक्कर मिल रही है।

टोंक, 2 मई। पूर्व डायरैक्ट जनरल ऑफ पुलिस (डी.जी.पी.) हरीश मीणा, राजनीति में बहुत "लक्की" रहे हैं। वे पार्टी बदल चुके हैं। पहले वे भाजपा के टिकट पर सांसद बने, फिर 2018 में कांग्रेस के विजयी उम्मीदवार के रूप में विधानसभा पहुंचे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में हरीश मीणा ने अपने बड़े भाई और कांग्रेस प्रत्याशी नमोनारायण मीणा को चुनाव में हराया था, जो काफी पहले राजनीति में आ गये थे तथा अपने चुनाव क्षेत्र में काफी मिलनसार व लोकप्रिय रहे हैं तथा केन्द्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। बाद में हरीश मीणा ने 2018 व 2023 में कांग्रेस के टिकट पर देवली उनियारा से विधानसभा चुनाव लड़ा, सभी चुनाव कठिन थे तथा कांटे की टक्कर रही थी, पर, हरीश हर चुनाव जीतते गये और उनके चुनाव क्षेत्र में यह आम धारणा बनी कि, हरीश का मुकद्दर बहुत मजबूत है और उनको साधारण तौर पर मीणा बहुल सीट पर हराना कठिन ही नहीं नामुमकिन है।

इस बार भी कुछ ऐसा ही होता लगता है, टोंक-सवाईमाधोपुर सीट पर, जहां लगातार दो बार सांसद रहे भाजपा के उम्मीदवार सुखबीर सिंह जौनपुरिया व कांग्रेस के हरीश मीणा के बीच टक्कर है और इस बार लोकसभा चुनाव का अजीबोगरीब पहलू यह है कि, नैशनल स्तर का चुनाव स्थानीय मुद्दों पर लड़ा जा रहा है। क्या इस तथ्य का सीधा अर्थ यह नहीं है कि, मोदी लहर का वेग इस बार वह नहीं है जो, गत दो बार 2014 एवं 2019 के लोकसभा चुनाव में देखा गया था तथा दोनों बार भाजपा 25-0 के स्कोर से जीती थी राजस्थान में। क्या इसमें भी हरीश मीणा का मुकद्दर काम आया?

साथ ही क्योंकि मीणा व गुर्जर मुख्य प्रतिद्वंदी हैं, यह भी अपेक्षित ही था कि, दोनों जातियां अपनी-अपनी जाति के उम्मीदवार के पक्ष में लामबंद होंगी, मीणा मतदाता तो जरूर जोर-शोर से हरीश मीणा को जिताने के लिए पूर्णतया अपनी जाति के साथ बंधे नज़र आये। पर गुर्जरों में कुछ दुविधा की स्थिति दिखी, मतदान के दिन। दुविधा का कारण थे, सचिन पायलट। आमतौर से सचिन, उस सीट पर अपने उम्मीदवार का प्रचार करने से बचते हैं, जहां प्रतिद्वंदी उम्मीदवार गुर्जर हो। मकसद शायद था कि, गुर्जर वोटों का विभाजन न हो। पर, टोंक-सवाईमाधोपुर में उनके करीबी उम्मीदवार हरीश मीणा के खिलाफ एक गुर्जर, प्रत्याशी, जौनपुरिया मैदान में था। पायलट ने पहली बार अपनी नीति को बदला और हरीश मीणा के पक्ष में जम कर प्रचार किया। आमसभाएं की। स्वाभाविक ही था गुर्जर वोट दुविधा की स्थिति में आ गया। साथ ही यह भी देखा गया कि, भाजपा के पुराने गुर्जर नेता जैसे विजय बैंसला, अलका गुर्जर, विक्रम सिंह गुर्जर, पूरे मन से जौनपुरिया के पक्ष में सक्रिय नहीं हुए। कुछ उदासीन दिखे। उनका शायद सोच था कि, अगर हरीश मीणा सांसद बन जाते हैं तो, उनकी विधायक की सीट खाली हो जायेगी और भाजपा के टोंक-सवाईमाधोपर क्षेत्र के गुर्जर नेता, विधायक का चुनाव लड़ सकेंगे और जीत गये तो मंत्री बनने की लाइन में खड़े

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'कांग्रेस तो पाकिस्तान की मुरीद है'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी लहर को भाजपा के पक्ष में मोड़ने के एक दृढ़ प्रयास के

- प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के आणंद की एक सभा में यह टिप्पणी की और पाकिस्तान के एक नेता फवाद हुसैन द्वारा सोशल मीडिया पर राहुल की प्रशंसा में वीडियो पोस्ट करने को मुद्दा बनाया।

तहत कांग्रेस को पाकिस्तान का "शिष्य" बताते हुए कहा कि, पड़ोसी देश कांग्रेस के "शहज़ादे" को भारत का अगला प्रधानमंत्री बनाने का उत्सुक है।

मोदी की यह टिप्पणी, आज इन

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

जो मेरा धन चुराता है वह मेरी सबसे तुच्छ वस्तु ले जाता है। –शेक्सपियर

# विरासत कर सरकारी लूट का दूसरा नाम है

भारत जब आजाद हुआ, उस समय समाजवाद की बयार बह रही थी। राजस्थान के एक कवि ने अपनी कविता में, यह कहकर धूम मचा दी थी, ''धन धरती सब बंटकर रह सी'' राजाओं, जागीरदारों आदि की जमीनें अधिग्रहण की गई और गरीबों में बांटी गई। विनोबा जी के नेतृत्व में भूटान का कार्यक्रम भी, सफलता के साथ देश में चला। इन सबका उद्देश्य एक ही था, देश की जो सम्पत्ति कुछ लोगों में संचित हो गई थी, उसका जनहित में वितरण हो। संविधान में प्रोपर्टी राईट को समाप्त कर दिया। संविधान के प्रियम्बल में स्पष्ट कर दिया कि देश एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोक तंत्रात्मक गणराज्य है।

इसी क्रम में कई देशों में Inheritance Tax अर्थात् वंशानुक्रम कर, विरासत कर अथवा उत्तराधिकार कर सम्पत्तियों पर लगाया गया। यह ऐसा टैक्स है जो मृत्यु के बाद मिली सम्पत्ति पर लगाया जाता है। अमेरिका, ब्रिटेन, जापान में 7 प्रतिशत से 55 प्रतिशत तक विरासत टैक्स है। अमेरिका में यदि किसी के पास 100 करोड़ डॉलर की सम्पत्ति हो तो उसके मरने के बाद 45 प्रतिशत सम्पत्ति ही उसके वारिसान को मिलती है, शेष सम्पत्ति 55 प्रतिशत पर सरकार का मालिकाना अधिकार हो जाता है। कभी यह टैक्स भारत में भी सम्पत्ति शुल्क के नाम से था, जिसे राजीव गांधी ने समाप्त कर दिया। भारत में 1968 में Compulsory Deposit Scheme भी थी। भारत में एक समय कांग्रेस रूल में आयकर 90 प्रतिशत था। भारत में पूर्व में Wealth Tax व Gift Tax भी था। वे क्रमशः 2015 व 1968 में समाप्त कर दिये।

सत्येन्द्र गोवर्धन दास पित्रोदा जिन्हें लोग सैम पित्रोदा कहते हैं, राजीव गांधी के सलाहकार थे। सैम पित्रोदा ने ही राजीव गांधी को भारत के आधुनिकीकरण के लिये 'फाइव मिशन मोड' का विचार दिया था। सैम पित्रोदा ही ने टेलीकॉम रेवोल्यूशन की सफलता राजीव गांधी को दिलाई थी। उसी कारण से भारत का आईटी सेक्टर चमका था।

भारत में वर्तमान में विरासत कर अथवा Estate Duty Act जैसे कोई कानून नहीं हैं। भारत में सबको समान अधिकार दिये हैं। न कोई बड़ा है और न छोटा। भारत इस समय 2024 के संसद के चुनावों में फंसा हुआ है। ऐसे समय सैम पित्रोदा का कथन कि भारत में विरासत कर अमेरिका आदि यूरोपियन देशों के तरह लागू होना चाहिये। सैम का संबंध कांग्रेस से बहुत पुराना है, अतः इसे कांग्रेस के भविष्य की योजना के साथ जोड़ा गया है। इसका परिणाम था कि मोदी सरकार ने चुनावों में यह कहना शुरू कर दिया कि कांग्रेस शीघ्र पूर्व की तरह विरासत कर लाने जा रही है। कांग्रेस ने अपने बचाव में इतना ही कहा कि सैम पित्रोदा के विरासत कानून की बात, सैम का अपना विचार है। कांग्रेस का इससे कोई संबंध नहीं है। चूंकि भारत में विरासत कर नहीं है अतः वर्तमान में जो टैक्स के कानून हैं, उन्हीं से टैक्स लागू होता है।

अमेरिका के 6 राज्यों में Inheritance Tax लागू है। वहां टैक्स उस राज्य में लिया जाता है जहां मृतक रहता है न कि वहां जहां Beneficiary रहता है।

भारत में व्यक्ति की सम्पत्ति सक्सेशन एक्ट के अुनसार उसके कानूनी वारिसों में बंटती है अथवा मृतक द्वारा की गई वसीयत से उनका बंटवारा होता है। जायदाद का मालिक अपनी सम्पत्ति की वसीयत अपने जीवन काल में करता है, उसे कानून की जानकारी होनी चाहिये। अपनी स्वःअर्जित सम्पत्ति की वसीयत करना कठिन कार्य नहीं है पर इसे आसान भी नहीं समझना चाहिये। जहां तक संभव हो वसीयत करते समय कानून सहायता प्राप्त करनी चाहिये।

वसीयत लिखित में होनी चाहिये, कानून में इस पर कोई स्टाम्प डयूटी नहीं लगती। वसीयत करने वाला व्यक्ति उस समय वसीयत कर सकता है जब वह अपने होश हवास में हो, स्वस्थ हो, उसका विवेक जागृत हो। वसीयत के लिये स्टाम्प डयूटी आवश्यक नहीं है और न इसकी पंजीयन ही आवश्यक है, किन्तु उचित होगा, इसे स्टाम्प पर लिखा जावे और इसकी रजिस्ट्री कराई जावे। सबसे आवश्यक है वसीयत का अटेस्टेशन कराना। दो गवाह होने आवश्यक हैं। वसीयतकर्ता को अपने हस्ताक्षर गवाहों के समक्ष करने चाहिये और गवाहों के हस्ताक्षर भी वसीयतकर्ता के सामने हों।

**भारत भगवान महावीर का देश है। जैन धर्म संसार का प्रथम धर्म है। यही कारण है जैन अपने प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव को आदिनाथ कहते हैं। जैनों की संस्कृति को अंहिसा, अपरिग्रह, अनेकान्त के दर्शन से समझा जाता है। अपरिग्रह का अर्थ है, उतना ही संग्रह करो जो आपकी आवश्यकता के लिये जरूरी हो, शेष समाज को अर्पित कर दो।**

अमेरिका में विरासत टैक्स पुश्तैनी सम्पत्ति पर लगता है वह भी जब सम्पत्ति की कीमत एक सीमा से बढ़कर हो। 10 लाख डॉलर की वैल्यू तक सम्पत्ति पर कर से छूट है। दादा, परदादा या पिता से, सम्पत्ति मिली है तो उस पर टैक्स लगेगा। अमेरिका में जब पिता अपने पुत्र को सम्पत्ति देता है तो सरकार 55 प्रतिशत हिस्सा टैक्स के रूप में लेती है।

सैम पित्रोदा के कथन के बाद चुनाव प्रचार में मोदी ने कहा कि कांग्रेस यदि पावर में कभी आई तो वह टैक्स लगायेगी। पीएम मोदी ने चुनाव सभा में कहा कि कांग्रेस सर्वे करायेगी, मालूम करेगी व्यक्ति के पास कितनी प्रोपर्टी है। महिलाओं के पास जितने सोने के गहने व मंगल सूत्र हैं। मोदी का कथन था, आपके पास अपना कुछ भी नहीं रहेगा।

अन्तर्राष्ट्रीय टैक्स कानून सम्पत्ति कर और विरासत कर के मध्य अन्तर करता है। विरासत कर उस व्यक्ति द्वारा भुगतान किया जाता है जो मृतक व्यक्ति का धन था और सम्पत्ति विरासत में प्राप्त होती है जबकि सम्पत्ति कर उस व्यक्ति की सम्पत्ति पर लगाया जाता है जो मर चुका है।

फाइनेन्स मंत्री निर्मला सीतारमन ने विरासत टैक्स लगाने के प्रस्ताव को गलत बतलाया है। उनका कथन है कि अब तक भाजपा ने जो विकास किया है वह भी समाप्त हो जावेगा। कांग्रेस राज में 10 साल पूर्व जो विकास किया था वह नगण्य सा था। कांग्रेस से 10 वर्ष पूर्व 5000 किमी. रेल्वे का विद्युतीकरण किया वही मोदी के 10 वर्षों में 44000 किमी. का विद्युतीकरण किया है।

टैक्स एक्सपर्ट का कहना है कि विरासत टैक्स एस्टेट डयूटी से जो आय होती थी लगभग उतना ही खर्चा टैक्स को लगाने व वसूली में हो जाता था। विरासत कर लगाना लूट जैसा कार्य है। जो जिन्दगी के समय भी लगता है और मरने पर भी।

विरासत टैक्स कई देशों में लगाया जाता है और सबसे अधिक Misunderstood है। भारत में हो रहे चुनावों के समय यह चुनाव भाषणों का विषय बना हुआ है। इसके माध्यम से भाजपा कांग्रेस की आलोचना करने का कोई भी मौका नहीं छोड रही है। दिनांक 24 अप्रैल, 2024 की चुनाव स्पीच में मोदी ने कहा कि यदि कांग्रेस जीती तो विरासत कर लगा कर लोगों का जीना दूभर कर देगी।

विरासत टैक्स फ्रांस में 60 प्रतिशत, जर्मनी में 50 प्रतिशत, यूके में 40 प्रतिशत, स्पेन में 33 प्रतिशत, हंगरी में 18 प्रतिशत, जापान में 55 प्रतिशत, साउथ कोरिया में 50 प्रतिशत, चिली में 25 प्रतिशत है। भारत में परिवार का गठन अन्य देशों से भिन्न है। हिन्दू संयुक्त परिवार का जो कन्सेन्ट भारत में है, वैसा अन्यत्र कहीं भी नहीं है। भारत भगवान महावीर का देश है। जैन धर्म संसार का प्रथम धर्म है। यही कारण है जैन अपने प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव को आदिनाथ कहते हैं। जैनों की संस्कृति को अंहिसा, अपरिग्रह, अनेकान्त के दर्शन से समझा जाता है। अपरिग्रह का अर्थ है, उतना ही संग्रह करो जो आपकी आवश्यकता के लिये जरूरी हो, शेष समाज को अर्पित कर दो। कस्तूरवा गांधी के यहां चोरी हुई, मालूम पडा 'बा' की चार साडियां चोरी हो गई थी। गांधीजी को जब पता चला कि 'बा' के पास चार साडियां थीं तो वे बा से बहुत नाराज हुये। इतनी सदियों के संचय से आपने अपनी बहिनों को वंचित कर दिया है, अच्छा हुआ चोर ले गये ये साडियां किसी के काम तो आवेंगी। घटना के बाद बा ने बापू से कहा ये साडियां उसे अपनी बहु–बेटियों को देनी थी। अपरिग्रह का इससे सुन्दर उदाहरण कहीं नहीं मिल सकता। कर का आरोपण व्यक्ति को अपरिग्रह की सीमा में रखने का है।

संविधान के अनुच्छेद 51क में नागरिकों के कर्त्तव्य दिये हैं। यह प्रावधान संविधान 86वां संशोधन से लाया गया था। जिस कमेटी ने संशोधनों का सुझाव दिया उनके सरदार स्वर्णसिंह जी चेयरमैन थे। एक माननीय सदस्य ने सुझाव दिया था कि टैक्स का कानून समाप्त किया जावे। इसके स्थान पर यह प्रावधान हो कि अपनी आवश्यकता की पूर्ति के बाद जो बचे उसे सरकार को अर्पित कर दो। सच्चा समाजवाद यही है।

पीएम मोदी व अन्य नेताओं के भाषणों से यह स्पष्ट है कि देश में निकट भविष्य में विरासत कर (उत्तराधिकार कर) लगाने का प्रश्न ही नहीं उठता। किसी भी लोकतंत्र से उम्मीद की जा सकती है कि वह कल्याणकारी होगा। भारत में 85 प्रतिशत तक विरासत कर लगता था, अतः राजीव गांधी सरकार ने इसे समाप्त कर दिया।

संविधान के नीति निदेशक तत्वों के भाग 4क अनुच्छेद 39(ख) में आदेशात्मक रूप से यह स्पष्ट किया है कि राजय अपनी नीति का विशिष्टतया इस प्रकार संचालन करेगा कि सुनिश्चित रूप से समुदाय के भौतिक संसाधनों का स्वामित्व और नियंत्रण इस प्रकार बांटा हो जिससे सामूहिक हित का सर्वोच्च रूप से साधन हो। दिनांक 30.04.2024 को सर्वोच्च न्यायलाय की 9 जजों की पीठ के समक्ष यह बहस की गई कि प्राइवेट इन्वेस्टमेन्ट्स को अधिक महत्व देना चाहिये।

भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्म निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य है, जय हो!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

# माननीय कुलाधिपति, कुलपति–एक संदेश

## (एक कुलपति की अनकही कहानी)

प्रो. अशोक कुमार

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में कुलपति के पद पर मेरी नियुक्ति के पहले मेरा एक इंटरव्यू इंटरेक्शन माननीय तत्कालीन राज्यपाल कुलाधिपति महोदय से हुआ था कुलाधिपति महोदय ने मुझसे कहा था यदि आपकी नियुक्ति कानपुर विश्वविद्यालय में कुलपति के पद पर हो जाए तब आप मुझसे तभी धन्यवाद के लिए आइएगा जब आप अपने विश्वविद्यालय की समस्यों को समझेंगे और उसके समाधान के लिए अपनी योजना बनाएँगे इसी के साथ आप अपने 3 वर्ष के कार्यकाल में क्या–क्या कार्य विश्वविद्यालय में करेंगे उसका एक श्वेत पत्र लाइएगा। इसके पहले मुझे धन्यवाद देने नहीं आयेगे।

वर्तमान समय में मैंने पिछले 10 वर्षों से यह अनुभव किया है कि जब भी कभी विभिन्न विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति होती है तो ऐसा देखा गया है कि माननीय कुलपति को पत्र मिलते ही सबसे पहले वह कुलाधिपति महोदय को धन्यवाद देने के लिए जाते हैं। यह परंपरा अपने आप में अच्छी है लेकिन इसमें मेरा दृष्टिकोण अपने अनुभव के अनुसार से भिन्न है।

जब मैंने छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में कुलपति पद के कार्यभार संभाला तब कई व्यक्तियों ने यह सुझाव दिया कि मैं धन्यवाद के रुप में माननीय कुलाधिपति के पास अवश्य जाएं। लेकिन मैंने उनसे यह नहीं बताया कि मैं उनके पास तभी मिलने जाऊंगा जब मैं छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के बारे में जानकारी प्राप्त कर लूँगा। मैंने विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक, प्रशासनिक तथा अन्य समस्याओं के ऊपर ध्यान आकर्षित किया। कुलपति का पदभार संभालने के बाद विश्वविद्यालय के प्रांगण का अवलोकन किया, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया, विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक और अशैक्षणिक विभागों का भी निरीक्षण किया।

कुछ समय के बाद मैंने विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विभागाअध्यक्ष की एक मीटिंग बुलाई और विश्वविद्यालय के बारे में चर्चा की। एक दिन वि.वि. के अधिकारियों के साथ मीटिंग की। एक अन्य दिन विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ मीटिंग करी। अगले कुछ दिनों के अंदर मैंने अकादेमिक, परीक्षा से संबंधित विषयों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। सब गतिविधियां चल रही थी लेकिन विश्वविद्यालय के सभी वर्ग के लोग इस बात के लिए बहुत विचार कर रहे थे या उनके समझ में नहीं आ रहा था कि माननीय कुलपति जी को पदभार ग्रहण करते हुए 10 दिन हो गए लेकिन वह माननीय कुलाधिपति से मिलने लखनऊ नहीं गए। जबकि आप जानते हैं कि लखनऊ से कानपुर की दूरी केवल 80 किलोमीटर है। कई लोग मेरे पास कहने भी आए कि मुझे कुलाधिपति से मिलना चाहिए और उनको धन्यवाद ज्ञापित करना चाहिए। मैंने उनको बताया कि जैसे ही मुझे समय मिलेगा मैं उनसे जरूर मिलना चाहूंगा। विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया कि कुलपति लगता है बहुत ही घमंडी आदमी है और इनकी नियुक्ति विश्वविद्यालय में बहुत हाई कमान के माध्यम से हुई है इसलिए वह कुलाधिपति को कुछ भी नहीं समझते। कई लोगों ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया कि ऐसा ही इनका व्यवहार रहा तो कुलपति विश्वविद्यालय में ज्यादा दिन तक टिक नहीं पाएंगे। मैं अपना कार्य करता रहा। यह एक ऐसी बात थी जो मैं किसी से व्यक्तिगत रूप से कह नहीं सकता था। मैंने पूरी मेहनत से विश्वविद्यालय के सभी समस्याओं को समझा, श्वेत पत्र बनाए। श्वेत पत्र बनाकर समस्याओं के बारे में लिखा। विश्वविद्यालय में क्या–क्या समस्या है जैसा कि आप सब जानते हैं कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक और छात्रों की प्रवेश और परीक्षा परिणाम फल आदि समस्याएं होती हैं। शिक्षकों की विभिन्न समस्याएं होती हैं : उनके शैक्षणिक वातावरण की, उनके प्रमोशन की, या नियुक्तियां की। कर्मचारियों की अपनी समस्याएं होती हैं। इन सब समस्याओं को मैंने समझा और फिर उसको लिखा और फिर यह कोशिश की इन समस्याओं को किस प्रकार से समाधान किया जा सकता है। विश्वविद्यालय में कुछ नए विषय भी खोलने के लिए मैंने लिखा। इन सबको तैयार करने में लगभग 1 माह से ज्यादा लग गया और उसके बाद मैं कुलाधिपति से मिलने गया। माननीय कुलाधिपति को मैंने पत्र दिया कुलाधिपति ने बहुत ध्यान से उस पत्र को पढ़ा। पत्र पढ़कर वो बहुत प्रसन्न हुए और मुझसे कहा कि उन्होने कुलपति रूप में सही व्यक्ति को नियुक्त किया है। माननीय कुलाधिपति ने बहुत से सुझाव भी दिये और मुझमे यह विश्वास प्रकट किया कि मैं पूरी मेहनत और ईमानदारी से नियमानुसार विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए कार्य करूंगा। एक बहुत महत्वपूर्ण विषय के बारे मे कहना चाहता हूं कि जो भी विश्वविद्यालय का कुलपति बने उसको विश्वविद्यालय की समस्याओं के बारे में अवगत होना चाहिए और इसी के साथ–साथ उसकी यह दूरदर्शिता होनी चाहिए कि उन समस्याओं को किस प्रकार से समाधान किया जा सकता है। मैं समझता हूं कि विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करते समय किसी भी कुलपति के लिए यह प्रथम प्राथमिकता होनी चाहिए। अगर वह समय पर इन विभिन्न समस्याओं को समझ ले तब मेरे अनुभव के अनुसार उसको आने वाले भविष्य के 3 सालों में कष्ट नहीं होगा और सभी की समस्याओं को समाधान करने में आसानी होगी। इन सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक और विद्यार्थी के सहयोग की आवश्यकता होती है। यहां यह कहने की भी आवश्यकता है कि विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां होती हैं और इन गतिविधियों के कारण आपको जिला प्रशासन से भी एक अच्छा संपर्क संबंध बनाए रखना चाहिए ताकि अनुकूल परिस्थितियों में जिला प्रशासन आपकी मदद कर सके। आमतौर पर यह देखा गया है कि विश्वविद्यालय के कुलपति अपने दफ्तर से बाहर नहीं निकलते या निकल पाते या निकलना नहीं चाहते लेकिन जहां तक मैं समझता हूं मेरे अनुभव के अनुसार से विश्वविद्यालय के कुलपति को दफ्तर में अपने काम जरुर करना चाहिए लेकिन साथ ही साथ समय–समय पर विभिन्न विभागों में, प्रशासनिक कार्यालयों में, विद्यार्थियों से, अधिकारियों से और कर्मचारियों से मिलते रहना चाहिए। यदि आप निरंतर इस प्रकार के प्रयास करेंगे तो कभी भी कोई भी गंभीर समस्या आपके सामने नहीं आएगी। जब आप निरंतर सबसे मिलते हैं तो समय–समय पर आपको विश्वविद्यालय की समस्याओं के बारे में जानकारी होती है और समय अनुसार उनका समाधान भी होता है। जब कभी हम इस प्रक्रिया को नहीं अपनाते तो ऐसा देखा गया है कि समस्याएं इकट्ठा होती रहती हैं, समाधान उनका नहीं होता। एक समय ऐसा आता है जबकि सारी समस्याएं एक साथ इकट्ठा हो जाती हैं और वह एक बहुत ही भयंकर रूप ले लेती हैं और एक बहुत ही कठिन स्थिति हो जाती है।

मैं अपने अनुभव के आधार से यह एक संदेश देना चाहता हूं कि विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में विश्वविद्यालय के सभी वर्गों से मधुर संबंध रखना चाहिए, वार्तालाप करना चाहिए, उनसे संपर्क बनाए रखना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण–विश्व विद्यालय विद्यार्थियों के लिए होता है, विश्वविद्यालय का प्रमुख अंग है। हमको यह चाहिए कि हम विद्यार्थियों की समस्याओं के बारे में जाने और हमे उनके समाधान का यथासंभव प्रयास करना चाहिए। मुझे आशा और विश्वास है कि आने वाले समय में विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को अच्छे और उज्जवल भविष्य के लिए दिशा प्रदान करेगा।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

# सिडियास गांव में तीन दिन से एक दर्जन घरों में लग रही रहस्यमयी आग

**परबतसर,** (निसं)। उपखंड क्षेत्र के बस्सी ग्राम पंचायत के सिडियास गांव के गुर्जरों का बास में रहस्यमयी ढंग से आग लगने की वारदातें हो रही है। चार दिन से दोपहर तीन बजे के बाद से ही जगह–जगह आग लगने की घटनाएं हो रही हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मामले में अभी तक कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन कच्चे मकान समेत अन्य सामग्री का काफी नुकसान हुआ है।

बस्सी सरपंच प्रतिनिधि जगदीश मेघवाल ने बताया कि सोमवार को चार जगहों पर आग लगी। इसके बाद मंगलवार को भी अलग–अलग चार जगहों पर आग लगने की घटना हुई। एक ओर ग्रामीण इन अजीब घटनाओं का कारण जानने में जुटे हैं तो वहीं दूसरी ओर रोजाना अलग–अलग जगह पर आग लगने से भय का माहौल भी बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि आजकल हर घर में गैस सिलेंडर है और इस इलाके में कच्चे छप्पर भी हैं, ऐसे में आगजनी की घटनाओं से बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। इससे फिलहाल भय का माहौल बन रहा है।

**परबतसर के बस्सी ग्राम पंचायत के सिडियास गांव के गुर्जरों का बास में रहस्यमयी ढंग से आग लगने की वारदातें हो रही है।**

- **अभी तक कोई जनहानि नहीं हुई है, कच्चे मकान व अन्य सामग्री का काफी नुकसान हुआ**
- **गुर्जरों के बास में रोज हो रहे हादसे, जांच के लिए टीम पहुंची, कोई सुराग नहीं लगा**

पीलवा थानाधिकारी विनोद ने बताया कि लगातार हो घटनाओं पर पुलिस ने नजर रखी हुई है। लगातार आगजनी के कारणों का पता चल नहीं पाया है। तहसीलदार ने पुलिस कार्मिक साथ मौके पर जाकर मुआयना किया है। पटवारी रिपोर्ट बन नुकसान का आंकलन भी किया जा रहा है, लेकिन अब आग लगने कारणों का पता लगना बहुत मुश्किल है। क्योंकि लोगों में घटनाओं लेकर भय फैलने की संभान बढ़ती जा रही है। ग्रामीण भागा गुर्जर, भारमल गुर्जर, गोविंद और प्रभुराम गुर्जर ने बताया बुधवार को भी दोपहर में करीब बजे एक घर में आग लग गई।

# ''नंद घर'' मुहिम से जुड़े अभिनेता मनोज बाजपेयी

**जयपुर।** 14 लाख आंगनबाड़ियों में सुधार करने के लक्ष्य के तहत नंद घर ने अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ पूरे देश में एक विशेष कैंपेन की शुरुआत की है, जिसका शीर्षक है ''अगर बचपन से पूछा खाना खाया, तो देश का कल बनाया।'' नंद घर द्वारा चलाए जा रहे इस कैंपेन का उद्देश्य भावी पीढ़ी को पोषित करना है, जिसमें समग्र स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्तापूर्ण पोषण और बच्चों को सर्वोत्तम प्री–स्कूल शिक्षा प्रदान करना शामिल है।

इस मुहिम में शामिल होने पर मनोज बाजपेयी का स्वागत करते हुए अनिल अग्रवाल, चेयरमैन, वेदांता, ने कहा कि प्रोजेक्ट नंद घर पूरे देश में बच्चों और महिलाओं को स्वस्थ और सुपोषित रहने में मदद करने पर केंद्रित है। मनोज बाजपेयीजी का इस महत्वपूर्ण मुहिम से जुड़ना हमारे लिए गर्व का विषय है। उनके निजी जीवन के अनुभव भावी पीढ़ियों के जीवन को बेहतर और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जो कि नंद घर के उद्देश्य के साथ बखूबी मेल खाते हैं।

मुहिम के लॉन्च के दौरान, मनोज बाजपेयी ने बतौर युवा थिएटर अभिनेता अपनी कहानी साझा की। नंद घर के साथ जुड़ने को लेकर उत्साहित मनोज बाजपेयी ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर भूख की पीड़ा से गुज़रने के कारण मेरा मानना है कि जो व्यक्ति भूख का सामना करता है, उसका शरीर, मस्तिष्क और भावनाएँ काफी प्रभावित होती हैं। इसके समाधान के रूप में प्रोजेक्ट नंद घर जैसी पहलें बेहद कारगर हैं।

**14 लाख आंगनबाड़ियों में सुधार करने के लक्ष्य के तहत नंद घर ने अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ विशेष कैंपेन की शुरुआत की।**

- **सोशल इम्पैक्ट प्रोजेक्ट नंद घर का उद्देश्य बच्चों और महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाना है**

मैककैन द्वारा परिकल्पित इस कैंपेन पर अपने विचार रखते हुए प्रसून जोशी, सीईओ और सीसीओ, मैककैन वर्ल्डग्रुप इंडिया और चेयरमैन, एशिया पैसिफिक ने कहा कि यदि हम चाहते हैं कि बच्चे अपनी वास्तविक क्षमता से रूबरू हों, तो उनके बेहतर पोषण पर ध्यान देना बहुत ज़रूरी है। इसे उजागर करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है कि आप भारत के कुछ सबसे लोकप्रिय व्यक्तियों की कहानियां साझा करें, जिन्होंने अपने जीवन में इस मुश्किल का खुद सामना किया है।

नंद घर अनिल अग्रवाल फाउंडेशन (आफ़) का फ्लैगशिप प्रोजेक्ट है। चेयरमैन अनिल अग्रवाल के सपने को प्रखर रखते हुए यह प्रोजेक्ट यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है कि कोई भी बच्चा भूखा न सोए। नंद घर के लिए अभूतपूर्व उपलब्धि के रूप में, हम भारत के 14 राज्यों में स्थित सभी नंद घरों में न सिर्फ प्री–स्कूल्स की उपस्थिति का विस्तार करने, बल्कि कुपोषण के स्तर को कम करने में भी सफल रहे हैं। विगत वर्ष, आफ ने मल्टी–मिलेट न्यूट्री बार लॉन्च किया था।

## राशिफल शुक्रवार 3 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 12:06 तक, ब्रह्म योग दिन 2:18 तक, वणिज करण दिन 12:39 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थितिः** सूर्य–मेष, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मेष, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 12:06 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा दिन 12:39 से रात्रि 11:25 तक रहेगी। आज पंचक है।

**श्रेष्ठ चौघड़ियाः** चर सूर्योदय से 7:29 तक, लाभ–अमृत 7:29 से 10:45 तक, शुभ 12:24 से 2:02 तक, चर 5:18 से सूर्यास्त तक।

**राहूकालः** 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:47, सूर्यास्त 7:01

### मेष
व्यावसायिक और आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में गति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा।

### वृष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

### मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

### सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

### कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

### तुला
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

### वृश्चिक
घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### धनु
मित्रों/रिश्तेदारों से मतभेद समाप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित धन प्राप्त होगा।

### मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

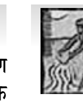

### कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### मीन
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

## भाजपा नेता पाटनी ने स्थिति का जायजा लिया

**मदनगंज-किशनगढ़,** (निसं)। आर. के. पाटनी बस स्टैंड के बाहर आचार्य विद्यासागर कीर्ति स्तंभ की रेलिंग वाँल तक ब्लॉक लगाकर लगभग डेढ़ वर्ष से अधूरी सड़क के कार्य को पीडब्ल्यूडी शीघ्र शुरू करेगी। भाजपा नेता महेंद्र पाटनी काफी समय से इस विकट समस्या से निजात दिलाने के लिये प्रयासरत है, ताकि आये दिन दुर्घटना घटित होने से आमजन को राहत मिल सके। भाजपा नेता पाटनी नें जनहित से जुड़े मामले को लेकर नगर परिषद सहायक अभियंता त्रिलोचन कुमावत, सतीश कुमार, कनिष्ठ अभियंता भीमसिंह व नवीन कुमार सहित पीडब्ल्यूडी के तकनीकी अधिकारी जितेंद्र कुमार के साथ मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया। बस स्टैंड के सामने छोड़ी गई करीब सौ फुट लंबी व दस फुट चौड़ी तथा ढाई से तीन फीट गहरी नुमा खाई के मध्य स्थित भूमिगत नाले व चेंबर आदि को देख परिषद के अभियंता सतीश कुमार ने क्षेत्रीय जमादार दिनेश लखन को अविलंब सफाई करने के निर्देश दिये। पीडब्ल्यूडी अभियंता जितेंद्र कुमार ने नाले की सफाई होते ही सड़क के बराबर कीर्ति स्तंभ की रेलिंग वाँल तक ब्लॉक लगाने का कार्य शुरू कर पट्टी नुमा खाई को पाटने के लिये आश्वस्त किया।

# लूट की झूठी कहानी रचने वाला आरोपी और महिला मित्र गिरफ्तार

### टेम्पो चालक ने कर्ज उतारने के लिए लूट की झूठी कहानी रची थी

**अजमेर,** (कासं)। अजमेर के गेगल थाना स्थित नेशनल हाईवे संख्या आठ पर हुई लूट के मामले में अजमेर पुलिस ने चौबीस घंटे में गुरुवार को वारदात का पर्दाफाश किया। पुलिस ने मामले में लूट की झूठी कहानी रचने वाले आरोपी टेम्पो चालक और उसकी साथी महिला मित्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों से 9 लाख 71 हजार रुपए भी बरामद कर लिए हैं। आरोपी टेम्पो चालक ने अपने ऊपर से कर्ज उतारने के लिए लूट की झूठी कहानी रची थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ग्रामीण एडिशनल एसपी दीपक शर्मा ने गुरुवार को वारदात का पर्दाफाश करते हुए बताया कि घटना को गंभीरता से लेते हुए थाने पर प्राप्त सूचना पर घटनास्थल पर पहुंच कर बारीकी से निरीक्षण किया गया। अजमेर रेंज में नाकाबंदी करवाई गई। अज्ञात मुल्जिमानों की तलाश में थाना स्तर व जिला स्तर पर टीमें गठित कर हर सम्भावित स्थानों पर भिजवाई गई। गठित टीम द्वारा उपरोक्त तरीका वारदात के आधार पर पूर्व में चालानशुदा

पुलिस ने लूट की झूठी कहानी बनाने वाले टैम्पो चालक व महिला साथी को गिरफ्तार किया।

मुल्जिमानों का डाटाबेस तैयार कर सभी से पूछताछ की गई। टीम द्वारा वारदात के घटनास्थल का निरीक्षण कर परिवादी के अजमेर से आने से किशनगढ़ जाकर माल देकर रुपए लेकर आने तक सभी जगहों पर लगभग 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों का बारीकी से निरीक्षण किया गया। परिवादी के वाहन लोडिंग टेम्पो के किशनगढ़ से अजमेर की तरफ टोल प्लाजा पार करते समय टेम्पो के आगे-पीछे वाले सभी वाहनों के बारे में व घटना में बताई गई इको वैन के संबंध में जानकारी प्राप्त कर उनसे पूछताछ की गई।

एएसपी शर्मा ने बताया कि पुलिस जब परिवादी से मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ कि तो प्रथम दृष्टया ही परिवादी कि भूमिका संदिग्ध होना पाई गई। जिस पर परिवादी को हमराह लेकर परिवादी के बताये अनुसार स्थानों पर त्वरित मौका मुआयना किया। परिवादी द्वारा मिर्ची डालने वाली बात से लेकर ईको वैन वाली सारी बातों पर गम्भीरता से पूछताछ की गई तो मामला संदिग्ध पाये जाने पर सख्ती से पूछताछ की गई तो परिवादी टूट गया और स्वयं के द्वारा गबन करना स्वीकार कर लिया।

## सीईओ ने किया जोनल ऑफिस व स्टोर का निरीक्षण

**अजमेर,** (कासं)। सुनील कुमार शर्मा ने टाटा पॉवर अजमेर टीपीएडीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्यभार ग्रहण करते ही किया परबतपुरा जोनल ऑफिस और स्टोर का निरीक्षण किया। टाटा पॉवर वैशाली नगर स्थित कॉरपोरेट ऑफिस में गुरूवार को शर्मा ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी टीपीएडीएल, अजमेर का कार्यभार संभाल लिया है।

गौरतलब है कि शर्मा ने टीपीएडीएल अजमेर के सीईओ का पदभार संभालतेही सर्वप्रथम प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों से भेटकर उन्होंने परबतपुरा जोनल ऑफिस और स्टोर का निरीक्षण कर अपने फ़ील्ड के कर्मचारियों को सेफ्टी संबंधित जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को अजमेर शहर में निर्बाध रूप से विद्युत् आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु बढ़ती गर्मी के मौसम की तैयारीयो और आने वाले मानसून की तैयारीयो का भी जायज़ा लिया साथ ही बची हुई तयारी करने का निर्देश दिया। इस दौरान शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि टाटा पॉवर अजमेर के सीईओ के रूप में अजमेर शहर वासियों को सतत रूप से विद्युत् आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित कर, विद्युत् से संबंधित सभी सेवाओं को प्राथमिकता देना ही उनका मुख्य उद्देश्य रहेगा।

## सार-समाचार

### मेट प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

**भीलवाड़ा,** (निसं)। पंचायत समिति, रायपुर की सभी 21 ग्राम पंचायतों के महात्मा गांधी नरेगा योजना के कार्यो के सफल संचालन एवं पूर्ण पारर्दिर्शता हेतु पंचायत समिति के सभागार में एक दिवसीय मेट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान नव नियुक्त मेटों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया साथ ही पूर्व प्रशिक्षित मेटों को नवीन जानकारियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम अधिकारी एवं विकास अधिकारी ने यह जानकारी देकर बताया कि महात्मा गांधी नरेगा योजना के कार्यो के सफल क्रियान्वयन हेतु मेटों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया है जिसमें नव-नियुक्त मेटों को प्रशिक्षित किया गया है और पूर्व प्रशिक्षित मेटों को नवीन जानकारियों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण में विकास अधिकारी संजय शर्मा द्वारा मेटों को उनके कार्य व जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। लगभग 300 की संख्या में उपस्थित मेटों को यह प्रशिक्षण पंचायत समिति कार्यालय के लेखा सहायक चेतन शर्मा, तकनीकी सहायक कृष्ण गोपाल व्यास व भागचन्द सेन एवं एफईएस संस्थान के हरनाथ सिंह द्वारा दिया गया।

### सत्संग प्रवचन का आयोजन

**अजमेर,** (कासं)। श्रीराम सिन्धू धाम में 108 श्रद्धालुओं के जत्थे द्वारा संत माता धन्नेश्वर की समृति की सत्संग प्रवचनों का आयोजन हुआ। दौलत खोमनी और रमेश लालवानी ने बताया कि श्रीराम सिन्धू धाम ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा अनेक प्रकार के आयोजन करवाये जा रहे है। श्रीराम मंदिर से मात्र तीन सौ मीटर की दूरी पर स्थापित श्रीराम सिन्धू धाम भवन में वर्तमान में रहने के उचित प्रबंध किए गए। इस अवसर पर लत्ता भैरू मल बच्चानी, राजेश लालवानी, दौलत खेमानी, विजय खेमानी, राजेन्द्र कुमार मूरजानी, भगवान वरलानी, उदय अकादमी कांउसिल नागपुर की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष रमेश दत्तवानी, रमेश लालवानी सहित अन्य ने सिन्धी समाज के महान सन्त धन्नेश्वर फकीर द्वारा श्रीराम की नगर अयोध्या में स्थापित सिन्धू धाम में रहने का लाभ लेने की अपील की है।

### एस.डी.एम. ने किया निरीक्षण

**शाहपुरा,** (निसं)। एसडीएम निरमा बिश्नोई ने गुरुवार को शाहपुरा शहरी क्षेत्र में संचालित तीनों श्री अन्नपूर्णा रसोई का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान रसोई की व्यवस्था सुचारू मिली, लेकिन नए बस स्टैंड स्थित रसोई पर साफ-सफाई में कमी नजर आई। जिसको लेकर एसडीएम ने दुरुस्त करने के निर्देश दिए।इस दौरान उन्होंने अन्नपूर्णा रसोई की पाकशाला, भंडार घर, टोकन काउंटर की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। जिसमें अन्नपूर्णा रसोई की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई। इस दौरान रसोई संचालक से एसडीएम बिश्नोई ने खाना खाने वाले व्यक्ति के कूपन काटने सहित अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली और स्वयं ने 8 रुपये का कूपन कटवा कर भोजन की गुणवत्ता को चखा।

## नांदसी में हुआ 68.66 प्रतिशत पुनर्मतदान

**अजमेर,** (कासं)। लोकसभा आम चुनाव (पुनर्मतदान) 2024 के अंतर्गत नांदसी के मतदान केन्द्र क्रमांक 195 पर 68.66 प्रतिशत मतदान हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. भारती दीक्षित ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव (पुनर्मतदान) 2024 के अंतर्गत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार गुरुवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नांदसी के मतदान केन्द्र क्रमांक 195 विधानसभा क्षेत्र मसूदा में पुनर्मतदान हुआ। मतदान बूथ के पंजीकृत 753 मतदाताओं में से 395 मतदाताओं द्वारा पूर्व में 26 अप्रेल को मतदान किया गया था। यह 52.45 प्रतिशत रहा। गुरुवार को मतदान प्रतिशत 68.66 रहा। यहां 517 मतदाताओं ने मतदान किया इनमें 246 पुरुष तथा 271 महिलाएं हैं। प्रशासन द्वारा स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया। घर-घर जाकर वोट की मनुहार की गई। इससे मतदान में वृद्धि हुई। पुनर्मतदान के लिए प्रशासन द्वारा संपूर्ण तैयारी की गई थी। बूथ की वेब कास्टिंग भी की गई थी। उन्होंने बताया कि पुनर्मतदान वाले बूथ का निर्वाचन आयोग के द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकगण द्वारा अवलोकन किया गया। सामान्य चुनाव पर्यवेक्षक के. मंजूलक्ष्मी तथा पुलिस चुनाव पर्यवेक्षक डी.नरसिम्हा किशोर द्वारा मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया गया। साथ ही रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. भारती दीक्षित, पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार एवं विनीत कुमार बंसल ने भी बूथ पर आकर मतदान दल एवं मतदाताओं के साथ चर्चा की।

# भारतीय जैन मिलन संस्था के 67 वर्ष पूर्ण

**अजमेर,** (कासं)। भारतीय जैन मिलन संस्था के 67 वर्ष पूर्ण होने पर आज स्थापना दिवस आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज सत्संग के सानिध्य में मनाया गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष वीर प्रकाश जैन ने बताया भारतीय जैन विलन एक जैन समाज की अंतरराष्ट्रीय संस्था है। जिसमें सभी वर्गों के जैन श्वेतांबर हो या दिगंबर जयसवाल हो या पालीवाल अठावाल हो या खंडेलवाल सभी जो भी भगवान महावीर के अनुयाई है वह उसके सदस्य हो सकते हैं भारतवर्ष में लगभग संपूर्ण भारतवर्ष में लगभग 1400 शाखाएं सामाजिक आध्यात्मिक कार्यों में संलग्न है स्थापना दिवस पूरे भारतवर्ष में सभी संस्थाओं के द्वारा अनेक को प्रकार के सेवा कार्य व आध्यात्मिक कार्यों के द्वारा मनाई जा रहे हैं।

इसी क्रम में आज भारतीय जैन मिलन अजमेर के सभी सदस्यों ने

संस्था के 67 वर्ष पूर्ण होने पर स्थापना दिवस आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज सत्संग के सानिध्य में मनाया गया।

वात्सल्य मूर्ति आचार्य 108 श्री सुनील सागर जी महाराज से संघ का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया आचार्य श्री जी ने इस अवसर पर कहा भारतीय जैन मिलन जैसी संस्थाओं के द्वारा समाज में एकता नजर आती है इसका उदाहरण वर्ष 2015 में संथारा के कार्यक्रम को लेकर पूरे भारतवर्ष में लाखों की संख्या में जैन समुदाय एक एक साथ इकट्ठा होकर समाज की एकजुट का परिचय दिया अभी हाल में ही कुमार नंदी जी महाराज की क्रूरता पूर्वक हत्या कर दी गई उसे समय भी संपूर्ण भारत का जैन समाज एक साथ होकर सड़क पर उतर गया था वर्तमान समय की आवश्यकता है समाज एक साथ रहे आचार्य महाराज जी ने संस्था के प्रतीक सदस्य को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जैन धर्म की मर्यादाओं को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक सेवा की कार्यक्रम प्रतिपादित करने चाहिए।

इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष वीर प्रकाश जैन स्थानीय इकाई के अध्यक्ष वीर संपत्ति गोमट वीर मदनलाल बाफना वीर जीवराज पीर पारसमल हिंगड़ वीर अजय जैन गौतम नहर प्रवीण जैन महिला इकाई की अध्यक्ष श्रियतना जैन सचिन अलकेश जैन वीरांगना सुनीता जैन कुसुम जैन शाहिद अन्य सदस्य उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में जैन ध्वज के साथ मिलन भावनाओं को प्रार्थना के साथ संपन्न किया।

## नीलम को पीएचडी की उपाधि

**अजमेर,** (कासं)। महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्विश्वद्यालय ने नीलम चौरसिया को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उन्होने अपना शोध कार्य शेल ऑफ नाबार्ड इन प्रमोशन ऑफ स्मॉल स्केल इण्डस्ट्रीज विथ स्पेशल रेफरेंस टू हैण्डलूम इन्डस्ट्री (ए ज्याग्राफिल एनालिसिस) विषय पर सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय के भूगोल विभाग की सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ मधु सिंह के निदेशन में पूरा किया।

**NAME CHANGE**

I, No. 15789341W Rank:NK (DRESSAR) Name: SANDEEP residing of Vill- Bolewadi, post: Sindal, Tehsil :Chikodi, District - Belgaum , State-Karnataka, PIN-591211 have changed my son name from SAKSHAM SUTAR to SAKSHAM SANDEEP SUTAR vide affidavit BU 150461 Dated 02/05/2024 before Court campus Nasirabad

**NAME CHANGE**

I, No. 15789341W Rank:NK (DRESSAR) Name: SANDEEP residing of Vill- Bolewadi, post: Sindal, Tehsil :Chikodi, District - Belgaum , State-Karnataka, PIN-591211 have changed my daughter name from SWETA SUTAR to SHWETA SANDEEP SUTAR vide affidavit BU 150462 Dated 02/05/2024 before Court campus Nasirabad

**आम सूचना**

मेरे पिता रामधन जाट पुत्र रामदेव जाट निवासी गांव गणेशपुरा, ग्राम पंचायत बांदरसिंदरी तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर की मृत्यु दिनांक 4 जुलाई 2010 को निवास स्थान पर हो गई। इनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिये तहसीलदार किशनगढ़ के समक्ष आवेदन किया है, इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिवस में अपनी आपत्ति तहसीलदार के समक्ष दर्ज कराये, बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। प्रार्थी-रामावतार पुत्र रामधन जाट गांव गणेशपुरा

**आम सूचना**

मेरी मां रामेश्वरी देवी पत्नी रामधन जाट निवासी गांव गणेशपुरा, ग्राम पंचायत बांदरसिंदरी तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर की मृत्यु दिनांक 5 मई 2005 को निवास स्थान पर हो गई। इनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिये तहसीलदार किशनगढ़ के समक्ष आवेदन किया है, इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिवस में अपनी आपत्ति तहसीलदार के समक्ष दर्ज कराये, बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। प्रार्थी-रामावतार पुत्र रामधन जाट गांव गणेशपुरा

# लॉयन्स क्लब इण्टरनेशनल के प्रान्तीय कार्यालय का शुभारम्भ

**कुचामनसिटी,** (निसं)। शहर के शाहजी का बगीचा स्थित नोबल स्कूल के निकट लॉयन्स क्लब इण्टरनेशनल के प्रान्त 3233-ई-2 के कार्यालय का समारोह पूर्वक शुभारम्भ हुआ। वयोवृद्ध पूर्व प्रान्तपाल लॉयन जेठमल गहलोत एवं निवर्तमान अन्तर्राष्टीय निदेशक लॉयन वी.के. लाडिया ने फीता खोलकर कार्यालय का विधिवत शुभारम्भ किया। उल्लेखनीय है कि लॉयन्स क्लब का नवीन सत्र 1 जुलाई 2024 से प्रारम्भ होगा। इस सत्र में लॉयन प्रान्त का नेतृत्व लॉयन्स क्लब कुचामनसिटी के सदस्य एवं निर्वाचित प्रान्तपाल लॉयन श्यामसुन्दर मंत्री करेंगे।

कार्यालय के शुभारम्भ समारोह में पूर्व प्रान्तपाल लॉयन दिलीप तोषनीवाल, उपप्रान्तपाल प्रथम लॉयन रामकिशोर गर्ग, पूर्व मल्टीपल कॉन्सिल चैयरमेन अरविन्द शर्मा, पूर्व प्रान्तपाल लॉयन सतीश बंसल बतौर अतिविशिष्ट अतिथि मंचासीन थे। स्वागत उद्बोधन में प्रान्तपाल 2024-25 लॉयन श्यामसुन्दर मंत्री ने क्लब द्वारा आगामी सत्र में भ्रातृत्वभाव एवं संस्कार निर्माण के क्षेत्र में विशिष्ट प्रयास करने का संकल्प दोहराया। प्रान्तीय पी.आर.ओ. हेमराज पारीक ने बताया कि प्रान्तीय टीम में युवाओं एवं अनुभवी सदस्यों का समावेश है। निश्चित रूप में यह टीम सेवा कार्यों के आयाम स्थापित करेगी। प्रान्तीय सचिव सुभाष रांवका ने कुचामन क्लब द्वारा किए गए कार्यों एवं प्रान्तीय टीम की भावी योजनाओं की संक्षिप्त जानकारी दी। निवर्तमान अन्तर्राष्टीय निदेशक लॉयन वी.के. लाड़िया ने प्रान्त में नए आयाम स्थापित करने के लिए कुचामन टीम को प्रेरित किया, साथ ही विश्व स्तर पर लॉयन्स क्लब इण्टरनेशनल द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। पूर्व प्रान्तपाल लॉयन जेठमल गहलोत ने कुचामन टीम के सेवा कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इस अवसर पर प्रान्तीय सचिवालय सदस्य सुभाष रांवका, हेमराज पारीक, श्यामसुन्दर सैनी, मनोहर पारीक, मुकेश डालुका, नरेन्द्र शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। वर्ष 2024-25 के लिए निर्वाचित लॉयन्स क्लब कुचामनसिटी के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, सचिव कृष्णकुमार टेलर, कोषाध्यक्ष संजय रांवका के नेतृत्व में कार्यक्रम में 40 से अधिक लॉयन सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम में कुचामन विकास समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश काबरा, लॉयन्स क्लब मकराना के अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष महावीर पारीक, लॉयन्स क्लब मार्बल सिटी मकराना के अध्यक्ष मुकुल कुलश्रेष्ठ, सचिव ओमप्रकाश राठी, 2024-25 के अध्यक्ष भरत, सूरजप्रकाश, सहित अनेक लोग एवं लॉयन सदस्य मौजूद थे।

## पेयजल समस्या से मिलेगी निजात

**मसूदा,** (निसं)। मसूदा पंचायत समिति की निकटवर्ती ग्राम पंचायत देवपुरा के ग्राम काशीपुरा में वार्ड पंच सुरमा पत्नि गोपाल फौजी के अथक प्रयासों से इस भीषण गर्मी में ग्राम वासियों की पेयजल समस्या का हुआ समाधान वार्ड पंच ने ग्राम पंचायत स्वीकृत कार्य मय राशि से बोरवेल और पानी का टैंक बनवाकर और जन सहयोग से पानी के टैंक सिंटेक्स रखवाये जिसमें 24 घंटे पीने का पानी उपलब्ध रहता है पास में पशुओं के लिए खेली में पानी भरा जाता है।

वार्ड पंच का कहना है कि ग्राम काशीपुरा में बीसलपुर लाइन को बिछे हुए 20 साल हो गए लेकिन आज तक एक बूंद भी पानी नहीं आया है। इनका रहेगा सहयोगग्राम काशीपुरा के ग्राम वासी ,साजन काठात ,जसवंत काठात ,बिरदा ,भीमा,कोया ,शांति फेफी,अनीशा ,मुमताज, सरोज ,बीबी, बनीं,केली, जरीना, इनका कहना है कि वार्ड पंच के प्रयासों और मेहनत से आज हम ग्राम वासियों को पीने के पानी की सुगम उपलब्धता हुई है।

# सत्संग स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन

**अजमेर,** (कासं)। रेलवे द्वारा ब्यास में आयोजित सत्संग के आयोजन को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए अजमेर-ब्यास- अजमेर (02 ट्रिप) एवं जोधपुर-ब्यास- जोधपुर (01 ट्रिप) सत्संग स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन किया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार अजमेर-ब्यास- अजमेर सत्संग स्पेशल (02 ट्रिप) गाडी संख्या 09641, अजमेर-ब्यास स्पेशल रेल सेवा दिनांक 09.05.24 व 23.05.24 को अजमेर से 17.15 बजे रवाना होकर अगले दिन 12.00 बजे ब्यास पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09642, ब्यास-अजमेर स्पेशल रेल सेवा दिनांक 12.05.24 व 26.05.24 को ब्यास से 14.15 बजे रवाना होकर अगले दिन 09.45 बजे अजमेर पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में किशनगढ़, फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाडी, भिवानी, हिसार, जाखल, धुरी, लुधियाना व जालन्धर सिटी स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

इस गाडी में 02 थर्ड एसी, 12 द्वितीय शयनयान, 08 साधारण श्रेणी एवं 02 गार्ड डिब्बों सहित कुल 24 डिब्बें होगें। जोधपुर-ब्यास-जोधपुर सत्संग स्पेशल (01 ट्रिप) गाड़ी संख्या 04833, जोधपुर-ब्यास सत्संग स्पेशल जोधपुर से दिनांक 16.05.24 को 15.30 बजे रवाना होकर अगले दिन 10.10 बजे ब्यास पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04834, ब्यास-जोधपुर सत्संग स्पेशल ब्यास से दिनांक 19.05.24 को 14.15 बजे रवाना होकर अगले दिन 09.15 बजे जोधपुर पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में पीपाड रोड, गोटन, मेडता रोड, मारवाड मुंडवा, नागौर, बीकानेर, सूरतगढ, हनुमानगढ, बठिण्डा, धुरी, लुधियाना व जालन्धर सिटी स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

## अधिकारियों की बैठक का आयोजन

**मसूदा,** (निसं)। गुरुवार मसूदा पंचायत समिति के वीसी रूम में जिला अध्यक्ष वीर सिंह सांखला , प्रदेश मंत्री शिवराज की अध्यक्षता में उप शाखा मसुदा पंचायत समिति ग्राम विकास अधिकारियों की बेठक का आयोजन किया गया। सांखला ने ग्राम विकास अधिकारियों से कहां की सरकार की कल्याणकारी योजना का लाभ प्रत्येक आमजन को पहुंचना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए जब ही हम अपने ग्राम पंचायत व सरकार की योजना लाभार्थी तक पहुंचने में सांझा होंगे ।जिसमें जिला अध्यक्ष ने जानकारी देते कहा कि नियमित ग्राम पंचायत खोलना प्रधान मंत्री आवास पर विस्तार चर्चा की गई।

## करणी माता मन्दिर में कथा का आखरी दिन

**बोरावड,** (निसं)। निकटवर्ती ग्राम चावण्डिया के करणी माता मन्दिर में करणी कथा के आखरी दिन कथा वाचक डॉ. करणी प्रताप ने करणी माता के जीवन से जुड़े विभिन्न वृतान्त किन्नु बना की स्वर लहरियों के साथ सुनाए। इस अवसर पर डॉ. करणी प्रताप ने माता करणी द्वारा राव काना के अहंकार मर्दन की कथा का मार्मिक वर्णन करते हुए कहा कि जो लोग अहंकार की पट्टी बांधकर जीवन को अंधकारमय बनाते हैं, उनसे जन्म से अंधे लोग भगवान की भक्ति से जीवन को सफल बना सकते हैं। जो श्रद्धालु माता रानी को श्रद्धा व विश्वास के साथ भक्ति करते है, मातारानी उनके जीवन से पुत्रवत कष्ट दूर करती है। इस दौरान किन्नु बन्ना द्वारा मातारानी के जीवन प्रसंगों से जुड़े चमत्कारों पर भजनों

की प्रस्तुति पर कथास्थल पर श्रद्धालु महिलएं भाव विभौर होकर नृत्य करने लगी। कथावाचक डॉ. करणी प्रताप ने कहा कि मातारानी की महिमा अपरम्पार है। उन्होंने करणी इन्द्रेश इन्द्र बाईसा के जीवन से जुड़े चमत्कारों का भी वर्णन करते हुए मकराना क्षेत्र की भूमि को इन्द्रबाईसा के प्रताप व भक्तों के उद्धार के कारण पावन बताया। उन्होंने कहा कि मातारानी की कथा सुनने से मनुष्य को अनेक कष्टों से छुटकारा मिलता है। ग्रामदानी अध्यक्ष सज्जनसिंह चावण्डिया ने बताया कि कथा मंगलवार को सम्पन्न हुई तथा कथा की पूर्णाहुति बुधवार को हवन के साथ होगी।

# ग्रीष्मावकाश के दौरान प्रतियोगी परीक्षा को लेकर शिक्षकों में रोष

### सभी परिक्षाएं एक पारी में आयोजित कराए जाने की मांग

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ ने जिला कलेक्टर व अजमेर के प्रतिनिधी एडीएम लोकेश गौतम को ज्ञापन सौंपकर जिला अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि शिक्षक वर्तमान समय में चुनाव कराने के बाद विद्यालय की परीक्षा कराकर रिजल्ट की तैयारी कर रहा है।

जॉब चार्ट के अनुसार शिक्षक ड्यूटी उपरांत 17मई से 22जून तक ग्रीष्मावकाश होता है। जिससे कारण उसको एक वर्ष में 15पीएल मिलती है और बाकी कर्मचारियों को 30पीएल मिलती है।

17मई से 2जून 2024तक आरपीएससी की परिक्षाएं आयोजित होगी फिर अन्य परीक्षाएं आयोजित होने से शिक्षको का सारा ग्रीष्मावकश का टाइम टेबल गड़बड़ा गया है।वर्तमान स्थिति में परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षक सभी कार्य करने को तैयार है परंतु नए नियमों से 2पारी परीक्षाओं में प्रात: 7 बजे आकर के 7 से 8परीक्षार्थियों की एंट्री उसके बाद 9से 12परीक्षा फिर 10मिनट एक्स्ट्रा 12.20बजे तक कॉपियां जमा कराना।उसके बाद फिर 12.30 बजे से

राजस्थान शिक्षक संघ ने जिला कलेक्टर व अजमेर के प्रतिनिधी एडीएम लोकेश गौतम को ज्ञापन सौंपा

पुन: एंट्री कराकर 6बजे तक फ्री होना यानी खाना भी नहीं खा सकते है, 11घंटे की हार्ड जॉब ड्यूटी।

जॉब चार्ट के अनुसार 7.30से 1.00बजे तक यानी 5.30घंटे या 6घंटे की ड्यूटी होती है। इन सब बातों को ध्यान में रखकर सभी परिक्षाएं एक पारी में आयोजित की जाए। और भीषण गर्मी और अतिरिक्त बहुत ज्यादा समय को देखकर परीक्षा को हार्ड ड्यूटी मानकर शिक्षको को प्रति परीक्षा एक पीएल का भुगतान कराया जाए। प्रदेश सचिव भंवर सिंह राठौड़ ने कहा की वर्तमान समय में शिक्षकों को एक पारी का मानदेय 250रुपए व दो पारी का 500रूपए मानदेय का भुगतान किया जाता है जब की वर्तमान समय में ड्यूटी समय काफी बड़ गया है अत: एक पारी में 500रुपए दो पारी के कमसे कम 1000रुपए मानदेय दिया जाए। शिक्षक, शिक्षकाओ ने अवकाश के कारण कहीं बाहर जाने का या अन्य प्रोग्राम बना रखे है वह सब अब कैंसल करने होंगे रेलवे के रिजर्वेशन जो काफी समय पूर्व कराए गए है कैंसल कराने होंगे जिससे आर्थिक नुकसान और भी होगा। अत: आगामी परीक्षाएं स्थगित कर उनको 22जून से करावे। ज्ञापन के समय आज सैकड़ों महिला शिक्षक भी उपस्थित रही और उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त किया।

मांग करने में भगवान सिंह गौड़, रोहिताश्व सारस्वत, मनीष कसाना भरत सिंह पंवार ललित शिवनानी, लालाराम वरूण सेन, बलराज सिंह, संतराम विश्नोई, जितेश मेहरा, मनीषा घारू, वंदना मिश्रा, अनिता गड़वाल, लक्ष्मी मेघानी, अनिता गुप्ता, ऋतु शर्मा, मीनू शर्मा, कविता सहगल, हेमरानी प्रजापति, राजकुमारी बडेजा, शकुंतला गहलोत, तबुस्सम, भगवती वर्मा, भारती माली, ज्योति माथुर, विभा माथुर, सुमन लता मीणा आदि अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

## पुष्कर में धर्म स्थल चार माह के लिए बंद

**पुष्कर,** (निसं)। धर्म स्थल का कार्य देख रहे मेनेजर हनुमान बाकोलिया ने बताया की गुरुवार को दोपहर को करीब 1:00 बजे इजरायल का बेद खबात हाउस चार माह के लिए बंद हो गया धर्म गुरु सिमंस गोल्डस्टिन अपने परिवार सहित इसराइल के लिए रवाना हो गए है। पुष्कर में इस धर्म स्थल की भारी सुरक्षा भी है जिसके चलते पुलिस की टीम भी यहां मौजूद थी। दो से चार रायफल धारी जब तक यह धर्म स्थल खुला रहता है याहा तैनात रहते है।

**मैसर्स किशनलाल एण्ड सन्स, बोरावड़**
**Head Office-खान संख्या 18 बोरावड कुमारी रेंज बोरावड तहसील मकराना, जिला डीडवाना - कुचामन**

(पंजीयन संख्या-17/20/2002/59दिनांक 28.08.2002)

आम सूचना - अन्तर्गत धारा 72 भागीदारी अधिनियम

हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि रजिस्टर्ड भागीदारी फर्म मैसर्स किशनलाल एण्ड सन्स, बोरावड जिसके रजिस्ट्रेशन नं. 17/20/2002/59 हैं एवं जो रजिस्ट्रार ऑफ फर्मस नागौर के कार्यालय में दिनांक 28.08.2002 को रजिस्टर्ड हैं। दिनांक 29.04.2024 को इस फर्म में दो नये भागीदार गणेशराम साहू पुत्र श्री भंवरलाल साहू, जाति जाट निवासी भरनाई, तहसील मकराना तथा ओमप्रकाश विशु पुत्र श्री पदमाराम जाति जाट निवासी मारवाड़ जनाना हॉस्पिटल कुचामन सिटी प्रविष्ट हुए हैं तथा उक्त फर्म के पुराने पांच भागीदार पप्पुड़ी पत्नि शिवराज, महेन्द्र, हरीराम, राजेन्द्र पि. शिवराज तथा कर्मा पुत्री शिवराज दिनांक 29.04.2024 इस फर्म से निवृत (RETIRE) हो गये है । इन दोनों नये भागीदारों के प्रविष्ट होने व पांच भागीदारों के निवृत होने के फलस्वरूप संशोधित भागीदारी विलेख दिनांक 29.04.2024 को निष्पादित कर लिया गया हैं एवं रजिस्ट्रार ऑफ फर्मस नागौर के कार्यालय में सूचना प्रस्तुत की जा रही है इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो सात दिवस के भीतर रजिस्ट्रार ऑफ फर्मस नागौर के कार्यालय में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें।

**कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर**

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उतराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की हरिभाऊ उपाध्याय नगर (विस्तार) योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 322 (ई.डब्ल्यू.एस.) क्षेत्रफल 40 वर्गमीटर के आवंटी श्री राजकुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री दामोदर प्रसाद शर्मा निवासी अजमेर की मृत्यु दिनांक 18/12/2022 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः 1. कुणाल शर्मा पुत्र स्व. श्री राजकुमार शर्मा निवासी अजमेर 2. गरिमा शर्मा (नाबालिग, संरक्षक माता श्रीमती मोना शर्मा) पुत्री स्व. श्री राजकुमार शर्मा निवासी अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्रीमती मोना शर्मा पत्नि स्व. श्री राजकुमार शर्मा निवासी अजमेर के पक्ष निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 30/4/2024 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

**कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान**

क्रमांक -न.प.बि/निर्माण स्वी./2024/402 **आम सूचना** दिनांक : 1.5.2024

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

| फाइल नं. | आवेदक नाम | भूखण्ड का विवरण | भूखण्ड का नाप | प्रयोजनार्थ |
|---|---|---|---|---|
| 18 | मधुलता शर्मा पत्नि भंवरलाल शर्मा | अम्बे कॉलोनी चौसला बिजयनगर ख.सं. 3983 व 3984 भू.सं. 27 | 111.48 SQ.MTR | आवासीय |

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

# शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, अजमेर व जयपुर से चुराई बाइक बरामद

## आरोपी के कब्जे से पुलिस ने चोरी की 19 मोटरसाईकिलें बरामद की

**अजमेर, (कासं)।** शहर में चोरी नकबजनी, लूट व सम्पति संबंधी अपराधों की रोकथाम, वाहन चोरी की वारदातों पर अकुंश लगाने व अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई के दिशा निर्देशों पर कार्यवाही करते हुए क्लॉक टावर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी के कब्जे से चुराई गई 19 मोटरसाइकिलें भी बरामद की है। आरोपी ने अजमेर सहित जयपुर के कई थाना क्षेत्रों में वारदात अंजाम देना कबूला है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर अनुसंधान में जुटी है।

सिटी एडिशनल एसपी दुर्ग सिंह ने गुरुवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि क्लॉक टावर थाने 29 अप्रैल को प्रार्थी मुकेश पुत्र छोटूलाल रेगर निवासी जेठाना हाल जवाहर की नाडी चन्द्रवरदाई नगर ने एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया कि 24 अप्रेल को किसी कार्य से मार्टिण्डल ब्रिज के पास एलजी शोरूम के सामने अपनी मोटरसाईकिल खड़ी की थी, जब वापस आया ता मोटरसाईकिल वहां नहीं मिली। अज्ञात चोर चोरी करके ले गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया गया कर सीसीटीवी फुटेज का गहनता से अवलोकन कर फुटेज में दिखे हुलिये के आधार पर अज्ञात चोर की तलाश आरम्भ की तथा सादा वस्त्रों में टीम बनाकर तलाश हेतू जगह-जगह लगाये गए।

अजमेर की क्लॉक टावर थाना पुलिस ने वाहन चोर को गिरफ्तार कर मोटरसाइकिलें बरामद की।

एएसपी दुर्ग सिंह ने बताया कि आरोपी को पकड़े के लिए एसपी विश्नोई के दिशानिर्देशों पर टीक का गठन किया। टीम ने मुखबिर की सूचना पर शातिर वाहन चोर को चोरी गई मोटरसाईकिल के साथ डिटेन किया व थाने लाकर पूछताछ कर आरोपी अनिल कुमार वर्मा पुत्र छीतरमल निवासी बलाईयों का मोहल्ला साकून पुलिस थाना नरैना जिला जयपुर को प्रकरण में गिरफ्तार कर लिया।

- **पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज खंगाले**

पुलिस पूछताछ में शातिर वाहन चोर चोरी की गई मोटरसाईकिल को बेचने की फिराक में ग्राहक की तलाश में घूम रहा था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अजमेर शहर व जयपुर के कई थाना क्षेत्रों में मोटरसाईकिलें चोरी करना कबूल किया।

# महिला पार्षद, पार्षद पति सहित अन्य पर अवैध वसूली के आरोप

**अजमेर, (कासं)।** अलवर गेट थाना क्षेत्र के नगरा स्थित एक भवन निर्माण कार्य करवाने की एवज में अवैध वसूली करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थाने में शिकायत देते हुए वार्ड की महिला पार्षद, पार्षद पति सहित अन्य पर अवैध राशि वसूली के आरोप लगाए हैं। रकम नहीं देने पर स्थानीय लोगों के साथ मिलकर निर्माण कार्य रुकवाने और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलवर गेट थाना क्षेत्र नगरा निवासी पीड़ित रविंद्रपाल सिंह छाबड़ा ने थाने में लिखित शिकायत देते हुए वार्ड की महिला पार्षद लक्ष्मी बुंदेल, अन्य महिला पार्षद के पति ईश्वर राजोरिया सहित अन्य लोगों के खिलाफ अवैध वसूली करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित छाबड़ा ने बताया कि वर्ष 2017 में अपनी जमीन पर चारदीवारी का निर्माण करवाना शुरू किया था, जिसे आरोपियों ने अन्य स्थानीय लोगों के साथ मिलकर रोकने का प्रयास किया। पुनः जनवरी 2024 को अपने निर्माण कार्य को शुरू किया तो महिला पार्षद लक्ष्मी बुन्देल ने निर्माण कार्य की एवज में अनाधिकृत राशि की मांग की। छाबड़ा ने कहा कि महिला पार्षद को रकम देने से इंकार कर दिया। जिस पर पार्षद ने पुलिस, नगर निगम सहित एडीए को शिकायत कर दी।

- **पीड़ित ने मुकदमा दर्ज कराया, निर्माण कार्य करवाने की एवज में अवैध वसूली का आरोप**

**धमकी और समझौते का बनाया दबाव :-** पीड़ित छाबड़ा ने बताया कि पार्षद के कहने पर अलवर गेट थाने से दो पुलिस वाले आए और ठेकेदार को काम बंद करवाने की धमकी दी गई, लेकिन काम बंद करने से मना कर दिया। पीड़ित ने बताया कि उसी दिन एक व्यक्ति उसके पास आया और कहा कि वह महिला पार्षद को 5 लाख या दुकान दे दे तो वह किसी प्रकार का विरोध नहीं करने के लिए उन्हें समझाकर चुप करवा देगा, लेकिन उसने उस व्यक्ति को भी पैसे देने से मना कर दिया।

पीड़ित छाबड़ा ने आरोप लगाते हुए बताया कि दूसरे दिन आरोपियों ने आपसी मिलीभगत कर अन्य लोगों को भडक़ते हुए उसकी निजी संपत्ति को मंदिर परिसर की संपत्ति बताते विरोध किया। बाद में निर्माण कार्य रुकवाने का प्रयास किया, इसके साथ ही उसे झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी गई। उसने इसकी शिकायत अलवर गेट थाने में दी लेकिन किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने बताया कि महिला पार्षद लक्ष्मी बुन्देल और अन्य महिला पार्षद के पति ईश्वर राजोरिया ने उसकी जमीन को मंदिर संपत्ति बताते हुए स्थानीय लोगों को भडक़ा रहे हैं। साथ भीड़ का फायदा उठाकर उसकी संपत्ति पर जाकर तोड़फोड़ की गई। पुलिस में शिकायत करने के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने कहा कि उसे परेशान किया जा रहा है। इसके बाद उसने कोर्ट के जरिए थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वहीं अन्य महिला पार्षद पति ईश्वर राजोरिया ने मामले में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि सार्वजनिक संपत्ति का मामला है, मंदिर विकास समिति की जमीन है, जिस पर अवैध निर्माण और फर्जी दस्तावेज बनाकर कब्जा किया गया है। क्षेत्रवासियों ने इसकी शिकायत उन्हें दी थी। मामले में प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करवाया था, जिसके निर्माण कार्य का काम बंद करवाया गया। उसके बाद ही उन पर झूठे आरोप लगाये जा रहे हैं। वहीं मामले में जब महिला पार्षद लक्ष्मी बुन्देल से फोन जानकारी लेनी चाही, तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

# जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हंगामा

**भरतपुर, (निसं)।** मथुरा गेट थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हंगामा हो गया। हंगामे की सूचना पर सीओ सिटी सुनील प्रसाद, मथुरा गेट थाना अधिकारी करण सिंह राठौड़, कोतवाली थाना अधिकारी रूपराम पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और हंगामा शांत कराया। फिलहाल नगर निगम के द्वारा स्थिति की जांच की जा रही है।

मथुरा गेट थाना क्षेत्र में काफी समय से आरबीएम अस्पताल के सामने की जमीन पर विष्णु बंसल व डॉ. जगवीर का विवाद चल रहा है। इस जमीन पर विष्णु बंसल के द्वारा चारदीवारी का कार्य करवाया जा रहा था। जिस पर डॉ. जगवीर पक्ष के लोगों ने इसका विरोध किया। जिस पर दोनों पक्षों में विवाद हो गया और हंगामे की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर सीओ सिटी सुनील प्रसाद, मथुरा गेट थाना अधिकारी करण सिंह राठौड़, कोतवाली थाना अधिकारी रूपराम पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और हंगामा शांत कराया। जहां विष्णु बंसल के द्वारा पुलिस व नगर निगम के अधिकारियों को जानकारी दी कि वह इस जमीन का मामला कोर्ट में चल रहा था। कोर्ट ने उसके पक्ष में फरवरी 2024 में फैसला सुनाया है इसलिए चारदीवारी का निर्माण कराया जा रहा है। वहीं डॉ. जगवीर सिंह का कहना है कि इस जमीन को लेकर कोर्ट में मामला चल रहा है। जिसकी आगामी जुलाई में सुनवाई होनी है। ऐसे में जमीन पर निर्माण कार्य कराना सही नहीं है। फिलहाल अधिकारी दोनों पक्षों के कागजातों की जांच में जुटे हुए हैं।

# खेत में बनी डिग्गी में नहाने उतरे चार बच्चे, दो चचेरे भाइयों की मौत

## पदमपुर के गांव 5 ईईए में हुआ हादसा, बकरियां चराने गए थे

**पदमपुर, (निसं)।** क्षेत्र के गांव 5 ईईए में बड़ा हादसा हो गया। वहां खेत में बनी डिग्गी में नहाने के लिए उतरे चार बच्चों में से दो की डूबने से मौत हो गई। श्रमिक परिवार से जुड़े दोनों बच्चे चचेरे भाई बताए जा रहे हैं।

जानकारी अनुसार गांव 5 ईईए के श्रमिक परिवारों के पांच बच्चे बकरियां चराते हुए खेत में बनी के नजदीक चले गए। दोपहर में तेज गर्मी के चलते इनमें चार बच्चे नहाने के लिए पानी में उतर गए। इस दौरान शोर सुनकर बाहर खड़े बच्चे ने वहां पड़ी एक रस्सी को डिग्गी में फेंका। इसे पकड़कर दो बच्चे किसी तरह डिग्गी से बाहर से निकल आए लेकिन गहराई में जाने से अन्य दो बच्चे बाहर नहीं निकल सके। यह देख बाहर खड़े बच्चे ने शोर किया तो वहां अन्य लोग एकत्र हो गए। वहां पहुंचे लोगों ने मशक्कत कर दो बच्चों हरीश (15) पुत्र शंकरलाल नायक और सागर (11) पुत्र सुभाषचंद नायक को बाहर निकाला और बचाव के प्राथमिक प्रयासों के बाद उन्हें सीएचसी पर ले जाया गया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। दोनों बच्चों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। श्रमिक परिवारों से जुड़े दोनों बच्चों की मौत का समाचार सुनकर ग्रामीणों में शोक छा गया।

- **श्रमिक परिवार से जुड़े दोनों बच्चे चचेरे भाई बताए जा रहे हैं**

डिग्गी में डूबे दोनों बच्चों को बचाने का काफी प्रयास किया गया लेकिन विफल रहा। जानकारी अनुसार डिग्गी में से बच्चों को निकालने के लिए पानी में रस्सी डालने के साथ ग्रामीण खुद भी पानी में उतर गए और मशक्कत कर बच्चों को बाहर निकाला। इस दौरान मौके पर उन्होंने बच्चों की सांस वापस लाने के लिए कई प्रयास किए लेकिन विफल रहे। उधर, पदमपुर थाने के एसएचओ सुरेंद्र राणा ने बताया कि पोस्टमार्टम करवाकर बच्चों के शव परिजन को सौंप दिए गए। उन्होंने यह भी बताया कि श्रमिक परिवार से जुड़े बच्चे घर की बकरियों को ही चराने के लिए निकले थे।

# लापता कोचिंग छात्रा पंजाब से दस्तयाब

**कोटा, (निसं)।** शहर के अनंतपुरा थाना इलाके में पीजी में रहकर नीट यूजी की तैयारी कर रही यूपी के कुशीनगर निवासी छात्रा पिछले दिनों लापता हो गई थी। करीब 10 दिन की तलाश के बाद पुलिस ने छात्रा को दस्तयाब कर लिया है। छात्रा पंजाब से दस्तयाब की गई है। कोचिंग छात्रा ने पूछताछ में बताया कि उसने ज्यादातर समय वृंदावन में ही बिताया है।

कोटा सिटी एसपी डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि उत्तरप्रदेश के कुशीनगर नगर निवासी 21 वर्षीय छात्र तृप्ति सिंह गोबरिया बावड़ी ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक पीजी में रहती थी। वह 21 अप्रैल को कोचिंग के लिए पीजी से निकली थी जिसके बाद वापस नहीं आई। उसके पीजी रूम की तलाशी लेने पर वहां सुसाइड नोट भी मिला था। इस संबंध में पीजी संचालिका ने 23 अप्रैल को गुमशुदगी दर्ज की थी। तृप्ति की तलाश में पुलिस टीम मुस्तैदी से जुट गई। उसके परिजनों से भी बातचीत की गई थी। छात्रा की तलाश में चंबल नदी में गोताखोरों ने अभियान भी चलाया था। अनंतपुरा थानाधिकारी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि जिस कॉपी में सुसाईड नोट लिखा था वहां पर तृप्ति ने राधा-कृष्ण भी लिखा था। उसके मोबाइल डिटेल के अनुसार उसके वृंदावन जाने की पुष्टि हुई। ऐसे में टीम को वृंदावन और मथुरा भेजा गया। यहां पुलिस को सूचना मिली कि तृप्ति वहां से लुधियाना गई है। इसके बाद पंजाब के लुधियाना से तृप्ति को दस्तयाब किया गया और परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा।

# पिकअप और ट्रैक्टर की भिड़ंत में एक की मौत, आठ घायल

**खेतड़ी, (निसं)।** खेतड़ी उपखंड के बडाऊ के पास गुरूवार दोपहर को एक पिकअप और ट्रैक्टर की भिडंत हो गई। इस दौरान हुए हादसे में पिकअप में सवार करीब आठ लोग घायल हो गए। हादसे में छह जनों की हालत गंभीर होने पर उन्हें नीमकाथाना व झुंझुनूं रैफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार पंडाली की ढाणी तन महुवा नीमकाथाना के रहने वाले सीआरपीएफ में कार्यरत रघुवीर सिंह अपने ससुराल भिटेरा में एक महिला की मौत होने पर शोक व्यक्त करने के लिए पिकअप गाड़ी में परिवार के लोगों के साथ आए थे। जब वह शोक सभा में शामिल होने के बाद वापस अपने गांव जा रहे थे तो बडाऊ पंचायत के रामनगर के पास ट्रैक्टर से पिकअप की टक्कर हो गई। इस दौरान हादसा होने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा हादसे में घायलों को बडाऊ के सामुदायिक अस्पताल में पहुंचाया गया। इस दौरान हादसे में घायल पप्पू, सतवीर, मोहनलाल, ओमप्रकाश, तुलसी देवी की हालत गंभीर होने पर उन्हें नीमकाथाना तथा रघुवीर सिंह को झुंझुनूं रैफर कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इसके अलावा अन्य घायलों को हल्की चोटें होने पर उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

- **छह की हालत गंभीर होने पर नीमकाथाना व झुंझुनूं किया रैफर**
- **परिवारजन शोक सभा में शामिल होने नीमकाथाना से भिटेरा आए थे**

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से सड़क निर्माण का कार्य करवाया जा रहा है। हादसे में टक्कर लगने वाला ट्रैक्टर सड़क का निर्माण कार्य कर रहा था। इस दौरान सवारी भरकर आ रही पिकअप के अनियंत्रित हो जाने से ट्रैक्टर से टकरा गई, जिससे हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि हादसे में गंभीर चार घायल पिकअप गाड़ी के ऊपर बैठे हुए थे, जिसके चलते उनको गंभीर चोटें आई है। हादसे के दौरान ट्रैक्टर व पिकअप गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे की सूचना पर खेतड़ीनगर पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना के बारे में जानकारी जुटाई।

थानाधिकारी विजय कुमार चंदेल ने बताया कि रामनगर में गौशाला के पास ट्रैक्टर व पीकअप गाड़ी की टक्कर लगने से हादसा हुआ है। एक रघुवीर सिंह नाम के व्यक्ति की हालत गंभीर होने पर झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में रैफर गया था, जिसकी मौत हो गई है। अभी ओर घायलों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। हादसा का मुख्य कारण जानने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

# फर्जी फर्म बनाकर रकम हड़पी

**मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)।** अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने फर्जी फर्म बनाकर मार्बल ग्रेनाइट की रकम हड़पने के आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। पीसांगन निवासी पीड़ित किशन वैष्णव ने एडवोकेट रुपेश शर्मा के जरिये अदालत में जाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बजरंग कॉलोनी में रहने वाले राजू पुत्र सुवादास व इसका भाई भगवानदास ने अक्टूबर, दिसम्बर 2023 सहित जनवरी 2024 में करीब 58 लाख रूपये का नौ गाड़ी ग्रेनाइट बतौर उधार क्रय किया गया था, किंतु दोनों भाईयो ने समय अवधि निकल जाने के वावजूद भुगतान नहीं किया। इस बीच पीड़ित द्वारा फर्म के बारे में जानकारी करने पर पैरों तले जमीन खिसक गई कि आरोपियों ने श्याम ग्रेनाइट नाम से फर्जी फर्म बना ली। धोखाधड़ी सामने आने पर तत्काल न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत कर न्याय की गुहार लगाई।

# सूने मकान से चार लाख रूपए सहित लाखों के गहने चोरी

**खेतड़ी, (निसं)।** खेतड़ी कस्बे में चोरों ने बुधवार को एक निजी कॉलेज संचालक के घर में दिनदहाडे चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। इस दौरान चोर चार लाख रूपए नगद सहित लाखों रूपए के गहने लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची खेतड़ी पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया, लेकिन अभी तक आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग पाया है।

पुलिस के मुताबिक वार्ड 17 निवासी मनोज कुमार वर्मा ने रिपोर्ट दी कि वह जसरापुर में निजी कॉलेज का संचालन करता है। रोजाना की तरह सुबह करीब साढे दस बजे अपनी पत्नी के साथ कॉलेज चले गए थे, वहीं उनके बच्चे स्कूल गए हुए थे। इस दौरान चोरों ने घर को सूना देखकर चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला। जब बच्चे स्कूल से लौटे तो घर के ताले टूटे थे तथा सामान भी बिखरा हुआ था। इस दौरान बच्चों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी तो वह मौके पर पहुंचे और घर में रखे सामान की तलाशी ली तो सामने आया कि कॉलेज की फीस के लिए रखे चार लाख रुपए नगद व करीब दो लाख रुपए गहने सहित अन्य सामान गायब मिला। इस दौरान चोरी होने की सूचना उन्होंने पुलिस को दी तो पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना के बारे में जानकारी जुटाई।

- **चोरों ने दिनदहाड़े कॉलेज संचालक के घर में वारदात को अंजाम दिया**

इस दौरान आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि तीन व्यक्तियों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। इसमें एक व्यक्ति निगरानी कर रहा था तथा दो व्यक्ति घर में घुसकर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। थानाधिकारी भंवरलाल कुमावत ने बताया कि चोरी की घटना को लेकर मौका निरीक्षण किया गया है। पीड़ित की ओर से चार लाख रुपए नगद और गहने ले जाने की रिपोर्ट दी गई है। पुलिस की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। सीसीटीवी फुटेज में तीन युवको के वारदात को अंजाम देने की बात सामने आई है, जिनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है तथा जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया जाएगा।

# फर्जी दस्तावेज से कृषि भूमि बेचने वाला गिरोह पकड़ा

## गिरोह के चार सदस्यों को पकड़ गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की पहचान कर रही है पुलिस

**टिब्बी, (निसं)।** फर्जी दस्तावेज, फर्जी जमीन मालिक तथा फर्जी गवाह बनाकर किसी अन्य किसान की कृषि भूमि को बेचकर लाखों की ठगी करने वाला एक गिरोह स्थानीय पुलिस के हत्थे चढ़ा है। गिरोह के सदस्य हरियाणा के एक किसान को फर्जी दस्तावेजों व जमीन के फर्जी मालिक से कृषि भूमि की खरीद दिखाकर लाखों रूपए की ठगी करने के प्रयास में थे। पुलिस गिरोह के चार सदस्यों को पकड़कर उनसे पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की पहचान कर रही है। हालांकि गिरोह के सदस्यों को पकड़वाने में गिरोह से कृषि भूमि की खरीद कर रहे किसान की जागरूकता काम आ गई इससे किसान लाखों की ठगी से बच गया साथ ही गिरोह के सदस्य भी पुलिस की गिरफ्त में आ गए।

थानाधिकारी जगदीश प्रसाद पांडर के अनुसार आदराम नायक निवासी गांव बाहिया तहसील राणियां (हरियाणा) को क्षेत्र में कृषि भूमि खरीद करनी थी। इसको लेकर वह कृषि भूमि के सौदे करवाने वाले जीतराम पुत्र कुरडाराम मेघवाल निवासी ढुढियावाली तहसील राणियां से मिला तो उसने सूरेवाला निवासी दलाल मंगत सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह के बारे में जानकारी दी। जिससे मिलने के लिए वह, विनोद खींचड निवासी बाहिया व जीतराम 24 अप्रेल को सूरेवाला पहुंचे।

जहां पर मंगत सिंह ने पन्नीवाली के चक 30 एनजीसी की 5 बीघा जमीन बिकाउ होने के बारे में बताया तथा कहा कि जमीन मुख्तयार सिंह व हरनेक सिंह पुत्रगण बन्ता सिंह निवासी सूरेवाला की है, बाद में मंगत सिंह ने दो अन्य लोगों से यह कहकर मिलवाया कि ये मुखत्यार सिंह व हरनेक सिंह जमीन के मालिक है। बाद में चक 30 एनजीसी की प.नं. 171/254 के कि.नं. 16,17, 18,19,20 की जमीन व जमाबन्दी दिखाई तथा पन्नीवाली गांव में एक घर में ले गए जहां चार-पांच अन्य लोगों के सामने उक्त जमीन का सौदा 43 लाख 21 हजार में तय हुआ। मौके पर एक लाख रूपये साई तथा 30 अप्रैल को बैयनामा का इकरार एक सादे कागज पर किया गया।

इकरारनामा के अनुसार 30 अप्रैल को टिब्बी तहसील कार्यालय में जमीन का बैयनामा करवा रहे थे तो आदराम नायक ने जमीन मालिक मुख्तयार सिंह व हरनेक सिंह के पहचान सम्बन्धी दस्तावेज आधार कार्ड देखे व उनकी जांच की तो पता चला कि दोनों व्यक्तियों ने फर्जी आधार कार्ड बना रखे है। इनके साथ बलविन्द्र सिंह निवासी 3 जीजीआर, राजुसिंह निवासी सूरेवाला, याकूब निवासी सूरेवाला, पप्पु खां निवासी टिब्बी व सुखदेव सिह निवासी ढोबरियां भी थे।

आरोपियों ने दस्तावेज सही बताते हुए लिखापढ़ी करवाने का दबाव बनाया लेकिन असली दस्तावेज मांगने पर आनाकानी करने लगे। इस दौरान किसान आदराम ने इसकी सूचना टिब्बी थाने में दे दी जिसके चलते मौके पर पहुंची पुलिस ने राजू सिंह पुत्र अमरजीत सिंह रायसिख निवासी सूरेवाला, याकूब पुत्र शोकत निवासी सूरेवाला, पप्पू खा पुत्र यासीन खां निवासी सूरेवाला व जीतराम पुत्र कुरडाराम निवासी ढूढियावाली को पकड़ लिया जबकि अन्य फरार हो गए।

# जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में पथराव, पुलिस पर भी पत्थर बरसाये

## पुलिस ने भी हल्का बल प्रयोग किया, जिसमें एक नाबालिग सहित कुछ लोग घायल हो गए

**भुसावर, (निसं)।** पेट्रोल पम्प की जमीन पर निर्माण कार्य का विरोध करने पहुंचे ग्रामीणों ने गुरुवार को पुलिस पर पथराव कर दिया, इससे अफरा-तफरी मच गई। जवाबी कार्रवाई ने पुलिस ने भी हल्का बल प्रयोग किया, जिसमें एक नाबालिक सहित कुछ लोग घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

घटना भरतपुर के भुसावर स्थित हिंडन रोड पर मन्नू वाली हनुमान मंदिर के पास दोपहर 12 बजे हुई, जहां ग्रामीण पेट्रोल पंप के निर्माण को लेकर ग्रामीण प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस की कार्रवाई के बाद गुस्साए लोगों ने कार्यालय के पास हिंडौन सड़क मार्ग पर पत्थर और झाड़ियां डालकर जाम कर दिया साथ ही पुलिस पर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर हंगामा किया। मौके पर क्यूआरटी टीम वैर भुसावर हलेना थाने के 100 से अधिक पुलिस के जवान तैनात हैं और ग्रामीणों से समझाइश का प्रयास किया जा रहा है। मामले में नगर पालिका अध्यक्ष पालिका अध्यक्ष नेवी जमीन के विवाद में जांच शुरू कर दी है।

हंगामे के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस जाब्ते ने स्थिति को संभाला।

भुसावर एसएचओ सुनील गुप्ता ने बताया भुसावर के हिंडौन रोड पर मन्नू वाली हनुमान मंदिर के सामने जमीन पर पेट्रोल पंप के लिए गुरुवार सुबह निर्माण कार्य शुरू किया था। जिसकी सूचना के बाद जमीन के मालिक मूलचंद सैनी के परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए काम बंद करने का प्रयास किया। सूचना के बाद पुलिस जाब्ते के साथ पहुंची। पुलिस ने प्रदर्शन कार्यो को खरीदने का प्रयास किया तो गुस्साए लोगों ने पथराव किया।

पुलिस ने बताया कि घाटरी के पूर्व सरपंच कप्तान के नाम पेट्रोल पंप अलॉट हुआ था। पूर्व सरपंच ने मूलचंद सैनी से 20 साल के लिए जमीन लीज पर ली थी। इसके बाद पट्टा लेकर नियमानुसार विभागीय कार्रवाई के बाद कलेक्टर से एनओसी लेकर पेट्रोल पंप आवंटित कराया था। कप्तान ने शिकायत की थी कि कुछ लोग कुछ लोग पेट्रोल पंप का कार्य नहीं करने दे रहे हैं। इसी वजह से पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और समझाइस का प्रयास किया। गब्बर सैनी ने बताया कि पूर्व सरपंच जमीन पर कब्जा कर पेट्रोल पंप लगाना चाहता है। फर्जी तरीके से मूलचंद सैनी की जमीन पर पट्टा बनवा लिया। नगर पालिका में शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई 2 महीने पहले फिर भी कराई थी। लेकिन कुछ नहीं हुआ जमीन पर निर्माण कार्य का विरोध करने पहुंचे तो पुलिस ने मारपीट की।

- **जमीन पर पेट्रोल पंप के लिए निर्माण कार्य का लोगों ने विरोध कर काम बंद कराने का प्रयास किया**

# पेपर लीक के मास्टर माइंड जगदीश विश्नोई सहित 25 आरोपियों के खिलाफ चालान पेश

## एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक व डमी कैंडिडेट बैठाने का मामला

- करीब पांच दर्जन से अधिक के खिलाफ जांच लंबित रखी गई है।
- 2369 पेज के चालान की कॉपी लेकर एसओजी की 15 से ज्यादा सदस्यों की टीम अदालत पहुंची।
- एसओजी ने अपनी जांच में माना कि आरोपियों ने एक संगठित गिरोह बनाकर सुनियोजित तरीके से आपराधिक षडयंत्र रचते हुए एसआई भर्ती-2021 के पेपर लीक किए थे और उन्हें धन कमाने के लिए आगे भी बेचा था।

**जयपुर।** एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक और डमी कैंडिडेट बैठाने के मामले में एसओजी ने गुरुवार को सीएमएम कोर्ट में मास्टर माइंड जगदीश विश्नोई सहित 25 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया है। एसओजी ने करीब पांच दर्जन से अधिक के खिलाफ जांच लंबित रखी है। एसओजी को मामले की जांच करते हुए 60 दिन का समय हो चुका था, इसलिए गुरुवार को कोर्ट में चालान पेश करना था। पीठासीन अधिकारी के ट्रांसफर होने के चलते चालान लिंक अदालत में पेश किया गया।

एसओजी की ओर से 2369 पेज का चालान पेश किया गया। एसओजी की 15 से ज्यादा सदस्यों की टीम चालान की कई कॉपियां लेकर कोर्ट पहुंची। इस आरोप पत्र में आरोपियों पर आईपीसी की धारा 419, 420, 467, 468, 471, 477, 477ए/409, 34, 201, 109, 120 बी सहित सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम की धारा 4, 5 व 6 और आईटी एक्ट की धारा 66 डी के तहत आरोप लगाए हैं। एसओजी ने जिनके खिलाफ चालान पेश किया है, उनमें आरोपी भूपेन्द्र सारण, राजेश खंडेलवाल, शिवरतन मौठ, नरेश खिलेरी, सुरेन्द्र विश्नोई, करणपाल गोदारा, विवेक भामू, मनोहर लाल विश्नोई, गोपीराम, श्रवण विश्नोई, रोहिताश कुमार, प्रेमसुखी, एकता, भगवती विश्नोई, नारंगी कुमारी, राजेश्वरी, चंचल कुमारी, शिक्षक राजेन्द्र कुमार यादव, लाइब्रेरियन राजेन्द्र कुमार, हर्षवर्धन कुमार, जगदीश सियाग, इंदूबाला, अनिल कुमार व अशोक सिंह नाथावत शामिल हैं। एसओजी ने माना कि आरोपियों ने एक संगठित गिरोह बनाकर सुनियोजित तरीके से आपराधिक षडयंत्र रचते हुए एसआई भर्ती-2021 के पेपर लीक किए थे और उन्हें धन कमाने के लिए आगे भी बेचान किया।

गौरतलब है कि एसओजी ने इस मामले में 3 मार्च को रिपोर्ट दर्ज की थी और आरोपी राजेश खंडेलवाल को 4 मार्च को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पूछताछ में अन्य आरोपियों के नाम सामने आने पर उनकी भी गिरफ्तारियां की गई थी।

### 12 आरोपियों की जमानत मामले पर 6 मई को सुनवाई

एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपरलीक केस में एसओजी ने 36 ट्रेनी एसआई और 7 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 11 ट्रेनी एसआई और एक कांस्टेबल को जयपुर मेट्रो-द्वितीय की सीएमएम कोर्ट ने 12 अप्रेल को जमानत दे दी थी। इसके खिलाफ सरकार हाईकोर्ट गई थी, जहां 15 अप्रेल को सुनवाई के बाद सीएमएम कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी गई थी। इस फैसले के खिलाफ आरोपी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

आरोपियों की ओर से कहा गया था कि उनके रिलीज ऑर्डर जारी हो चुके थे, लेकिन हाईकोर्ट ने गलत तरीके से उनकी रिहाई पर रोक लगाई है। गिरफ्तार ट्रेनी एसआई की एसएलपी पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 26 अप्रैल को हाईकोर्ट को निर्देश दिए थे कि वे 1 मई से सप्ताह भर के अंदर सुनवाई पूरी करके फैसला दे। अब हाईकोर्ट इस मामले में 6 मई को फाइनल सुनवाई करेगा।

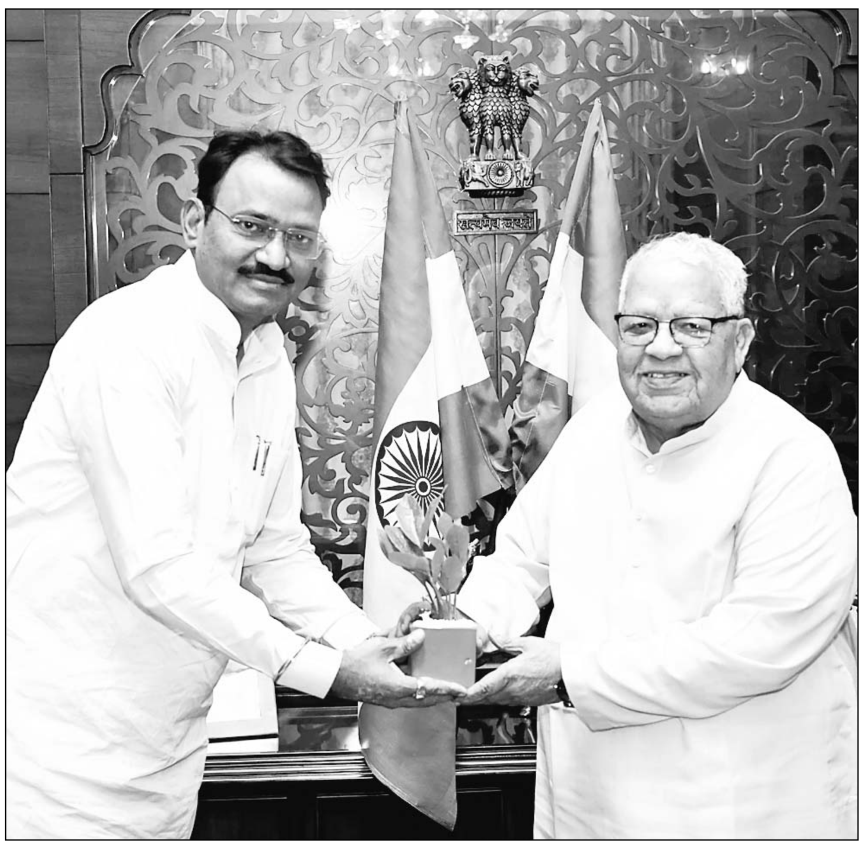

राज्यपाल कलराज मिश्र से गुरुवार को राजभवन में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। वहीं मिश्र से डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर ( मध्य प्रदेश ) के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने मुलाकात की। बेरवाल ने राज्यपाल से भेंट के दौरान उन्हें मध्यप्रदेश के सबसे पुराने व सबसे बड़े इस केंद्रीय विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियां और नई शिक्षा नीति के संदर्भ में शैक्षिक गुणवत्ता के संदर्भ में किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

गर्मी के मौसम में पहले सड़क किनारे प्याऊ लगाई जाती थी जिससे लोग पानी पीकर अपनी प्यास बुझाते थे जो आज कम ही देखने को मिलती है। जयपुर अजमेर हाइवे के पास कच्चे रास्ते पर लगे हैंडपंप से पानी निकालकर अपनी प्यास बुझाता एक राहगीर। फोटो : राष्ट्रदूत

## 'प्रदेश में होने वाले लेनदेन के लिए बाहर से खरीदा स्टांप मान्य नहीं'

**जयपुर।** सुप्रीम कोर्ट ने बीमा पॉलिसियों को लेकर कहा कि राजस्थान में होने वाले लेन-देन के लिए राज्य के बाहर से खरीदा गया स्टांप पेपर मान्य नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट भारतीय जीवन बीमा निगम की अपीलों को खारिज करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने राज्य सरकार से कहा है कि जिस समय बीमा स्टांप नहीं थे, उस समय की स्टांप ड्यूटी के बारे में मांग नहीं की जाए। न्यायाधीश पीएस नरसिम्हा व न्यायाधीश अरविन्द कुमार की खण्डपीठ ने 20 साल से चल रहे विवाद पर यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने राज्य के 1952 के स्टांप कानून को वैध ठहराया, वहीं कहा कि राष्ट्रपति की मंजूरी से बना राज्य का कानून केन्द्र के कानून से उपर होगा। कोर्ट ने कहा कि स्टांप ड्यूटी भी कर के रूप में है और राज्य सरकार को बीमा पॉलिसियों पर स्टांप ड्यूटी वसूल करने का हकदार है। एलआईसी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि भारतीय स्टांप अधिनियम 1899 के अंतर्गत देश में स्टांप ड्यूटी ली जा रही है, राजस्थान सरकार ने इसी अधिनियम के अंतर्गत राज्य में 1952 का स्टांप अधिनियम बनाया। राज्य को बीमा पॉलिसियों पर स्टांप ड्यूटी लेने का अधिकार नहीं है। राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष सिंघवी ने कहा कि राज्य सरकार को स्टांप ड्यूटी वसूल करने का अधिकार है।

## डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा को दिया ए.सी.बी. का जिम्मा

**जयपुर, (का.प्र.)।** भारतीय पुलिस सेवा के तीन अधिकारियों का तबादला करते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के नए मुखिया डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा होंगे, जबकि फिलहाल एसीबी के कार्यवाहक डीजी का जिम्मा संभाल रहे एडीजी हेमंत प्रियदर्शी को पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। उन्हें एडीजी साइबर क्राइम के पद पर लगाया गया है।

कार्मिक (क-1) विभाग की ओर से गुरुवार शाम को जारी आदेश के अनुसार डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा का तबादला डीजी (एससीआरबी, साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएं) से डीजी, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पद पर किया गया है। जबकि हेमंत प्रियदर्शी को एडीजी, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से एडीजी, एससीआरबी एवं साइबर क्राइम के पद पर लगाया गया है।

अब तक भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड के साथ साइबर क्राइम के एडीजी का पद संभाल रहे सचिन मित्तल का तबादला एडीजी के पद पर किया गया है। डॉ. मेहरड़ा को सुबह 11 बजे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के मुख्यालय पहुंचेंगे। जहां वे डीजी, एसीबी का पदभार ग्रहण करेंगे।

## अंग प्रत्यारोपण प्रकरण में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

**जयपुर, (का.सं.)।** एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने फर्जी एनओसी से अंग प्रत्यारोपण करने से जुड़े मामले में ईएचसीसी अस्पताल के कोऑर्डिनेटर अनिल कुमार जोशी की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि आरोपी पर गंभीर आरोप है। ऐसे में उसे मुकदमे के इस स्तर पर जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

जमानत अर्जी में कहा गया कि एसीबी ने गत 31 मार्च को गौरव व प्रार्थी अनिल कुमार को गिरफ्तार किया था। तब से आरोपी अभिरक्षा में चल रहा है। जमानत अर्जी में कहा गया कि उसने गौरव सिंह के साथ मिलकर कोई आपराधिक षडयंत्र नहीं किया है और ना ही फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कोई एनओसी जारी कराई है। इसके अलावा उसने एनओसी जारी कराने की एवज में किसी को रिश्वत भी नहीं दी है। प्रार्थी ईएचसीसी अस्पताल का कर्मचारी मात्र है। वह चिकित्सकों व उच्चाधिकारियों के निर्देश पर ऑपरेशन कराने की अनुमति के लिए सक्षम कमेटी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने का काम करता था। इसके अलावा उसका मरीजों से सीधा संपर्क भी नहीं होता है। अंग प्रत्यारोपण की हर फाइल संबंधित चिकित्सक की सिफारिश पर ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर के पास भेजी जाती है। जहां डोनर व मरीज की जांच होने के बाद फाइल अंग प्रत्यारोपण विभाग के मैनेजर को मिलती है और उसके बाद एनओसी के लिए कमेटी के समक्ष आवेदन किया जाता है।

इस प्रक्रिया में प्रार्थी का काम सिर्फ आवेदन करना और एनओसी प्राप्त करने का ही होता है। प्रकरण में उसे फंसाया गया है। इसके अलावा उसके कार्यालय से समस्त रिकॉर्ड जब्त हो चुका है। ऐसे में उसे जमानत का लाभ दिया जाए। जिसका सरकारी वकील की ओर से विरोध किया गया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है।

## 'एफ.एस.एल. रिपोर्ट देरी के कारण कई बार निर्दोष रहते हैं जेल में बंद'

**जयपुर, (का.सं.)।** राजस्थान हाईकोर्ट ने एफएसएल व डीएनए रिपोर्ट आने में देरी से जुडे मामले में गंभीर टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि रिपोर्ट देरी के चलते केसों में फैसले नहीं हो पाते। एनडीपीएस के कई मामलों में एफएसएल रिपोर्ट नेगेटिव आती है और आरोपी बरी हो जाते हैं, लेकिन इस दौरान वे कई दिनों तक जेलों में बंद रहते हैं। यह उसके संविधान के अनुच्छेद 21 का हनन है। जस्टिस समीर जैन ने यह टिप्पणी गुरुवार को एक पॉक्सो केस में एफएसएल की रिपोर्ट आए बिना ही चालान पेश होने से जुडे मामले में विनोद की जमानत अर्जी पर सुनवाई एक सप्ताह टालते हुए की।

सुनवाई के दौरान एफएसएल निदेशक अजय शर्मा भी पेश हुए। लोक अभियोजक शेरसिंह महला ने अदालत को बताया कि गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की तुलना में प्रदेश में 10 अधिकारी प्रतिदिन 35 सैंपलों की जांच कर रहे हैं, जबकि उन राज्यों में 30 अधिकारियों की जांच का औसत 20 से 30 सैंपल ही है। जिस पर कोर्ट ने कहा कि इसके बावजूद भी एफएसएल रिपोर्ट से फैसलों में देरी होती है। दरअसल पिछली सुनवाई पर अदालत ने अतिरिक्त मुख्य गृह सचिव से कहा था कि वे इस संबंध में शपथ पत्र पेश कर बताए कि एफएसएल व डीएनए रिपोर्ट आने में हो ही देरी को कैसे दूर किया जाए।

मामले से जुडे अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सवाईमाधोपुर के खंडार पुलिस थाने में अगस्त 2023 में पॉक्सो का मामला दर्ज हुआ था, लेकिन एफएसएल रिपोर्ट आए बिना ही पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चालान पेश कर दिया। वहीं अब केस की ट्रायल शुरू हो चुकी है।

## कुख्यात नकबजन को 2 हजार कि.मी. तक पीछा कर दबोचा

**जयपुर, (कासं)।** मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुख्यात नकबजन रामखिलाडी मीणा को दो हजार किलोमीटर पीछा कर पकड़ा है। जानकारी में सामने आया है कि पुलिस ने उसकी पत्नी को भी हिरासत में लिया है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पचास से अधिक नकबजनी की वारदातों को खुलासा किया है। पुलिस आरोपी से चुराए गए माल की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) दिगंत आनंद ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुख्यात नकबजन रामखिलाडी मीणा निवासी नैनवा जिला बूंदी को दो हजार किलोमीटर तक पीछा करते हुए पकडा है। आरोपित रामखिलाडी मीणा अपनी पत्नी के साथ किराए का कमरा मांगने के बहाने सूने मकानों की रैकी करता था और रात्रि में अकेला अपनी बाइक से चिन्हित मकानों में नकबजनी की वारदात करता था। आरोपित ने मुहाना, सांगानेर सदर, शिवदासपुरा, मालपुरा, सांगानेर, मालपुरा गेट इलाके में 50 से अधिक नकबजनी की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

## दाधीच और बगड़ी को सौंपा तेलंगाना व आंध्र का जिम्मा

**जयपुर।** लोकसभा चुनाव के तीसरे और चौथे चरण के चुनाव प्रचार के लिए भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों को अन्य राज्यों की कमान सौंपी गई हैं। चुनाव प्रचार के दौरान प्रदेश के नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जनसभा, रैलियों और रोड शो के समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभाओं की तैयारियों के लिए आंध्रप्रदेश में संचालन करना होगा। वहीं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच को तेलंगाना में बूथ मैनेजमेंट सहित जनसभाओं की तैयारियों का जिम्मा सौंपा गया है। इन दोनों नेताओं ने राजस्थान चुनाव के दौरान पीएम मोदी और गृहमंत्री सहित केंद्रीय नेताओं की सभाओं की तैयारियों में अहम भूमिका निभाई थी।

प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दोनों चरणों के मतदान के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच और प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी के चुनाव प्रबंधन की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा की थी।

लोकसभा के तीसरे चरण के चुनाव प्रचार के लिए पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश मंत्री मिथलेश गौतम एवं प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा आज जयपुर से उड़ीसा के लिए रवाना हो गये। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, ने बताया भाजपा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश मंत्री मिथलेश गौतम एवं प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा सांगानेर एयरपोर्ट से उड़ीसा के लिए रवाना हो गये।

## जे.डी.ए. ने अजमेर पुलिया चौराहे से सोडाला तक हटाए 125 अतिक्रमण

**जयपुर, (कासं)।** जे.डी.ए. के प्रवर्तन दस्ते ने गुरूवार को अजमेर पुलिया चौराहे से सोडाला तक करीब 4 किलोमीटर क्षेत्र में कार्रवाई कर 125 कच्चे-पक्के अतिक्रमणों को हटाया। राजभवन से 200 फीट जाने वाली रोड पर अवैध रूप से सडक पर लगाई गई थडी-ठेले, तिरपाल, होर्डिंग, साइन बोर्ड को हटाकर रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम महापुरा के खटवाड़ा झाई रोड जयश्री पेरीवाल स्कूल के पास करीब 1 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर काटी जा रही अवैध कॉलोनी को भी ध्वस्त किया है। यहां पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन और बिना भू-रूपान्तरण करवाए जमीन समतल कर रातों-रात मिट्टी-ग्रेबल की सडकें, मकानों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य निर्माण कर अवैध कॉलोनी बसाने की तैयारी थी। इस पर प्रवर्तन दस्ते ने कार्रवाई कर अवैध कॉलोनी बसाने का प्रयास विफल किया।

## भाजपा युवा मोर्चा का "एक परिंडा मेरा भी" अभियान आज से

**जयपुर।** भाजपा युवा मोर्चा की ओर से गर्मी के मौसम में पशु-पक्षियों के पानी की व्यवस्था के लिए "एक परिंडा मेरा भी" अभियान का आगाज 3 मई से किया जाएगा। भाजपा युवा मोर्चा की ओर से अभियान के तहत प्रदेश भर में 1 लाख परिंड़े और 1 हजार पानी की टंकी लगाई जाएगी। पशु-पक्षियों के लिए परिंड़े लगाने के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से इनमें पानी डालने तक की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

चेची ने बताया कि ग्रीष्म काल प्रारंभ होने से गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए पानी पीने हेतु युवा मोर्चा के कार्यकर्ता संपूर्ण राजस्थान में 1 लाख से अधिक परिंडे लगाएंगे। 3 मई को राजधानी जयपुर से पक्षियों के लिए परिंड़े लगाकर "एक परिंडा मेरा भी" अभियान की शुरूआत की जाएगी। 17 मई तक चलने वाले इस अभियान में गैर सामाजिक संस्थाओं (एनजीओ) सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं, धार्मिक स्थलों की समितियों, इनफ्लुएंसरो के व्यक्तियों को जोड़ कर उनको भी जिम्मेदारी दी जाएगी।

## दोषी विधानसभा कर्मी को किया निलम्बित

**जयपुर।** विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा जैसी उच्च गरिमामय संस्था के प्रतिकूल आचरण विहिन कृत्य करने पर प्रारम्भिक जांच में दोषी पाये गये, विधानसभा सचिवालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नितिन शर्मा को निलम्बित किया है। उल्लेखनीय है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शर्मा पर विधानसभा व अन्य भर्ती एजेन्सियों में नौकरी लगाने के नाम से रेखा शर्मा, अमित कुमार मीणा व कई अन्य व्यक्तियों से लाखों रुपये की राशि बेईमानी पूर्ण आशय से हड़पने के मामले में पुलिस थाना सांगानेर तथा कोटपूतली में फौजदारी प्रकरण का अन्वेषण लम्बित होने के तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए निलम्बित किया गया है।

देवनानी ने इस मामले को गम्भीरता से लिया। देवनानी की जानकारी में आने के बाद विधानसभा ने इस मामले की प्रारम्भिक जांच कराई।

## 'इथियोपिया में 600 दिव्यांगों को जयपुर फुट उपलब्ध कराएंगे'

**जयपुर, (का.सं.)।** अफ्रीकी देश इथियोपिया के प्रमुख शहर समेरा में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयासेग से इथियोपियाई विकलांगों के पुनर्वास के लिये जयपुर फुट का शिविर आरंभ हुआ। इस शिविर में 600 द्विव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम पैर, जयपुर फुट उपलब्ध कराए जाएंगे।

भारत सरकार और भगवान महावीरा विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के आयोजन में विदेश मंत्रालय के "इंण्यिाज फॉर ह्यूमैनिटीज" कार्यक्रम के अन्तर्गत यह 50 दिवसीय शिविर आयोजित किया गया हैं। इस शिविर के लिये बी.एम.वी.एस.एस.के कार्यकारी अध्यक्ष और विदेश मामलों के निदेशक के सतीश मेहता के नेतृत्व में इथियोपिया एक दल गया हुआ है।

समेरा विश्वविद्यालय अस्पताल में इस विशेष शिविर के आयोजन के उद्घाटन समारोह में हमें इथियोपिया भारत के राजदूत भारत के राजदूत अनिलराय ने कहा कि इथियोपिया और भारत के बीच मित्रता को यह शिविर और मजबूत बनाएगा। राय ने कहा कि पूर्व में संस्था ने वर्ष 2019 में इथियोपिया की राजधानी अदिसअबाबा में इसी प्रकार के शिविर का आयोजन किया था, जिसमें 638 विकलांगों को लाभांवित किया गया।

दलनायक सतीश मेहता ने बताया कि पूर्व में 2016 में टिगरे क्षेत्र के मैकेल शहर में आयोजित शिविर में 400 लाभार्थी रहे। वर्ष 2017 में हरमाया विश्वविद्यालय में आयोजित शिविर में 377 विकलांगों को कृत्रिम पैर जयपुर फुट लगाया गया। इन शिविरों के आयोजन में भारत की एक कंपनी जे.एम.सी.ने सहयोग दिया। अब तक इथियोपिया में 1258 विकलांगों को लाभांवित किया जा चुका है।

उद्घाटन समारोह में हमे राजदूत अनिलराय ने कहा कि "इण्डिया फॉर ह्यूमैनिटीज" कार्यक्रम जो विदेश मंत्रालय ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंजी के अवसर पर आरंभ किया गया था, बहुत सफल सिद्ध हो रहा है।

इस अवसर पर मेरा विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डी.आर.मुहम्मदउसमान, इथियोपिया के महिला और समाज कल्याण विभाग के प्रतिनिधि एम.आर.असालीफीवअमेदीन आदि ने जयपुर फुट की निर्माण विधि का अवलोकन किया।

## सहकारी सोसायटी में 11 बजे सुनवाई

**जयपुर, (का.सं.)।** सहकारिता विभाग द्वारा सहकारी सोसायटी में अपील निगरानी के प्रकरणों की सुनवाई सुबह 11 बजे से होगी। राज्य सरकार द्वारा आदेश जारी कर राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम-2001 की धारा 104 एवं 107 के तहत दर्ज अपील व निगरानी के प्रकरणों की सुनवाई का समय 30 जून तक प्रातः 11 बजे कर दिया गया है।

## दो साल की बच्ची को जीप ने कुचला

**जयपुर।** दौलतपुरा थाना इलाके में घर के बाहर खेल रही दो साल की बच्ची को जीप ने टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। हिट एण्ड रन मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जीप और उसके ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि हादसे में गांव भूरथल दौलतपुरा निवासी काव्या सैनी (2) पुत्री किशोर सैनी की मौत हो गई। सोमवार सुबह करीब 8 बजे वह घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार जीप ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद ड्राइवर जीप को तेजी से दौड़ा ले गया। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोग जमा हो गए और घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

## सूने फ्लैट से नकदी और जेवरात चोरी

- रिटायर्ड फौजी के टोकने पर बदमाश हमला कर फरार हो गए

**जयपुर।** श्यानगर इलाके में बाइक पर आए तीन नकाबपोश बदमाश गुरुवार को दिन-दहाड़े दो सूने फ्लैट के ताले तोड़कर बदमाश लाखों रुपए के गहने-नकदी चोरी कर ले गए। अपार्टमेंट में रहने वाले रिटायर्ड फौजी के टोकने पर बदमाश हमला कर भाग निकले। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि चोरी की वारदात लक्ष्मण कॉलोनी श्याम नगर स्थित अपार्टमेंट में हुई। सुबह करीब 6:45 बजे बाइक पर आए नकाबपोश बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। अपार्टमेंट के फर्स्ट फ्लोर पर रहने वाले पद्माकर शर्मा और शिवानी शर्मा के फ्लैट को बदमाशों ने चोरी के लिए निशाना बनाया। दोनों ही परिवार किसी काम से फ्लैट लॉक कर बाहर गए हुए थे। दोनों सूने फ्लैट्स के लॉक तोड़कर बदमाश अंदर घुसे। महज 15 मिनट में लाखों रुपए के गहने और कैश चोरी कर ले गए। सीढ़ियों से नीचे उतरते समय अपार्टमेंट में रहने वाले रिटायर्ड फौजी पर्वत सिंह ने अजनबी लड़कों को टोका। पर्वत सिंह पर हमला कर बदमाश बाइक लेकर भाग निकले। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सूबत जुटाए। अपार्टमेंट के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए बाइक सवार बदमाशों की पुलिस तलाश कर रही है। श्याम नगर इलाके में चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी की जानकारी मिलने पर सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा गुरुवार को थाने पहुंचे और पुलिस अधिकारियों को लगाम लगाने और जल्द खुलासा करने के लिए निर्देशित किया। विधायक ने सिविल लाइंस क्षेत्र के वार्ड 50 की लक्ष्मण कॉलोनी में चोरी की घटनाओं को लेकर श्याम नगर एसएचओ से मुलाकात की।

# छह ट्रैक्टर-ट्रॉली, एक जेसीबी और दो डम्पर जब्त किये

## खनिज विभाग की अवैध खनन पर कार्रवाई की

**मांडलगढ़,** (निसं)। मांडलगढ़ क्षेत्र में जिला प्रशासन के निर्देश पर अवैध खनन और निर्गमन पर चलाए गए अभियान की शुरुआत में गुरुवार को खनिज विभाग और प्रशासन ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में बजरी भरे 6 ट्रैक्टर ट्रॉली, एक जेसीबी मशीन और 2 डम्पर जब्त किए हैं। अभियान के तहत

- प्रशासन की कार्रवाई से खनन माफिया में मचा हड़कम्प
- छह ट्रैक्टर चालकों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज हुआ

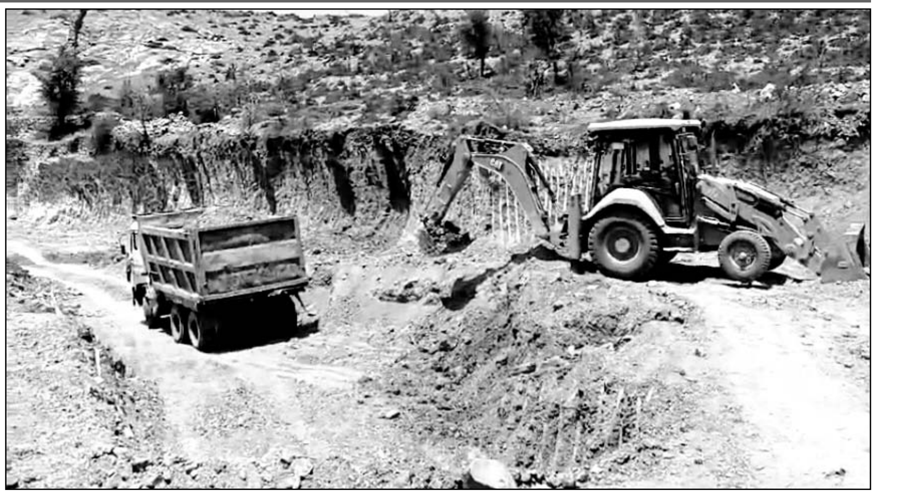

मांडलगढ़ क्षेत्र में मिट्टी ग्रेवल का अवैध खनन एवं निर्गमन करते जेसीबी व डम्पर को जब्त किया।

हुई कार्रवाई से खनन माफिया में हड़कम्प मच गया।

मांडलगढ़ तहसीलदार ललित डिडवानिया और बिजौलियां खनिज विभाग फोरमैन गिरिराज मीना की टीम ने सिंगोली चारभुजा के पास मिट्टी का अवैध खनन और निर्गमन करने के मामले में 1 जेसीबी, 2 डम्पर जब्त कर मांडलगढ़ थाना पुलिस को सुपुर्द किया है। खनिज विभाग जब्त वाहन मालिक से जुर्माना वसूली की कार्रवाई करेगा। खनिज विभाग टीम ने बडलियास थाना क्षेत्र में बनास नदी से अवैध बजरी खनन कर लेजाते 6 ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाने को सुपुर्द किया है। ट्रेक्टर चालकों के विरुद्ध अवैध बजरी खनन ओर परिवहन का मामला बडलियास थाने में दर्ज कराया है।

## 'ड्राइवरों को दी जायेगी निःशुल्क ट्रेनिंग'

**बिजयनगर,** (निसं)। समीप ग्राम सिंगावल के एन.एच 48 पर स्थित देश का पहले रीजनल ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर पर हेवी ड्राइविंग लाइसेंस धारक वाहन चालकों के लिए नि:शुल्क एक दिवसीय ड्राइवर रिफ्रेशर ट्रेनिंग कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम मुख्यत: हेवी लाइसेंस धारक वाहन चालकों के लिए है।

संस्थान की निदेशक ऋतु चौहान ने बताया कि देश में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतो को कम करने के लिए देश में कुशल ड्राइवर तैयार करने के लिए भारत सरकार की योजना के तहत पीपीपी मोड़ पर निर्मित रीजनल ड्राइविंग ट्रेनिंग सेन्टर सिंगावल पर डी बी स्किल, स्किल इंडिया और श्रीराम फाइनेन्स सेवा संकल्प के संयुक्त तत्वावधान में वाहन चालक कौशल विकास संस्थान , सिंगावल द्वारा नि:शुल्क एक दिवसीय ड्राइवर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन 30 लोगो का बैच बनाकर लगभग 10 हज़ार हेवी ड्राइविंग लाइसेंस धारक वाहन चालकों को एक वर्ष में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान ड्राइवर को नवीन वाहन टेक्नोलॉजी, सड़क सुरक्षा नियम, विनिमयों एवं मानकों की ट्रेनिंग देने के साथ साथ उनके स्वास्थ्य और आँखों की जाँच की जाएगी उसके पश्चात स्किल इंडिया असेसमेंट द्वारा जारी सर्टिफिकेट देकर एक हज़ार रुपये क़ीमत का ड्राइवर किट (केप,टी-शर्ट,बैग और ब्लेंकेट) नि:शुल्क दिया जाएगा।

# चोरी प्रकरण में सामान बरामद, एक नकबजन गिरफ्तार

सुने मकान में चोरी की वारदात करने वाले एक आरोपी को किया गिरफ्तार।

**ब्यावर,** (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व वृत्ताधिकारी के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी साकेत नगर थानाधिकारी सुरेश चौधरी द्वारा कार्यवाही करते हुये रात्रि को सुने मकान में चोरी की वारदात करने वाले एक आरोपी को किया गिरफ्तार।

गौरतलब है की 12 अप्रेल को दुर्गावास निवासी हरिप्रकाश राव ने साकेत नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज़ करवाई थी। उन्होंने बताया की मेरा भाई वेदप्रकाश बाहर रहता है जिसके मकान पर अज्ञात चोरो ने घर में घुसकर चोरी की। जिस पर संज्ञान लेते हुए थानाधिकारी सुरेश चौधरी मय टीम द्वारा पूर्व में चोरी व नकबजनी के अपराधो मे चालान शुदा अपराधियों से पुछताछ की गई। इसी दौराने मुखबीर की सूचना पर दुर्गावास निवासी शैतान सिंह पुत्र त्रिलोक सिंह से गहनता से पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा अपने साथी के साथ मिलकर 10 अप्रेल की रात्रि में वेदप्रकाश के घर मे घुसकर चोरी करना स्वीकार किया जिनसे चोरी किया गया समस्त माल बरामद किया गया जबकि दुसरे आरोपी की तलाश की जा रही है। थानाधिकारी सुरेश चौधरी की टीम में हैड कांस्टेबल तेजपाल कांस्टेबल अनिल, वेदप्रकाश, रामचन्द्र, राजेन्द्र आदि थे।

# उधार लिये रुपये देने गये युवक से मारपीट की

**भीलवाड़ा,** (निसं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में ब्याज माफियाओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गत दिनों ब्याज माफिया डेविड की शहर में पुलिस द्वारा बिंदोली निकले जाने के बाद भी माफियाओं के हौसले पुलिस पस्त नहीं कर पा रही है। दो माह पहले बिना ब्याज उधार लिये 20 हजार रुपये चुकता करने गये वसीम अकरम से राहुल खटीक नामक युवक ने न केवल 1.20 लाख रुपये की मांग की, बल्कि उक्त युवक के साथ मारपीट कर उसे पिस्टल दिखाई और जान से मारने की भी धमकी दी। इन आरोपों के तहत पीड़ित ने आरोपित के खिलाफ कोतवाली में केस दर्ज करवाया है।

कोतवाली पुलिस के अनुसार, शास्त्रीनगर के वसीम अकरम पुत्र लियाकत अली ने दो माह पहले शारदा चौराहा निवासी राहुल खटीक से राशि 20 हजार रुपयें उधार लिये थे। दोनों के बीच दो माह में राशि लौटाना तय हुआ। वसीम का आरोप है कि वह 30 अप्रैल को यह राशि लौटाने राहुल खटीक के पास गया तो उसने मारपीट कर 1 लाख 20 हजार रुपये रुपये की मांग की।

वसीम ने उससे कहा कि उनके बीच ब्याज की कोई बात तय नहीं हुई थी, न ही कोई एग्रीमेंट हुआ। वसीम ने राहुल से कहा कि वह उधार ली गई राशि उसे लौटा सकता है, ज्यादा राशि देने की उसकी आर्थिक स्थिति नहीं है। आरोप है कि राहुल ने वसीम को जान से मारने की धमकी दी और पिस्टल दिखाकर परिवार और उसे मारने की धमकी भी दी।

## बाइक सवार युवक की मौत

**मदनगंज-किशनगढ़,** (निसं)। किशनगढ़ सिटी थाना अंतर्गत जयपुर रोड स्थित तोलामाल के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक गांव चूरली निवासी तीस वर्षीय जीतू जाट है। पुलिस में दुर्घटना का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## शिविर 15 मई से

**उदयपुर,** (कासं)। भारतीय लोक कला मण्डल में 15 मई से एक माह तक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। मानद सचिव सत्य प्रकाश गौड ने बताया कि प्रति वर्ष आयोजित किये जाने वाले ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षिण शिविर का आयोजन 15 मई से आयोजित हो रहा है।

# नीम हकीम, झोलाछाप, अवैध चिकित्सकों की अब खैर नहीं

## चिकित्सा विभाग 15 मई तक अभियान चलाकर करेगा कार्यवाही

**भीलवाड़ा,** (निसं)। जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में जिले में नीम हकीम, झोलाछाप, अवैध चिकित्सको के द्वारा गांवों में आम जन को गुमराह कर जीवन से खिलवाड करने वाले अवैध चिकित्सकों के खिलाफ गलत ईलाज करने की प्राप्त शिकायतों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के उदेश्य से चिकित्सा विभाग की गठित टीम द्वारा अभियान चलाकर 15 मई तक नीम हकीम, झोलाछाप, अवैध चिकित्सको के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 चेतेन्द्र पुरी गोस्वामी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आमजन के जीवन से खिलवाड़ करने वाले नीम हकीम, झोलाछाप, अवैध चिकित्सकों के खिलाफ शिकायत प्राप्त होने पर इनके खिलाफ कार्यवाही कर एफआईआर दर्ज की जाएगी साथ ही बिना पंजीकरण के चिकित्सा अभ्यास करते पाये जाने पर संबंधित क्षेत्र के पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की जायेगी तथा ड्रग एण्ड कॉस्मेटिक एक्ट के तहत नशीली दवाईयो के अनाधिकृत विक्रय एवं स्टॉक पाये जाने पर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री के सामान के तहत स्टॉक जब्त कर औषधि नियंत्रण अधिकारी नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करेगे। साथ ही इसी अधिनियम के तहत नीम हकीमों को अनाधिकृत रूप से औषधि की सप्लाई करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध भी कार्यवाही की जायेगी।

सीएमएचओ डॉ. गोस्वामी ने बताया कि वे व्यक्ति जो भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम 1956 के तहत योग्यताधारी एवं इंडियन/ राजस्थान में मेडिकल कौन्सिल से पंजीकृत है, आधुनिक चिकित्सा पद्धित के तहत चिकित्सा अभ्यास हेतु अधिकृत माने जायेगे। वे व्यक्ति जो भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद अधिनियम 1970 के तहत पंजीकृत है, आयुर्वेद चिकित्सा पद्धित के तहत चिकित्सा अभ्यास हेतु अधिकृत माने जायेगे। एलोपैथिक औषधियों का स्टॉक केवल वह व्यक्ति/फर्म ही कर सकते है, जो इंडियन/राजस्थान में मेडिकल कौन्सिल (आई.एन.सी.ए.) से पंजीकृत हो अथवा जिनके पास औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम 1945 के तहत वैद्य अनुज्ञा पत्र हो।

जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देश पर जिले में आमजन के सेहत की सुरक्षा के लिए संचालित शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अन्तर्गत गर्मी के मौसम में खाद्य पदार्थो कोल्डड्रिक, आईसक्रीम, शर्बत, ठंडाई, बेकरी व अन्य खाद्य उत्पादों के निरीक्षण पर सघन चेकिंग एवं नमूनीकरण हेतु जिले में 4 जून 2024 तक अभियान चलाकर कार्यवाही करने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी को निर्देश दिये गये है। इस हेतु खाद्य सुरक्षा अधिकारी आवंटित उपखण्ड अनुसार नमूनों में पेस्टीसाइड्स, एवं कृत्रिम रंग इत्यादि हानिकारक रासायनिक पदार्थो की जांच कर कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। ताकि आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा की जा सके।इसके साथ ही हानिकारक रासायनिक पदार्थों की जांच करवाते हुए संस्थान की हाइजनिक एवं सेनिटेरेशन तथा खाद्य अनुज्ञा पत्र की अपेक्षित पालना सुनिश्चित की जायेगी। इसके लिए मोबाईल फूड टेस्टिंग लैब को खाद्य सुरक्षा अभियान निष्पादित करने के लिये प्रयोग में लिया जाये एवं जिले के विभिन्न उपखण्डों में सर्विलेन्स, सैम्पलिंग, उपभोक्ता संघो में खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, सर्विलेन्स नमूने को पास की खाद्य प्रयोगशाला में कोल्ड चैन का साधन उपलब्ध करवाते हुए पहुँचाने का कार्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सुनिश्चित की जाये।

# चलते केमिकल टैंकर में लगी आग, हादसा टला

## टैंकर चालक ने भागकर जान बचाई, पुलिस को सूचना दी

**भीलवाड़ा,** (निसं)। जिले के मांडल क्षेत्र के नानकपुरा चौकी क्षेत्र में बीती रात अज्ञात कारणों के चलते नेशनल हाईवे पर बने ओवरब्रिज से गुजर रहे एक केमिकल भरे टैंकर में आग लग गई। चलते टैंकर में एकाएक भभकी आग देख टैंकर चालक सहम गया।

कुछ ही देर में चालक ने सूझबूझ से काम लेते हुए ओवरब्रिज पर ही टैंकर को खड़ा करते हुए पास में स्थित पुलिस चौकी पर पहुंचा और आग की जानकारी देते हुए शीघ्र अग्निशमन दमकल को बुलाने की बात कही। चौकी पर मौजूद कांस्टेबल देवेंद्र कुमार ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र अग्निशमन दमकल को सूचित कर मौके बुलाया।

साथ ही यातायात को एकतरफा करवाते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास किया। करीब डेढ़ घंटे की मदद से आग पर काबू पाया। किंतु तब तक केमिकल टैंकर पूरी तरह जल चुका था। आग पर काबू पाने के बाद आवागमन सुचारू कर दिया गया। वहीं पुलिस ने बताया कि चालक से मिली जानकारी के अनुसार यह केमिकल सिलवासा से जयपुर के लिए जाया जा रहा था।

मांडल क्षेत्र के नानकपुरा चौकी क्षेत्र में केमिकल भरे टैंकर में आग लग गई।

## जिला कलक्टर ने किया निरीक्षण

**नागौर,** (निसं) जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीबालाजी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में ओपीडी, आईपीडी व बायोमेट्रिक मशीन से उपस्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया। जिला कलक्टर पुरोहित ने दवा वितरण कक्ष की जांच करते हुए केंद्र में दवाईयों की उपलब्धता के बारे में जानकारी लेते स्टॉक को व्यवस्थित रखने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने चिकित्सक कक्ष, टीकाकरण कक्ष, स्टोर रुम सहित केंद्र के अन्य कक्षों का निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान केंद्र में उन्होंने बैड शीटों की नियमिति धुलाई व समय पर बदलने के निर्देश दिए। कलक्टर पुरोहित ने प्रभारी चिकित्सक से भीषण गर्मी व हीटवेव से बचने की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस पर प्रभारी ने बताया कि आइस बॉक्स, ओआरएस आदि मौजूद है । इस दौरान उन्होंने मरीजों से बात करते हुए स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों व कार्मिकों की सेवाओं तथा केंद्र में मिलने वाली दवाइयों के बारे में जानकारी ली।

# 46 विद्यार्थियों को चश्मा वितरण

विद्यार्थियों को चश्मे वितरित करते।

**बिजयनगर,** (निसं)। भारत विकास परिषद मुख्य शाखा के तत्व ज्ञान में महेश पब्लिक स्कूल मेंअध्यनरत विद्यार्थियों का नेत्र परिक्षण करवाया गया । नेत्र परीक्षणके दौरान 46 विद्यार्थियों के नजरे कमजोर पाई गई उन्हे कोगटा फाऊंडेशन जयपुर के सहयोग से चश्मे बनवा कर गुरुवार को विद्यालय परिसर में वितरण किये गए।

इस अवसर पर रतनलाल नाहर प्रान्तीय संरक्षक,दिनेश कोगटा पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष,एस एन जोशी शाखा अध्यक्ष,विमल भंसाली वित्त सचिव ,अरविन्द पंचौली, गंगाधर काठेड,ज्ञानचन्द नाहर,राजेश सांगला, ,लक्ष्मण लाल शर्मा, कोगटा फाउंडेशन जयपुर ट्रस्टी बालमुकुंद कोगटा महावीर टेलर ,युनुश खान स्कूल स्टाफ से अनामिका जाँगिड प्रिसीपल ,दीपा सिंह,रूही अगस्ती,कृतिका रांका,केशव गोस्वामी,उपस्थित रहे।कार्याक्रम का संचालन सचिव बृजेश बाल्दी ने किया। शाखा अध्यक्ष एस एन जोशी एव विद्यालय परिवार द्वारा कोगटा फाउंडेशन जयपुर के ट्रस्टी बालमुकुंद कोगटा का सामाजिक सरोकारों से जुड़े सेवा कार्य के लिएआभार ज्ञापित किया।

# पुष्कर पालिका को 60 बीघा जमीन पर मिला स्थगन आदेश

**पुष्कर,** (निसं)। पुष्कर नगर पालिका की खरेकड़ी रोड स्थित करीब 60 बीघा जमीन पर मिला न्यायालय का स्टे,, अजमेर कलक्टर ने 1971 खातेदारों के अलॉटमेंट हुई करीब 60 बीघा जमीन पुन: खातेदारों के नाम चढ़ाने की आदेश दिये ,जिस पर पुष्कर नगर पालिका ने उच्च न्यायालय में अपील कर उक्त 60 बीघा जमीन पर स्टे लिया है। पुष्कर नगर पालिका को यह 60 बीघा जमीन नियमानुसार लाखो रु की राशि राजस्व विभाग में जमा कराने के बाद सन 2012 में मिली थी।

खातेदारों ने ऊक्त मामले को लेकर अजमेर कलक्टर के समक्ष अपील की जिस पर कलेक्टर ने पुष्कर नगर पालिका के खिलाफ फैसला दिया था पुष्कर नगर पालिका ने के मामले को लेकर उच्च न्यायालय में अपील की जिस पर उच्च न्यायालय ने मामले को लेकर स्थगन आदेश दिया है। गौरतलब है कि पुष्कर के खरेकड़ी रोड स्थित पांच खातेदारों को 1971 में अलॉटमेंट नियमों के अनुसार पांच खातेदारों को 12- बाहरा कुल 60 बीघा जमीन अलॉटमेंट हुई थी । यह अलॉटमेंट नियम अनुसार खारिज हो गया था उक्त खसरा नंबर 408 की 60 बीघा 2012 में पुष्कर नगर पालिका के नाम दर्ज हो गई थी और पुष्कर नगर पालिका ने नियमों अनुसार लाखों रूपए राजस्व विभाग में जमा भी करा दिए थे।

उक्त मामले को लेकर पांचो खातेदार अजमेर कलेक्टर के समक्ष एक अपील दायर कर उन्हें अपनी जमीन नाम करने के लिए अपील की थी जिस पर कलेक्टर ने नगर पालिका पुष्कर के खिलाफ फैसला दिया और खातेदारों के पक्ष में फैसला दिया उक्त मामले की जानकारी मिलती पुष्कर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी बीएल मीणा ने उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए पुष्कर नगर पालिका की 60 बीघा जमीन को बचाने के लिए उच्च न्यायालय में अपील की जिस पर उच्च न्यायालय ने नगर पालिका के पक्ष में उक्त मामले में स्टे दिया है वही नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी बीएल मीणा ने बताया कि पुष्कर नगर पालिका प्रशासन रोड स्थित 60 बीघा जमीन को बचाने के लिए उच्च न्यायालय अपील की है जिस पर न्यायालय ने स्टे दिया है नगर पालिका प्रशासन उक्त मामले में गंभीर है और मजबूती से जमीन को बचाने के लिए न्यायालय में पैरवी करेगी ।

## संयुक्त टीम ने किया कियोस्क का निरीक्षण

**मकराना,** (निसं)। कलेक्टर डीडवाना कुचामन के आदेशानुसार मकराना उपखंड अधिकारी सुनील कुमार, सहायक प्रोग्रामर कुलदीप सिंह राठौड़ व ओम चौधरी की संयुक्त टीम ने ई मित्रों का निरीक्षण किया।

इस दौरान टीम ने ई-मित्रों कियोस्कों पर जाकर राजस्थान सरकार द्वारा निर्धारित रेट लिस्ट, को ब्रांडेड बैनर, शिकायत / सुझाव पुस्तिका, निरीक्षण पुस्तिका और ई मित्र धारक द्वारा आमजन से सेवाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा निर्धारित राशि वसूली आदि की जांच करते हुए जानकारी ली।टीम द्वारा करीब 10 से अधिक ई मित्र कियोस्क का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान कई जगह अनियमितता या खामियां मिलने पर जुर्माना लगाने की कार्रवाई कर सुधार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में जांच टीम को 1 ई मित्र पर आमजन से सेवाओं के बदले राज्य सरकार द्वारा निर्धारित राशि से अधिक राशि वसूली पाए जाने पर ई-मित्र धारक पर 5 हजार रुपए की पेनल्टी लगाई गई वही 1 मित्र पर रेट लिस्ट नहीं पाए जाने पर ऑनलाइन पेनल्टी लगाई।

# नारायण गुर्जर हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

## भाजपा नेताओं के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन कर कलेक्टर और एसपी को ज्ञापन सौंपा

मांगों को लेकर भाजपा नेताओं के नेतृत्व में गुर्जर समाज के सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया।

- युवक नारायण गुर्जर मांडल थाना क्षेत्र में खून सनी हालत में मिला था, जिसकी मौत हो गई थी

**भीलवाड़ा,** (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में गत दिनों आपसी रंजिश के चलते हुए नारायण गुर्जर हत्याकांड के मामले में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की मांग सहित तीन सूत्रीय मांगों को लेकर भाजपा नेताओं के नेतृत्व में समाज के सैकड़ों लोगों ने कलेक्ट्री पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर और एसपी को ज्ञापन सौंपा।

पूर्व मंत्री भाजपा के वरिष्ठ नेता कालूलाल गुर्जर ने बताया कि गुर्जर समाज के युवक नारायण पिता भेरूलाल गुर्जर निवासी कोलीखेड़ा गत दिनों मांडल थाना क्षेत्र में खून सनी हालत में मिला था। गंभीर हालत में हॉस्पिटल ले जाते समय नारायण ने अपने भाई श्यामलाल को बताया था कि मदन सिंह पिता तख्त सिंह निवासी देवरिया और राकेश सुथार निवासी मांडल व अन्य लोगों के द्वारा चाकूओं से कई जगह हमला कर उसे अधमरी हालत में रेलवे फाटक के पास छोड़कर फरार हो गए। हॉस्पिटल ले जाने के दौरान रास्ते में ही नारायण ने दम तोड़ दिया था। मामले में मुकदमा दर्ज करवाने के बावजूद अब तक 10 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की है, जिसे लेकर गुर्जर समाज के भारी रोष है।

समाज के लोगों ने कलेक्ट्री के बाहर प्रदर्शन कर मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी, एसआईटी बनाकर मामले की गहनता से जांच और उक्त मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चला कर दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में आठ मई तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर कलेक्ट्री का घेराव और उग्र आंदोलन की भी चेतावनी दी गई है। ज्ञापन देने वालों में गुर्जर महासभा के रामप्रसाद धाबाई, भाजपा नेता धनराज गुर्जर, श्याम लाल गुर्जर, रितेश गुर्जर आदि मौजूद थे।

मुझे तेज गेंदबाजी आक्रमण पसंद नहीं आया। जसप्रीत बुमराह के अलावा, यह उतना अच्छा नहीं है। मुझे लगता है कि भारत तेज गेंदबाज के मामले में कमजोर हो रहा है।'' प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। - मदनलाल

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय गेंदबाजी के बारे में बोलते हुए।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी** रुतुराज गायकवाड़

आईपीएल के सीजन 17 में ऑरेंज कैप अभी तक विराट कोहली के नाम थी लेकिन अब ये कैप चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सिर पर सज गई है। फिलहाल अभी तक ये है कि ये ऑरेंज कैप किसी भारतीय के सिर पर ही सजी है ना कि किसी विदेशी खिलाड़ी। वहीं पर्पल कैप अभी भी जसप्रीत बुमराह के पास है। उसे उनसे छीनने में हर कोई पीछे है। आईपीएल 2024 ऑरेंज कैप अब रुतुराज गायकवाड़ के सिर पर है। विराट कोहली लंबे समय से इस कैप को अपने सिर पर सजाए हुए थे, लेकिन रुतुराज गायकवाड़ ने बुधवार को एक और अर्धशतकी जड़ा।

**क्या आप जानते हैं ?...** एकदिवसीय मैच में पहला शतक 1972 में इंग्लैंड के डेनिस एमिस ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध ओल्ड ट्रेफर्ड में बनाया था (134 गेंदों पर 103 रन)।

# हैदराबाद ने राजस्थान को एक रन से हराया

## भुवनेश्वर ने आखिरी ओवर में 13 रन डिफेंड किए, 3 विकेट भी लिये

हैदराबाद, 2 मई। इंडियन प्रीमियर लीग में गुरुवार के रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हरा दिया। टीम के भुवनेश्वर कुमार ने आखिरी ओवर में रोवमन पॉवेल और रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ 13 रन डिफेंड किए। हैदराबाद से भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट लिए। पैट कमिंस और थंगारसु नटराजन ने 2-2 विकेट लिए। राजस्थान से रियान पराग ने 77 और यशस्वी जायसवाल ने 67 रन बनाए। हैदराबाद ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाए। राजस्थान 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 200 रन ही बना सकी। नितीश कुमार रेड्डी नाबाद (76) और ट्रैविस हेड (58) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 50वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 202 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करनी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पांचवें ओवर में अभिषेक शर्मा (12) का विकेट गवां दिया। इसके बाद अगले ही ओवर में अनमोलप्रीत सिंह (5) रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

ऐसे संकट के समय नितीश कुमार रेड्डी ने ट्रैविड हेड के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए (96) रन जोड़े। ट्रैविस हेड ने 44 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुए (58) रन बनाये। वहीं नितीश कुमार रेड्डी ने 42 गेंदों में तीन चौके और आठ छक्के लगाते हुए नाबाद (76) रनों की पारी खेली। हाइनरिक क्लासन 19 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए (42) रन बनाये। हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवर में तीन विकेट पर 201 रनों का स्कोर खड़ा किया। राजस्थान की ओर से आवेश खान ने दो विकेट लिये। संदीप शर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

# भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को तीसरे टी-20 में हराया

## 3-0 से सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

सिलहट, 2 मई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम को तीसरे टी20 मैच में 7 विकेट से रौंद दिया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सिलहट में खेले गए मैच में मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 117 रन ही बनाए। जिसके जवाब में भारत ने शेफाली वर्मा (51) और स्मृति मंधाना (47) की पारियों की बदौलत 19वें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

बता दें कि, बांग्लादेश के 118 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शेफाली (51 रन, 38 गेंद, आठ चौके) के अर्धशतक और स्मृति मंधाना (47 रन, 42 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) के साथ उनकी पहले विकेट 91 रन की साझेदारी की। इस साल टी20 महिला विश्व कप बांग्लादेश में ही होना है और इसलिए भारतीय टीम का यह प्रदर्शन काफी अहम है। वहीं बांग्लादेश की टीम इससे पहले सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर (25 गेंद में 39 रन) और कप्तान निगार सुल्ताना (28) की उम्दा पारियों के बावजूद 20 ओवर में आठ विकेट पर 117 रन ही बना सकी।

भारत की ओर से राधा यादव ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर और श्रेयंका पाटिल को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को शेफाली और स्मृति ने तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 59 रन जोड़े। स्मृति ने मारूफा अख्तर जबकि शेफाली ने फारिहा त्रिशना पर चौके से खाता खोला। शेफाली ने शोरिफा खातून का स्वागत तीन चौकों के साथ किया जबकि नाहिदा अख्तर पर भी लगातार तीन चौके मारे। शेफाली ने फाहिमा खातून की गेंद पर एक रन के साथ नौवां अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में रितु मोनी को उन्हीं की गेंद पर कैच दे बैठीं। स्मृति ने राबेया पर पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन नाहिदा की गेंद पर फाहिमा के हाथों लपकी गई।

## सलीम टेटे बनी भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान

नई दिल्ली, 2 मई। भारतीय महिला हॉकी टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। दरअसल मिडफील्डर सलीमा टेटे को सविता पूनिया की जगह टीम की कमान सौंपी गई है। बता दें कि, इस महीने के आखिर में होने वाले एचआईएच प्रो लीग के बेल्जियम और

इंग्लैंड चरण के लिए भारत की 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। जबकि नवनीत कौर को उपकप्तान चुना गया है। वहीं सलीमा ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञिप्त में कहा कि, मुझे खुशी है कि टीम की कप्तानी दी गई है। यह बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। हमारे पास मजबूत टीम है जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं। साथ ही उन्होंने कहा, ''एफआईएच प्रो लीग के आगामी बेल्जियम और इंग्लैंड चरण में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हमें अपनी कमजोरियों से पार पाना है।''

## खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई की कोलकाता से भिड़ंत, प्लेऑफ की राह मुश्किल

मुंबई, 2 मई। खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स अपनी कमजोरियों से पार पाने के इरादे से उतरेगी। नौ मैचों में छह जीत के बाद 12 अंक लेकर केकेआर तालिका में दूसरे स्थान पर है और प्लेआफ में उसकी जगह लगभग पक्की लग रही है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम को हालांकि हर विभाग में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके किसी तरह की कोताही से बचना होगा। केकेआर ने पिछले छह में से तीन मैच गंवाये हैं और पंजाब किंग्स ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके उसे हराया लेकिन फिर केकेआर ने वापसी करके दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से मात दी। बल्लेबाजी में अति आक्रामक रवैये का केकेआर को फायदा मिला है लेकिन गेंदबाजी में सुधार की गुंजाइश है। मिचेल स्टार्क प्रति ओवर 12 की दर से रन लुटा रहे हैं और उन्हें सात ही विकेट मिले हैं। बल्लेबाजों की मददगार पिचों पर आस्ट्रेलिया का यह तेज गेंदबाज कोई कमाल नहीं कर पा रहा। हर्षित राणा ने सर्वाधिक 11 विकेट लिये हैं लेकिन दिल्ली के अभिषेक पोरेल के विकेट पर अति आक्रामक जश्न मनाने के कारण उन पर एक मैच का प्रतिबंध लगा है। वैभव अरोड़ा ने पांच मैचों में नौ विकेट लिये हैं।

वानखेड़े स्टेडियम बल्लेबाजों की मददगार पिच के लिये मशहूर है और इस पर 200 से अधिक का स्कोर बनना तय है। ऐसे में नजरें रिंकू सिंह पर भी होंगी जिन्हें टी20 विश्व कप के लिये भारत की मुख्य टीम में जगह नहीं मिलने से काफी बहस हो रही है। उन्हें इस साल आईपीएल में खेलने का अधिक समय ही नहीं मिल सका। दूसरी ओर मुंबई प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर लग रही है हालांकि उसे पांच मैच और खेलने हैं।

# चार विभागीय एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, 2 मई। भारतीय मुक्केबाजों मांदेंगबाम जादुमणि सिंह, निखिल, अजय कुमार और अंकुश ने गुरुवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुष अंडर-22 सेमीफाइनल में जगह बनाई। जादुमणि ने 51 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में भूटान के फुंटशो किनले को 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई।

निखिल (57 किग्रा) ने भी इसी तरह का दबदबा बनाया और उज्बेकिस्तान के बख्तियोरोव अयूबखोन को 4-0 से शिकस्त दी। अजय (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) ने रेफरी के मुकाबले रोकने (आरएससी) पर अपने-अपने मुकाबले जीते। अजय ने मंगोलिया के दमदिंडोरज पी के खिलाफ पहले दौर में ही मुकाबला जीत लिया जबकि अंकुश ने कोरिया के ली जू सांग के खिलाफ तीसरे दौर में जीत दर्ज की। आशीष हालांकि पुरुषों के 54 किग्रा क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के ओयुन एर्डेन ई के खिलाफ 2-3 से हार गए। बुधवार देर रात आर्यन (92 किग्रा),

निशा (52 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) ने युवा वर्ग में अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीते।

## टी-20 वर्ल्ड कप के लिए तीन देशों की टीम घोषित, कनाडा-ओमान में 11 भारतीय

नई दिल्ली, 2 मई। टी-20 वर्ल्ड के लिए कनाडा, नेपाल और ओमान ने भी अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। नेपाल ने अपनी टीम में पूर्व कप्तान संदीप लामिछाने को जगह नहीं दी है। कनाडा और ओमान ने पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी को अपना कप्तान बनाया है।

दोनों टीमों में 11 भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। ओमान ने 4 और कनाडा ने 7 भारतीय मूल के खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरी बार क्वालिफाई करने वाली नेपाल की टीम में संदीप लामिछाने को जगह नहीं दी गई है। नेपाल ने रोहित पौडेल को टीम का कप्तान नियुक्त किया है।

टीम में आतिशी बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी भी हैं। उन्होंने हाल ही टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में एक ओवर में छह छक्के जड़े थे। 34 गेंदों पर टी-20 शतक ठोकने वाले कुशल मल्ला भी टीम का हिस्सा हैं।

संदीप लामिछाने पर सितंबर 2022 में रेप का केस हुआ था। निचली अदालत ने उन्हें पुलिस हिरासत में रखकर पूछताछ करने के लिए कहा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में रखने के फैसले को पलट दिया।

## पाकिस्तान क्रिकेट ने की 18 खिलाड़ियों के नामों की घोषणा

पाकिस्तान, 2 मई। इसी महीने पाकिस्तान आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा। वहीं इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। पीसीबी ने ये भी बताया कि इसी स्क्वॉड में से 3 प्लेयर्स को बाहर कर वर्ल्ड कप स्क्वॉड जारी किया जाएगा, जो इंग्लैंड सिरीज के दौरान ही किया जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप से पहले 10 से 14 मई के बीच आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा। इसके बाद 22 से 30 मई के बीच पाकिस्तान और इंग्लैंड टी20 सीरीज होगी। आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए आखिरी स्क्वॉड देने के लिए 24 मई डेड लाइन रखी है।

## कांगड़ा जिले में छह मई को पैराग्लाइडिंग, ड्रोन फ्लाइंक पर लगी रोक

धर्मशाला, 2 मई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रस्तावित धर्मशाला प्रवास मद्देनजर सुरक्षा कारणों से कांगड़ा जिला में पैराग्लाइडिंग, ड्रोन फ्लाइंग, हॉट एयर बैलून, एयरो स्पोर्ट्स जैसी गतिविधियों पर छह मई को पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। टी-20 मैच के दौरान 05 और 09 मई को धर्मशाला उपमंडल में पैराग्लाइडिंग, ड्रोन फ्लाइंग, हॉट एयर बैलून, एयरो स्पोर्ट्स जैसे गतिविधियों पर विराम रहेगा। हालांकि इसमें पुलिस प्रशासन तथा सुरक्षा एजेंसियों को छूट रहेगी। जिला दंडाधिकारी हेमराज बैरवा ने आज यहां यह आदेश पारित करते हुए कहा कि विशिष्ट अतिथियों तथा दर्शकों की सुरक्षा के मद्देनजर यह आदेश जारी किए गए हैं।

## क्रिकेट में तूफान मचाने के बाद बॉलीवुड डेब्यू करेंगे आंद्रे रसेल

कोलकाता, 2 मई। केकेआर के विस्फोटक बल्लेबाज आंद्रे रसेल क्रिकेट में गर्दा मचाने के बाद अब बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। दरअसल, आंद्रे रसेल को भारत में बहुत प्यार मिलता है, उनके चाहने वालों में बड़ी संख्या में भारतीय फैंस हैं। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में भी कदम रख लिया है जिसके बाद उन्होंने छोटे पर्दे की बालिका वधू यानी अविका गौर के साथ गाना शूट किया है जो 9 मई को रिलीज होगा।

### रोहित और अजीत अगरकर ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

# केएल राहुल से लेकर रिंकू सिंह तक कई सवालों के दिए जवाब

नई दिल्ली, 2 मई। आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 को लेकर भारतीय टीम घोषित हो चुकी है। वहीं गुरुवार को चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कई सवालों के जवाब भी दिए। इनमें केएल राहुल को ड्रॉप किए जाने से लेकर रिंकू सिंह को मौका नहीं मिलना और विराट कोहली के स्ट्राइक रेट पर भी उन्होंने अपना मत रखा।

वहीं जब चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से मीडिया ने पूछा कि केएल राहुल को ड्रॉप क्यों किया ? तो इस पर उन्होंने कहा कि, हमें बीच में एक खिलाड़ी की जरूरत थी। केएल राहुल टॉप पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। संजू ने अच्छा प्रदर्शन किया है और यहां तक कि ऋषभ पंत भी नंबर 5 पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। हालांकि, ये इस बारे में नहीं है कि कौन बेहतर है और कौन नहीं? लेकिन पंत और संजू ने निचले क्रम में बल्लेबाजी करने में ज्यादा समय बिताया है।

वहीं रिंकू सिंह को टीम में मौका नहीं दिए जाने पर अगरकर ने कहा कि रिंकू सिंह ने कुछ गलत नहीं किया है। उन्हें ड्रॉप करना सबसे मुश्किल फैसला था, उनकी कोई गलती नहीं है। ये दुर्भाग्यपूर्ण है।टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने शिवम दुबे के चयन पर बताया कि हमार टॉप ऑर्डर आक्रमक बल्लेबाजी करता है और ये बुरा नहीं है। हम चाहते थे कि मिडिल ओवरों में भी कोई इसी तरह की भूमिका निभाए और फ्री होकर खेले। हमने आईपीएल में शिवम दुबे के प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन किया। हमने इस बारे में बात की और उनका चयन किया।

## ओस के कारण हमारे लिए परिस्थितियां मुश्किल हो गयी : ऋतुराज गायकवाड़

चेन्नई, 2 मई। पंजाब किंग्स के खिलाफ 13 गेंद शेष रहते सात विकेट से शिकस्त का सामना करने के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा कि ओस के कारण बाद में बल्लेबाजी करना आसान हो गया था। गायकवाड़ की 48 गेंद में 62 रन की पारी के दम पर सीएसके ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 162 रन बनाये। पंजाब ने 17.5 ओवर में तीन विकेट पर लक्ष्य हासिल कर 10 मैचों में चौथी जीत दर्ज की। गायकवाड़ ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, '' हमने 50-60 रन कम बनाये थे। जब हम पहले बल्लेबाजी कर रहे थे तो पिच काफी चुनौतीपूर्ण थी लेकिन बाद में ओस के कारण चीजें मुश्किल हो गयी।'' उन्होंने कहा, '' ओस के कारण हमारे लिए परिस्थितियां काफी मुश्किल हो गयी। पिछले मैच में भी हम उस समय आश्चर्यचकित थे जब हमने बड़े अंतर से मैच जीता था। यह कुछ ऐसा है जो हमारे हाथ में नहीं है।'' गायकवाड़ ने कहा, ''हम पहले पारी में और अच्छी बल्लेबाजी कर सकते थे।

## रूबलेव ने अलकराज के तीसरी बार मैड्रिड ओपन जीतने के सपने को तोड़ा

मैड्रिड, 2 मई। रूस के टेनिस खिलाड़ी आंद्रे रूबलेव ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए स्पेन के कार्लोस अलकराज के लगातार तीन बार मैड्रिड ओपन खिताब जीतने के सपने को तोड़ दिया है। बुधवार को मैड्रिड ओपन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में सातवीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव ने एक सेट में पिछड़ने के बाद स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अलकराज को 4-6, 6-3, 6-2 से हराया।

दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन 20 वर्षीय अलकराज ने 41 मिनट में शुरुआती सेट जीतने के बावजूद अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके। रुबलेव ने एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में जोरदार प्रदर्शन करते हुए अलकराज की 14 मैचों की जीत की लय को तोड़ते हुए मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। रुबलेव ने मैच के बाद कहा, सर्विस ने आज मुझे कई बार बचाया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह मेरे पहले मैचों में से एक था जहां मैं पूरी तरह से शांत था। मैंने एक शब्द भी नहीं कहा, भले ही मैं हार रहा था। मैं और भी बेहतर सर्विस करने में सक्षम था क्योंकि शुरुआत में, मैं उतनी अच्छी सर्विस नहीं कर पा रहा था, लेकिन धीरे-धीरे, एक सेट के बाद मैं बेहतर होता गया और मैंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया।

## शास्त्री और यूनाइटेड भारत ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की

नयी दिल्ली, 2 मई। शास्त्री एफसी और यूनाइटेड भारत ने गुरुवार को अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए सुपर सिक्स के लिये अपना दावा मजबूत किया। आज यहां विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पर खेले गए तेज रफ्तार मुकाबले में गौतम और प्लेयर ऑफ द मैच दीपू एल्सन के शानदार गोलों की मदद से शास्त्री एफसी ने अजमल एफसी को 2-0 से हरा कर डीएसए सीनियर डिवीजन लीग के सुपर सिक्स में पहुंचने की मजबूत दावेदारी पेश की। शास्त्री ने अधिकांश समय मैच में अपना दबदबा बनाए रखा लेकिन तेज हवा के चलते ज्यादा गोल नहीं निकल पाएं। आज की जीत के साथ शास्त्री ने आठ मैचों में 14 और अजमल ने 11 अंक बनाए हैं।

# मैच फिक्सिंग में फंसे विंडीज विकेटकीपर

## कैरेबियाई क्रिकेटर डेवोन थॉमस पर लगा 5 साल का बैन, समेत साबित हुए 7 बड़े आरोप

वेस्टइंडीज, 2 मई। वेस्टइंडीज के एक विकेटकीपर खिलाड़ी पर गाज गिरी है. 34 वर्षीय कैरेबियाई क्रिकेटर डेवोन थॉमस पर आईसीसी ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों में खेलने पर 5 साल का बैन लगा दिया है। थॉमस ने स्वीकार किया है कि उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट, अमीरात क्रिकेट बोर्ड और कैरेबियन प्रीमियर लीग के 7 एंटी करप्शन कोड्स का उल्लंघन किया है। इसी के चलते ने उन पर कड़ा एक्शन लेते हुए उन्हें 5 साल बैन की सजा सुनाई है। बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल ने पिछले साल मई में 7 आरोप लगाते हुए डेवोन थॉमस को सस्पेंड कर

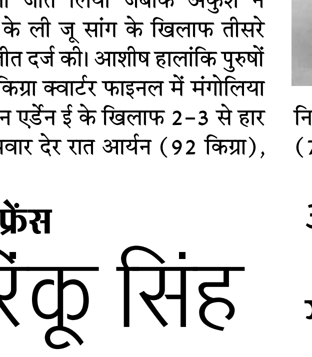

दिया था, लेकिन अब उन्हें पूरी तरह बैन कर दिया गया है। उनपर मैच फिक्सिंग के आरोप भी लगे थे और अपनी सफाई के लिए उन्हें 14 दिन की मोहलत दी गई था।

इंटीग्रिटी यूनिट के जनरल मैनेजर एलेक्स हेल्स ने स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा, ''प्रोफेशनल तौर पर अंतर्राष्ट्रीय, डोमेस्टिक क्रिकेट और फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट खेल चुके डेवोन थॉमस ने कई भ्रष्टाचार विरोधी सत्रों में भाग लिया था। वो जानते थे कि एंटी करप्शन कोड्स के तहत उनकी जिम्मेदारियां क्या थीं लेकिन वो अपने दायित्वों को पूरा करने में नाकाम रहे। ये बैन सही लगाया गया है और इससे भ्रष्टाचार करने वाले अन्य खिलाड़ियों को संदेश भी जाता है कि ऐसा करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।''

डेवोन थॉमस अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वेस्टइंडीज के लिए केवल 1 टेस्ट मैच खेल पाए, जिसमें उन्होंने 31 रन बनाए और 2 विकेट भी लिए थे। इसके अलावा उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए 21 वनडे मैचों में 238 रन बनाने के अलावा 2 विकेट भी लिए। वहीं 12 टी20 मैचों में थॉमस केवल 51 रन बना पाए थे. उन्हें आखिरी बार साल 2022 में वेस्ट इंडीज के लिए खेलते देखा गया था।

## थॉमस कप के क्वार्टरफाइनल में पुरुष और महिला टीम की हार के साथ भारतीय अभियान समाप्त

चेंगदू, 2 मई। भारतीय पुरुष और महिला बैडमिंटन टीम को थॉमस और उबेर कप 2024 के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में गुरुवार को मिली हार के साथ टूर्नामेंट में उसका अभियान समाप्त हो गया। चीन के चेंगदू में आयोजित क्वार्टरफाइनल में आज पुरुष टीम को चीन के खिलाफ 3-1 और महिला टीम को जापान के खिलाफ मुकाबले में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। एचएस प्रणॉय को चीनी खिलाड़ी शी यू की से 21-15, 11-21,14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

वहीं थॉमस कप के दूसरे मुकाबले में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को वेई केंग-वांग चांग की जोड़ी ने 21-15, 11-21, 21-12 से हराया और इसी के साथ भारत 0-2 से पिछड़ गया। वहीं एकल मुकाबले में राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन की जीत ने भारत की उम्मीदें बरकरार रखीं और स्कोर 1-2 हो गया। लक्ष्य ने ली शी फेंग को 13-21, 21-8, 21-14 से मात दी। लक्ष्य की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने वापसी की और मैच को तीसरे गेम तक पहुंचाया। भारतीय शटलर ने निर्णायक गेम में जीत दर्ज कर मैच अपने नाम कर लिया।

पुरुष युगल मुकाबले में ध्रुव कपिला और साई प्रतीक की जोड़ी को ही जी टिंग-रेन जियांग यू से सीधे गेम में 10-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ पुरुष टीम थॉमस कप से बाहर हो गई। इससे पहले महिला टीम ने एकल मुकाबले से प्रतियोगिता की शुरुआत की। विश्व रैंकिंग में 53वें स्थान पर मौजूद अश्मिता चालिहा को वर्ल्ड रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज़ अया ओहोरी ने 21-10, 20-22, 21-15 से शिकस्त दी।

वहीं, राष्ट्रीय युगल चैंपियन प्रिया कोन्जेंगबाम-सिमरन सिंघी को दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी नामी मत्सुयामा और चिहारू शिडा ने सीधे गेम में 21-8, 21-9 से हराया।

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को भाजपा के चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी संभालने दिल्ली पहुंचे। उन्होंने पश्चिम दिल्ली से भाजपा उम्मीदवार कमलजीत सहरावत के पक्ष में रोड शो किया और नामांकन सभा को भी संबोधित किया। सहरावत का रोड शो गुरुवार को सोशल मीडिया पर खूब चर्चित रहा, कमलजीत सहरावत हाथ में धनुष-बाण लेकर ढोल-नगाड़ों के साथ रोड शो करते हुये चुनाव नामांकन कार्यालय पहुँचीं। मुख्यमंत्री भजनलाल का भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया और उनके समर्थन में जोर-शोर से खूब नारे लगाये।*

# मु.मंत्री भजनलाल ने प. दिल्ली में भाजपा प्रत्याशी के लिए रोड शो किया

- **मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशी कमल सहरावत की नामांकन सभा में भी भाग लेकर उनका उत्साह बढ़ाया।**
- **सभा में जय श्रीराम और मोदी के नारों के साथ ही भजनलाल के लिए भी नारे लगे, ''राजस्थान का एक ही लाल भजनलाल।''**

नई दिल्ली, 2 मई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा गुरूवार को लोकसभा चुनाव, 2024, में पश्चिम दिल्ली की भाजपा प्रत्याशी कमलजीत सहरावत के नामांकन अवसर पर उपस्थित हुए।

मुख्यमंत्री गुरूवार को कमलजीत सहरावत के साथ पश्चिम दिल्ली के राजा गार्डन स्थित जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय भी गए तथा जीत के लिए सहरावत को अग्रिम बधाई दी।

इससे पूर्व भजनलाल शर्मा सहरावत के रोड शो में भी शामिल हुए। पश्चिम दिल्ली में जनकपुरी से आरंभ हुए इस रोड शो में हजारों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। करीब चार किलोमीटर लंबे रोड शो में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडों को लहराते हुए डीजे की धुन पर नाचते- गाते हुए भाजपा प्रत्याशी के लिए समर्थन जताया।

रोड शो में कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम और मोदी-मोदी के नारों के साथ-साथ ''राजस्थान का एक ही लाल भजनलाल भजनलाल'' के नारे लगाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। सहरावत द्वारा नामांकन दाखिल करने के अवसर पर केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी तथा दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी भाग लिया।

सहरावत का रोड शो गुरुवार को सोशल मीडिया पर खूब चर्चित रहा, कमलजीत सहरावत हाथ में धनुष-बाण लेकर ढोल-नगाड़ों के साथ रोड शो करते हुये चुनाव नामांकन कार्यालय पहुँचीं।

मुख्यमंत्री भजनलाल का भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया और उनके समर्थन में जोर-शोर से खूब नारे लगाये।

# फोर्टिस अस्पताल ने डोनर और रैसिपिएंट लाने के लिए एक प्राइवेट कम्पनी से एम.ओ.यू. कर रखा था

## राजधानी जयपुर में मानव अंग तस्करी व ट्रांसप्लांट केस में नया खुलासा

- **पुलिस ने मैड सफर प्राइवेट लिमिटेड नामक इस कम्पनी के निदेशक सुमन जाना व कर्मचारी सुखमय नन्दी उर्फ गोपाल को पश्चिम बंगाल में दो अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया है।**
- **इस कम्पनी के निदेशक तथा उसमें काम करने वाले कर्मचारी आम लोगों को बहला फुसला कर मानव अंगों की खरीद-फरोख्त और तस्करी करते थे।**

जयपुर, 2 मई। राजधानी जयपुर में मानव अंग तस्करी व ट्रांसप्लांट के मामले में आरोपियों से रोजाना बड़े खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि, मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए फोर्टिस अस्पताल ने मैड सफर प्राइवेट लिमिटेड नामक कम्पनी के साथ डोनर और रैसिपिएंट लाने का एम.ओ.यू. कर रखा है। पुलिस ने कम्पनी के निदेशक सुमन जाना एवं कर्मचारी सुखमय नन्दी उर्फ गोपाल को पश्चिम बगांल में दो अलग-अलग जगह पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है।

ए.सी.बी. कार्रवाई के बाद जवाहर सर्किल पुलिस थाने में मानव तस्करी व अंग प्रत्यारोपण के सम्बन्ध में चिकित्सा विभाग की ओर से मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस ने इसमें अब तक सवाई मानसिंह अस्पताल के सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह, विनोद सिंह और फोर्टिस अस्पताल के अंग प्रत्यारोपण कोऑर्डिनेटर गिर्राज शर्मा एवं बांग्लादेशी नागरिक नूरुल इस्लाम, मेहंदी हसन शमीम, मो. अहशानुल कोबीर और मो. आजाद हुसैन को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों से की गई पूछताछ व अनुसंधान से सामने आया कि, मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए फोर्टिस अस्पताल ने मैड सफर प्राइवेट लिमिटेड नामक कम्पनी के साथ अंग प्रत्यारोपण के लिए डोनर और रैसिपिएंट लाने का एम.ओ.यू. कर रखा है। इस कम्पनी के निदेशक तथा उसमें काम करने वाले व्यक्तियों द्वारा लोगों के साथ धोखाधड़ी कर मानव अगों की खरीद -फरोख्त की जाती थी। इस कम्पनी के निदेशक एवं अन्य सम्बन्धित व्यक्तियों की कोलकाता के आसपास होने की जानकारी मिलने पर एक विशेष टीम का गठन कर पश्चिम बंगाल भेजा गया। टीम ने तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों का संकलन कर कम्पनी के निदेशक सुमन जाना एवं कर्मचारी सुखमय नन्दी उर्फ गोपाल को पश्चिम बगांल में दो अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है। अभियुक्त सुमन जाना एवं सुखमय नन्दी उर्फ गोपाल से पूछताछ कर अग्रिम अनुसंधान जारी है।

सहरावत का रोड शो गुरुवार को सोशल मीडिया पर खूब चर्चित रहा, कमलजीत सहरावत हाथ में धनुष-बाण लेकर ढोल-नगाड़ों के साथ रोड शो करते हुये चुनाव नामांकन कार्यालय पहुँचीं। मुख्यमंत्री भजनलाल का भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया और उनके समर्थन में जोर-शोर से खूब नारे लगाये।

## 'कांग्रेस तो पाकिस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खबरों के बीच आयी कि, पाकिस्तान की पूर्ववर्ती इमरान खान सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने अपने सोशल मीडिया हैण्डल पर राहुल गांधी की तस्वीर लगाकर उनकी प्रशंसा की है। कांग्रेस का कहना है कि, प्रधानमंत्री विपक्ष को, खासतौर पर कांग्रेस को मात देने के लिए हिंदू-मुस्लिम, अल्पसंख्यक और पाकिस्तान कार्ड का बार-बार इस्तेमाल करते रहे हैं। मोदी ने कहा कि ''पाकिस्तान रो रहा है क्योंकि कांग्रेस यहाँ मर रही है। पाकिस्तान के नेता कांग्रेस के लिए दुआ कर रहे हैं। पाकिस्तान शहज़ादे (इशारा राहुल गांधी की ओर) को अगला प्रधानमंत्री बनाने के लिए बेताब है। यह आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि हम पहले ही जानते हैं कि, कांग्रेस पाकिस्तान की मुरीद है। पाकिस्तान और कांग्रेस के बीच की साझेदारी उजागर हो चुकी है। इससे पता चलता है कि, देश के दुश्मन भारत में कमज़ोर सरकार चाहते हैं, ना कि मजबूत सरकार।'' मध्य गुजरात के आणंद और खेड़ा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आणंद में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने विपक्ष के नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी मारिया आलम के ''वोट फॉर जिहाद'' आव्हान पर कांग्रेस के लिए चुटकी लेते हुए कहा कि ''हमने अब तक लव जिहाद और भूमि जिहाद के बारे में सुना है, लेकिन इण्डिया गठबंधन अब ''वोट जिहाद'' का आव्हान कर रहा है।''

## कॉमेडियन श्याम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि, उनके पास राजनीति, धन अथवा नामांकन का अनुभव नहीं है, अतः वह चुनाव मैदान में उतरने के लिए जनता का सहयोग चाह रहे हैं। श्याम रंगीला हाल ही में तब लोकप्रिय बन गए थे, जब उन्होंने पैट्रोल की बढ़ती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर एक वीडियो बनाया था, लेकिन अपने इस ''सोलो एक्ट'' के लिए उन्हें 11,000 का जुर्माना अदा करना पड़ा था।

## क्या इस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो सकेंगे। सुखबीर सिंह जौनपुरिया 2014 व 2019 में इसी सीट से जीत चुके हैं अर्थात गत दस सालों से इसी सीट से सांसद हैं और उनके खिलाफ ''एंटी इन्कमबैंसी'' लहर का भी थोड़ा बहुत असर है। चुनाव प्रचार के दौरान इस क्षेत्र के कई गांवों में उनका विरोध भी देखा गया।

## 'दबदबा था: दबदबा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **यह पहली बार नहीं है, जबकि केसरगंज सीट पर बृज भूषण सिंह ने अपने ''प्रॉक्सी'' उम्मीदवार को खड़ा किया और जितवाया है। जब बृज भूषण सिंह टाडा में गिरफ्तार थे, उनकी पत्नी उनके एवज में चुनाव लड़ी थीं और जीती थीं।**
- **इस बार भी बृज भूषण सिंह के पुत्र ''प्रॉक्सी'' उम्मीदवार हैं तथा केसरगंज से पारिवारिक सीट पर जीतेंगे।**

भी किया। तीस से ज्यादा सभाओं को संबोधित करते हुए, यौन उत्पीड़न के आरोपों पर अपनी बेगुनाही का दावा किया। इन सभाओं में कथित रूप से भारी संख्या में लोग उपस्थित थे, जिससे संकेत मिलते हैं कि, पिछले कुछ वर्षों में बृज भूषण क्षेत्र में काफी प्रभावशाली बन गए हैं।

बृजभूषण के बाद उसके भरोसेमंद संजय सिंह के भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख चुनने के बाद, उपरोक्त क्षेत्रों में बृजभूषण के पोस्टर्स लगाए गए, जिन पर लिखा था, ''दबदबा था, दबदबा रहेगा।'' यद्यपि उसका टिकट फाइनल नहीं हुआ था, फिर भी भूषण ने पिछले कुछ सप्ताहों में अपने चुनाव क्षेत्र में प्रचार शुरू कर दिया था, जिसमें भारी भीड़ जुट रही थी।

यह पहली बार नहीं है कि, भाजपा ने केसरगंज में एक ''प्रॉक्सी'' उम्मीदवार खड़ा किया है। वर्ष 1996 में जब बृजभूषण टाडा के तहत जेल में था, तब भाजपा ने उसकी पत्नी केतकी देवी सिंह को गौंडा चुनाव क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया था। वह उस वर्ष चुनाव जीत गयीं थीं।

अपनी मां की तरह, करण भूषण को भी राजनीति में अनाड़ी माना जाता है। करण भूषण ने ऑस्ट्रेलिया से बिजनैस मैनेजमैंट में डिप्लोमा किया है और वर्तमान में वह उत्तर प्रदेश कुश्ती महासंघ का अध्यक्ष है। करण के चुने जाने के कुछ दिन बाद, ओलंपिक मैडलिस्ट बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक ने विरोध प्रदर्शनों की धमकी दी थी, यह दावा करते हुए कि, सरकार ने वादा किया था कि, बृजभूषण या उसका कोई भी रिश्तेदार या उसका कोई भी साथी खेल का संचालन नहीं करेगा।

## 'भारत में लोकसभा चुनाव को प्रभावित कर रहा है अमेरिका'

नई दिल्ली, 2 मई (वार्ता) भारत ने अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग को एक पक्षपाती संगठन और उसकी रिपोर्ट को राजनीतिक एजेंडा करार दिया है तथा कहा है कि इसके जरिये भारत के आम चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां मीडिया की नियमित ब्रीफिंग में कहा, यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) ने कल अपनी रिपोर्ट 2024 जारी की है। वे पहले भी अपनी रिपोर्ट जारी करते रहे हैं। प्रवक्ता ने कहा कि, यू.एस.सी.आई.आर.एफ. को एक पक्षपाती संगठन के रूप में जाना जाता है।

# 'भारत ज़ैनोफोबिक होने की वजह से पिछड़ा हुआ है'

## अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि, भारत के आर्थिक शक्ति के तौर पर पीछे रह जाने का यही प्रमुख कारण है

- **''ज़ैनोफोबिक'' शब्द का अर्थ है, बाहरी लोगों का स्वागत करने से डरना।**
- **राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि, इसके विपरीत अमेरिका ''ज़ैनोफोबिक'' नहीं है। हम बाहरी लोगों का स्वागत करते हैं, बल्कि हमारा जो आर्थिक विकास हुआ है वह बाहरी लोगों की वजह से ही है।**

नई दिल्ली, 2 मई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि भारत जैसे देश जेनोफोबिक हैं। यही उनके आर्थिक शक्ति के तौर पर पीछे रह जाने का कारण है। बाइडन ने कहा कि भारत, चीन, जापान और रूस जैसे देश ''जेनोफोबिक'' हैं। इसके चलते उनकी अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। ''जेनोफोबिक'' का अर्थ एक प्रकार के डर से होता है, जो बाहरी लोगों को आने से रोकता है। बाडइेन ने कहा कि भारत, चीन, रूस जैसे देश बाहरी लोगों का स्वागत नहीं करते। यही वजह है कि उनकी इकॉनमी ज्यादा ग्रोथ नहीं कर पाई।

बाइडन ने एक आयोजन में कहा, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। इसकी एक वजह है क्योंकि हम और अन्य लोग भी मेहनत करते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम प्रवासियों का स्वागत करते हैं। बाइडन ने चीन का उदाहरण देते हुए कहा, चीन की अर्थव्यस्था आखिर क्यों रुक गई है? जापान क्यों मुश्किल में है। भारत और रूस की क्या स्थिति है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि वे जेनोफोबिक हैं। ये लोग प्रवासी नहीं चाहते। लेकिन हमें तो प्रवासियों ने ही मजबूत बनाया है। बता दें कि आई.एम.एफ. ने इस साल 2023 के मुकाबले ग्लोबल स्लोडाउन की आशंका जताई है।

आई.एम.एफ. का अनुमान है कि जापान की ग्रोथ 0.9 फीसदी रहेगी। वहीं भारत जैसे विकासशील देश की ग्रोथ 6.8 फीसदी रहेगी। वैश्विक मुद्रा कोष ने अपने अनुमान में यह भी कहा है कि अमेरिका की आर्थिक विकास दर 2.7 फीसदी रहेगी। बीते साल के मुकाबले थोड़ा सुधार रहेगा क्योंकि 2023 में यह 2.5 पर्सेंट पर ही ठहर गई थी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था में इस सुधार की वजह प्रवासी लोगों के आने से होगा। ये लोग वर्कफोर्स में शामिल होंगे और उससे इकॉनमी को भी मदद मिलने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि अमेरिका अकसर कहता है कि, हम अफ्रीका से लेकर एशिया तक के लोगों का स्वागत करते हैं। इसी के चलते हमारी ग्रोथ हुई है। अमेरिका में भारतीय मूल के भी लाखों लोग बसे हुए हैं। हालांकि अमेरिका की राजनीति में प्रवासी लोगों की बढ़ती संख्या भी एक मुद्दा रही है। यही नहीं हेट क्राइम भी वहां बीते कुछ सालों में तेजी से बढ़ा है। इस साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले भी प्रवासी लोगों की बढ़ती संख्या एक बार फिर से मुद्दा बन गई है। राष्ट्रपति बाइडन कई बार इस मामले को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना कर चुके हैं।

## 'राजनयिक पासपोर्ट पर भागे हैं प्रज्वल रेवन्ना'

- **भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि, प्रज्वल रेवन्ना ने अपनी यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय से कोई अनुमति नहीं मांगी थी।**

नई दिल्ली, 2 मई (वार्ता)। कर्नाटक में जनता दल सेकुलर (जद-एस) के सांसद और करीब तीन हजार महिलाओं के साथ दुष्कर्म के आरोपी प्रज्ज्वल रेवन्ना राजनयिक पासपोर्ट पर जर्मनी फरार हुआ है और जाने से पहले उसने सरकार से किसी तरह की कोई जानकारी साझा नहीं की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में पत्रकारों के सवालों के जवाब में यह जानकारी दी।

जायसवाल ने कहा, उक्त सांसद की जर्मनी यात्रा के संबंध में विदेश मंत्रालय से न तो कोई राजनीतिक मंजूरी मांगी गई थी और न ही जारी की गई थी। जाहिर है, कोई वीजा नोट भी जारी नहीं किया गया था। कोई वीजा नहीं राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए जर्मनी की यात्रा करना आवश्यक है। मंत्रालय ने उक्त सांसद के लिए किसी अन्य देश के लिए कोई वीज़ा नोट भी जारी नहीं किया है...हां, उन्होंने राजनयिक पासपोर्ट पर यात्रा की थी।

# चीन ने पी.ओ.के. की शक्सगाम घाटी में पक्की सड़क बनाई

- **भारत ने यह कहकर कड़ा विरोध जताया कि, यह क्षेत्र भारत का अभिन्न हिस्सा है, हम अपनी जमीन की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठा सकते हैं।**

नई दिल्ली, 2 मई। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर की शक्सगाम घाटी में चीन की नापाक हरकत सामने आई है। ताजा सैटलाइट तस्वीरों से पता चला है कि, चीन दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र के करीब पक्की सड़क बना रहा है।

दरअसल चीन सियाचिन कॉरिडोर के करीब अवैध रूप से कब्जे वाले कश्मीर में कंक्रीट सड़क का निर्माण कर रहा है। अब इसको लेकर भारत ने बड़ा कदम उठाया है।

भारत ने जमीन पर स्थिति को बदलने के अवैध प्रयास के तहत शक्सगाम घाटी में निर्माण गतिविधियों को अंजाम देने को लेकर चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि शक्सगाम घाटी भारत का हिस्सा है और नई दिल्ली ने 1963 के तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को कभी स्वीकार नहीं किया, जिसके माध्यम से इस्लामाबाद ने गैरकानूनी रूप से इस क्षेत्र को बीजिंग को सौंपने का प्रयास किया था।

## ''दरबार पॉलिटिक्स''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आए। उसके बाद के.सी. वेणुगोपाल राहुल के अगले प्रचार स्थल रायचूर पहुंचे और उन्होंने भी राहुल को अमेठी से चुनाव लड़ने के लिए राजी करने का प्रयास किया।

भाजपा द्वारा यह धारणा निर्मित की जा रही है कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा की स्मृति ईरानी के हाथों हारने के बाद राहुल यहाँ फिर से चुनाव लड़ने से डर रहे हैं।

राहुल ने केरल के वायनाड से भी चुनाव लड़ा था, जहाँ वे जीत गए थे। अब यदि वह अमेठी में जीत भी जाते हैं तो भी वह वायनाड को नहीं छोड़ना चाहते। वास्तविकता यह है कि अमेठी और रायबरेली के प्रत्याशी तय करने का निर्णय अंतिम क्षणों में लिया जाएगा। इससे यह पता चलता है कि कांग्रेस अपने महत्वपूर्ण निर्णय किस तरह से ले रही है और कांग्रेस के इन क्रियाकलापों पर पूरे देश की नज़र है।

सूत्रों का कहना है कि, प्रियंका गाँधी चुनाव लड़ने की इच्छुक हैं लेकिन, राहुल गाँधी नहीं चाहते कि, वे चुनाव लड़ें, क्योंकि इससे भाजपा को जोर शोर से यह कहने का अवसर मिल जाएगा कि, नेहरू-गाँधी खानदान पूरी तरह सक्रिय है और तीन गाँधी संसद में हैं। लेकिन, इससे भी अधिक, यह राहुल तथा प्रियंका के सलाहकारों के बीच की जंग है और सूत्रों का कहना है कि, राहुल की टीम ने लगातार उन्हें यह सलाह दी है कि, यदि प्रियंका संसद में पहुँच गईं तो वो एक बड़े ''पावर सैंटर'' के रूप में उभरकर राहुल के लिए, उनके नेतृत्व के लिए भारी चुनौती बन सकती हैं।

शायद इसीलिए उन्हें बिना किसी विभाग के ए.आई.सी.सी. महासचिव बनाया गया है और कोई चार्ज भी नहीं दिया है।

सोनिया गाँधी राहुल की सुनती हैं और जो वो कहते और करते हैं उससे सहमत होती हैं, चाहे वो बात या एक्शन प्रियंका के विरूद्ध ही क्यों न हो।

यह है ''दरबार पॉलिटिक्स''।

## चूरू में भाजपा प्रत्याशी कांग्रेस के राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **क्षेत्र के माली समाज ने बड़े पैमाने पर राहुल कस्वां का तिरस्कार किया, क्योंकि नामांकन सभा में कस्वां ने अशोक गहलोत की अनदेखी कर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से हाथ मिलाया था और इसे माली समाज ने सहजता से नहीं लिया।**

लेकिन कांग्रेस के राहुल कस्वां को हुए इस नुकसान की भाजपा के वसुंधरा राजे गुट ने भरपाई कर दी है। सभी जानते हैं कि चूरू जिले में भाजपा मोटे तौर पर राठौड़ और कस्वां गुट में बंटी हुई है। कस्वां गुट को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का पूरा समर्थन आज भी मिला हुआ है। आरोप है कि इसी गुट ने तारानगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को पराजित करवाया था। भाजपा द्वारा देवेंद्र झांझड़िया के नाम की घोषणा होते ही राहुल कस्वां और उनके समर्थकों ने राजेंद्र राठौड़ पर टिकट कटवा देने के आरोप लगाने शुरू कर दिए थे। कुल मिलाकर चूरू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में न तो मोदी लहर कायम रह सकी और न ही विकास के मुद्दों को उठाया जा सका। यहां तो सिर्फ राजेंद्र राठौड़ द्वारा राहुल कस्वां का टिकट कटवाना ही चुनावी जंग का मुख्य बिंदु बना रहा।

इसका फायदा राहुल कस्वां को यह मिला कि जाट समाज उनके पक्ष में खड़ा हो गया। माना जा रहा है कि जाट समाज के 80 प्रतिशत मतदाताओं ने राहुल कस्वां के पक्ष में मतदान किया है। राहुल कस्वां को टिकट नहीं मिला तो वे कांग्रेस में चले गए, परन्तु उनके कई समर्थकों और भाजपा के वसुंधरा गुट ने भाजपा में ही रहकर ही देवेंद्र झांझड़िया को पराजित करके राजेंद्र राठौड़ की राजनीति को पूरी तरह से खत्म करने की ठान ली। सारा खेल संकेतों के आधार पर ही खेला गया। वसुंधरा राजे गुट के कई भाजपा नेता गुप्त रूप से कांग्रेस के राहुल कस्वां के पक्ष में प्रचार करते रहे।

देवेंद्र झांझड़िया के पास उन्हीं लोगों का जमावड़ा रहा, जिन्होंने राजेंद्र राठौड़ को हराने में अहम भूमिका निभाई थी। जातिगत स्तर पर देखें तो एस.सी. और एस.टी. के 60 प्रतिशत वोट परंपरागत रूप से कांग्रेस के उम्मीदवार को ही मिले हैं। लेकिन सैनी समाज के वोट भी बंट गए, 40 प्रतिशत सैनी मतदाता ही कांग्रेस के साथ रहे। सैनी वोट बंटने के कारण यह रहा कि नामांकन सभा के दौरान राहुल कस्वां ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को छोड़कर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्दसिंह डोटासरा से हाथ मिलाया था। सैनी समाज के लोगों ने उसी दिन इस बात की मन में गांठ बांध ली थी कि कस्वां को वोट नहीं देने हैं। ब्राह्मण, प्रजापत, नाई, स्वामी, खाती आदि जातियों के 50 प्रतिशत मतदाताओं ने कांग्रेस को तो 50 प्रतिशत ने भाजपा को वोट दिया है। राजेन्द्र राठौड़ की वजह से राजपूत समाज के सबसे अधिक 95 प्रतिशत वोट भाजपा के देवेंद्र झांझड़िया को मिले हैं। इस हिसाब से कांग्रेस के राहुल कस्वां जीत के अधिक निकट लग रहे हैं।

मजे की बात है कि चूरू में भाजपा का वसुंधरा गुट अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार पर भारी पड़ रहा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अगर चूरू में भाजपा हारी तो कांग्रेस की बजाय अपनी ही पार्टी के वसुंधरा गुट से ही हारेगी। हालांकि हवा तो कांग्रेस के राहुल कस्वां के पक्ष में ही लग रही है लेकिन भाजपा के देवेन्द्र झांझड़िया को भी कम नहीं आंक सकते हैं। झांझड़िया के साथ भीतरघात हुआ है वैसे ही राहुल कस्वां के साथ भी हुआ है और जिसके साथ भारी भीतरघात हुआ है, वो ही चुनाव हारेगा।

## 'गैर जमानती वॉरंट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की प्रक्रिया से बचने अथवा साक्ष्य को तोड़ने -मरोड़ने या नष्ट करने की कोशिश करेगा।

जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली एक बैंच ने कहा कि, गैरकानूनी वारंट जारी करने के लिए हालांकि, कोई व्यापक गाइडलाइन्स मौजूद नहीं हैं, फिर भी शीर्ष अदालत ने कई मौकों पर टिप्पणी की है कि, गैर जमानती वारंट जारी नहीं किया जाना चाहिए, जब तक कि आरोपी पर जघन्य अपराध का आरोप ना लगा हो और उसके द्वारा कानून से बचने, साक्ष्य तोड़ने-मरोड़ने या नष्ट करने की आशंका ना हो।

बैंच, जिसमें जस्टिस एस.वी.एन. भट्टी भी थे, ने समन आदेश को खारिज करते हुए कहा कि, ''यह विधि की एक तय स्थिति है कि, गैर जमानती वारंट रुटीन में जारी नहीं किए जा सकते और किसी व्यक्ति विशेष की स्वतंत्रता को तब तक कम नहीं किया जा सकता जब तक कि जनता और देश के व्यापक हित में ऐसा करना जरुरी ना हो।''

वर्ष 2021 में, लखनऊ के स्पेशल चीफ जूडीशियल मजिस्ट्रेट ने मैनेजर सिंह नाम के व्यक्ति के विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी करते हुए कहा था कि, जमानत मिलने से पहले व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दिए जाने का कोई प्रावधान नहीं है।

एक अन्य आदेश में यह बात भी थी कि, चूंकि जमानती वारंट जारी किए जाने के बावजूद आरोपी अनुपस्थित था, इसलिए उसकी व्यक्तिगत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए गैर जमानती वारंट जारी किए गए।

शीर्ष अदालत ने मेनका संजय गांधी व अन्य बनाम रानी जेठमलानी के केस में व्यवस्था दी थी कि, व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने की शक्ति का प्रयोग तभी करना चाहिए, जबकि तथ्य और परिस्थितियों के अनुरुप ऐसी छूट देना जरुरी हो।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908